हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • मंगलवार • 11.08.2026 • वर्ष : 17 • अंक : 21 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

मानसून सत्र : 8399.31 करोड़ का अनुपूरक बजट पास, कार्यवाही आज 11 बजे तक स्थगित

केंद्र सरकार कर रही झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार : वित्त मंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा मॉनसून सत्र के तीसरे दिन सदन में 8399 करोड़ 31 लाख का अनुपूरक बजट को पास हो गया। वित्तीय वर्ष 2026-27 के पहले अनुपूरक बजट की अनुदान मांगों को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गई। इसके साथ ही झारखंड विनियोग संख्या 3 विधेयक 2026 भी सदन से पारित हो गया।

विनियोग विधेयक के जरिए 31 मार्च 2027 तक होने वाले सरकारी खर्च के लिए राशि का प्रावधान किया गया है। सदन में विधेयक पर चर्चा के बाद इसके सभी हिस्सों को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। इसके बाद विधेयक को अंतिम रूप से पारित कर दिया गया। सदन में सभी अनुदान मांगों और विनियोग विधेयक को मंजूरी मिलने के बाद विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार की सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

प्रथम अनुपूरक बजट पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने राज्य की वित्तीय स्थिति पर विस्तार से बताया। पिछले चार महीनों के खर्च और केंद्र से मिलने वाली राशि का आंकड़ा सदन में रखा। साथ ही केंद्र की भाजपानीत सरकार पर झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के बाद झारखंड को अनुदान के रूप में केवल 0.73 प्रतिशत राशि मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार झारखंड में भाजपा की सरकार नहीं होने के कारण राज्य के साथ भेदभाव कर रही है। उन्होंने टैक्स डेवोलेशन के आंकड़े रखते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश को 19,208 करोड़ रुपये, बिहार को 10,845 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश को 810 करोड़ रुपये, महाराष्ट्र को 722 करोड़ रुपये और राजस्थान को 460 करोड़ रुपये मिले। वहीं झारखंड को केवल 360 करोड़ रुपये मिले। उन्होंने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में राजस्व प्राप्ति लगभग 26 फीसदी और राजस्व खर्च लगभग 21 फीसदी रही है।

जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल खियांग्ते गिरफ्तार

रांची : अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष एल खियांग्ते को गिरफ्तार कर लिया है। उनकी गिरफ्तारी जेपीएससी की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा में कथित अनियमितताओं के मामले में हुई है। गिरफ्तारी के बाद सीआईडी की टीम उन्हें अपने कार्यालय ले गई है। पूछताछ की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें सोमवार शाम न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

विधायकों को जमीन नहीं मिलने के सरकारी जवाब से असंतुष्ट हुए वित्त मंत्री

विधानसभा के मॉनसून सत्र के तीसरे दिन प्रो. स्टीफन मरांडी ने ध्यानाकर्षण के जरिए विधायकों के जमीन आवंटन का मामला सदन में उठाया। मंत्री दीपक बिरुआ ने बताया कि विधायकों के गृह निर्माण के लिए एक ही स्थान पर पर्याप्त जमीन उपलब्ध नहीं है। इसलिए नगड़ी, नामकुम, रातू और ओरमांझा अंचल में जमीन चिन्हित की गई है। संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने सरकार के जवाब पर असंतोष जताते हुए कहा कि सदन में दो महीने के अंदर जमीन उपलब्ध कराने की बात कही गई थी। उन्होंने कहा कि वे खुद जिला प्रशासन से बात करेंगे और चिन्हित स्थलों का निरीक्षण करेंगे।

सवाल पूछने वाले सदस्य समय पर सदन में रहें : विधानसभा अध्यक्ष

रांची : झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन सोमवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विधानसभा अध्यक्ष ने सदस्यों की गैरमौजूदगी पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कई बार सदस्य सदन में सवाल पूछते हैं, लेकिन जब उनके सवाल का नंबर आता है तो वे सदन में मौजूद नहीं रहते। इससे सदन की कार्यवाही प्रभावित होने के साथ-साथ उसकी गरिमा पर भी असर पड़ता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन सदस्यों के सवाल सूचीबद्ध हैं, उन्हें अपने सवाल के समय सदन में उपस्थित रहना चाहिए।

छात्र मान गए थे, अब आंदोलन छात्रों का कम भाजपा का ज्यादा हो गया : सुदिव्य कुमार

रांची : मंत्री सुदिव्य कुमार ने विधानसभा में कहा कि वार्ता के बाद छात्र मान गये थे, लेकिन उनके पीछे आका सड़क पर अराजक स्थिति पैदा करना चाहते थे। भाजपा ने इस पूरे आंदोलन को हैक कर लिया है। अब यह आंदोलन छात्रों का कम, भाजपा का ज्यादा हो गया है। मुझे छात्रों पर भरोसा है, उन्होंने वादा किया है कि प्रदर्शन में हिंसा नहीं होगी। हमें उन पर पूरा विश्वास है। लेकिन अगर अराजक तत्व हिंसा करते हैं, तो उनसे सरकार निपटेगी। सदन छात्रों को एक बार फिर से कह रहा है कि वह हमारे बच्चे हैं। वह वार्ता के टेबल पर आये। हम हर वक्त बात करने को तैयार हैं। सुदिव्य कुमार ने विधानसभा में पूरे मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि यह पूरा मामला 14वीं जेपीएससी में गड़बड़ियों का है। राज्य सरकार ने जानकारी मिलने पर सीआईडी से जांच शुरू करायी। गड़बड़ियों की पुष्टि के बाद 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस बीच अध्यक्ष से इस्तीफा लिया गया।

हेमन्त सोरेन के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री मोदी समेत कई नेताओं ने दी बधाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का सोमवार को जन्मदिन था। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास और ओम बिरला समेत कई प्रमुख नेताओं ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। नेताओं ने हेमन्त सोरेन के अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की। वहीं, जन्मदिन के मौके पर उनके राजनीतिक सफर और मुख्यमंत्री के रूप में उनके उतार-चढ़ाव की भी चर्चा हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर हेमन्त सोरेन को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने लिखा, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं। ईश्वर उन्हें लंबी आयु और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी हेमन्त सोरेन को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु की कामना है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी झारखंड के मुख्यमंत्री को बधाई दी। उन्होंने कहा, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु जीवन की कामना करता हूं।

वहीं इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। रघुवर दास ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, झारखंड के मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। बाबा बैद्यनाथ से आपके स्वस्थ और दीर्घ जीवन की कामना करता हूं।

मप्र में नाले में कार बही, नौ लोगों की मौत

राजगढ़ : मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के सारंगपुर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह तेज बारिश के बीच नाले के निमार्णाधीन पुल पर तेज बहाव में ईको कार बहने से ससुर-दामाद के परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई जबकि दो लोगों ने तैरकर अपनी बचा ली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताते हुए आर्थिक मदद का ऐलान किया है। ग्राम पड़ाना चौकी क्षेत्र में बाइपास स्थित झिरी नाले के निमार्णाधीन पुल पर तेज बहाव में चालक ने ईको कार निकालने का प्रयास किया। इसमें कार पानी में बह गई। कार में कुल 11 लोग सवार थे। इनमें से नौ लोगों की डूबने से मौत हो गयी जबकि दो लोग अपनी जान बचाने में कामयाब रहे। पुलिस के अनुसार ईको कार में सवार परिवार देवास जिले के सतवास थाना क्षेत्र के ग्राम कड़लावद धाम जा रहा था। बताया गया कि शंकरसिंह की पत्नी सागरबाई लकवा की बीमारी से पीड़ित थीं। परिवार उन्हें झाड़फूंक कराने के लिए कड़लावद धाम ले जा रहा था। इसी दौरान तेज बारिश के कारण झिरी नाले में पानी का बहाव काफी बढ़ गया था। हादसे में विशाल (27) पुत्र शंकर सिंह चौहान निवासी ग्राम धांसड, शंकर सिंह (50) पुत्र सोहेबू चौहान, पूजा (25) पत्नी विशाल सिंह, सागरबाई (45) पत्नी शंकर सिंह चौहान, महक (2) पुत्री विशाल, वंशिका (3)पुत्री विशाल, रेणू पंवार (28) पत्नी होकम सिंह पंवार,जसप्रीत (5)पुत्री होकम सिंह और राजवीर (3) पुत्र होकम सिंह पंवार निवासी सतवास, जिला देवास की मौत हुई है। वहीं होकम सिंह (40) पुत्र नकल सिंह पंवार और मुकेश (40) पुत्र नानकराम ने तैरकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलते ही एसडीएम रोहित बम्होरे, एसडीओपी अरविंद सिंह और थाना प्रभारी राहुल रघुवंशी मौके पर पहुंचे। रेस्क्यू टीम ने काफी मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला। क्रेन की मदद से कार को भी नाले से बाहर निकाला गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताते हुए प्रत्येक मृतक के परिवार को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप पात्र मृतकों के परिजनों को नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जा रही है।

एक नजर

सरकार को छात्रों की बात सुननी चाहिए : राहुल गांधी

रांची : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी फिर जेपीएससी-जेएसएससी की प्रतियोगी परीक्षाओं में भ्रष्टाचार को लेकर आंदोलनरत छात्रों के समर्थन में उतर गए हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा है कि झारखंड में विरोध-प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ बल का इस्तेमाल गलत है। छात्रों को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है और बातचीत से ही समाधान निकल सकता है। झारखंड सरकार को इन छात्रों की बात सुननी चाहिए और हर समस्या का तुरंत समाधान करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने जयपाल सिंह स्टेडियम में अनशन पर बैठे छात्रों से भी बात की थी और उन्हें समर्थन और सहयोग करने का आश्वासन दिया था।

पीएलएफआई का नक्सली हथियार के साथ धराया

लातेहार : जिले के बरियातू थाना क्षेत्र में पुलिस ने पीएलएफआई नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक सदस्य को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सली की पहचान बालूमाथ निवासी लालदेश्वर यादव के रूप में हुई है। उसके पास से पिस्टल और गोलियां बरामद की गई हैं। हालांकि पुलिस टीम को देखकर भागने के दौरान संगठन का कमांडर बादल यादव अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर निकल गया। उसकी तलाश में पुलिस की छापेमारी जारी है। सोमवार को प्रेस वार्ता करते हुए थाना प्रभारी प्रभात कुमार दास ने बताया कि निर्माण कार्य करा रहे संवेदक से पीएलएफआई के लोगों ने लेवी की मांग की थी।

संसद ने टैक्स बिल को मंजूरी दी, सीतारमण ने कहा- यूपीआई लेनदेन रहेंगे मुफ्त

एजेंसी

नयी दिल्ली : संसद ने सोमवार को 'कराधान और अन्य कानून संशोधन विधेयक-2026' को ध्वनिमत से पारित कर दिया। राज्यसभा ने विधेयक पर चर्चा के बाद इसको लोकसभा में वापस भेज दिया। इस विधेयक में विदेशी निवेश के नियमों, डिजिटल पेमेंट (यूपीआई/एमडीआर), कच्चे हीरे के व्यापार में छूट और आरईआईटी/ इनविट्स पर टैक्स से जुड़े बदलाव शामिल हैं। इसे लोकसभा ने पहले ही अपनी मंजूरी दे दी थी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कराधान और अन्य कानून संशोधन विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए साफ किया कि यह कानून यूपीआई पर कोई टैक्स नहीं लगाता है और डिजिटल पेमेंट सिस्टम मुफ्त बना रहेगा। पिछले हफ्ते लोकसभा से पास हुए इस विधेयक को राज्यसभा ने वित्त मंत्री के जवाब और संक्षिप्त चर्चा के बाद 'वॉइस वोट' (मौखिक मतदान) से वापस भेज दिया।

सीतारमण ने राज्यसभा में इस विधेयक पर चर्चा के दौरान जोर देकर कहा कि इसमें यूपीआई पर किसी भी तरह के टैक्स या लेनदेन चार्ज का प्रस्ताव नहीं है। वित्त मंत्री ने कहा, क्या उपभोक्ता को कोई यूपीआई चार्ज देना होगा? नहीं। सीतारमण ने सदन को बताया लॉन्च के समय से यूपीआई कंज्यूमर्स के लिए मुफ्त रहा है। उन्होंने कहा हर भारतीय बिना किसी ट्रांजैक्शन चार्ज के इस इंस्टेंट डिजिटल सुविधा का इस्तेमाल करता रहेगा।

रूस पर यूक्रेन का सबसे घातक हमला, 12 की मौत

एजेंसी

नयी दिल्ली : रूस और यूक्रेन के बीच पिछले करीब साढ़े चार साल से जंग जारी है। इस दौरान कई ऐसे मौके आए जब रूसी सेना ने यूक्रेन के अंदर घुसकर विनाशकारी हमले किए लेकिन अब जो खबर सामने आ रही है, उसमें यूक्रेन ने रूस से अंदर करीब 1000 किलोमीटर अंदर घुसकर सबसे घातक हमलों में से एक अंजाम दिया है, जिसमें 12 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 39 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन की तरफ से सोमवार को रूस के निजनेकाम्स्क शहर में किए गए ड्रोन हमले में 12 लोगों की मौत हो गई और 39 अन्य घायल हो गए। तातारस्तान क्षेत्र के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है।

यूक्रेन ने निजनेकाम्स्क शहर में किए गए अटैक के जरिए रूस को दोहरा घाव दिया है। एक तो बड़ी संख्या में लोगों को हताहत किया है, दूसरा उसके बड़े ऊर्जा ठिकानों को तबाह कर दिया है। बता दें कि यूक्रेन ने हाल के महीनों में लगभग रोज ही, लंबी दूरी के ड्रोन के जरिए रूस के तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया है। इन हमलों से रूस में ईंधन की कमी की स्थिति पैदा हुई है, तेल शोधन क्षमता प्रभावित हुई है और आम जनता में चिंता बढ़ी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का कहना है कि यह अभियान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बातचीत की मेज पर आने और चार साल से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए मजबूर करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। तातारस्तान के प्रमुख रुस्तम मिन्निखानोव के प्रेस सेवा कार्यालय के अनुसार, निजनेकाम्स्क शहर में सोमवार सुबह औद्योगिक और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाकर "बड़ा" ड्रोन हमला किया गया।

निजनेकाम्स्क यूक्रेन की सीमा से करीब 1,200 किलोमीटर पूर्व में स्थित है और इसकी आबादी लगभग 2.40 लाख है। यह शहर रूस का एक महत्वपूर्ण तेल शोधन केंद्र है, जहां दो तेल रिफाइनरी और एक पेट्रोकेमिकल संयंत्र स्थित हैं। जेलेंस्की ने रविवार देर रात सोशल मीडिया पर कहा, "हम पूरी तरह से उचित जवाब दे रहे हैं और रूस के हर हमले का जवाब दिया जाएगा। रूस का युद्ध अब अपने ही घर यानी रूस में अधिक से अधिक महसूस किया जाएगा।" उन्होंने कहा, "इस युद्ध के अब भी जारी रहने का एकमात्र कारण रूस की इसे समाप्त करने की अनिच्छा है।"

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, दोनों पक्षों ने इस साल लंबी दूरी के हमलों को काफी बढ़ा दिया है, जिससे आम नागरिकों की मौत के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। स्थानीय यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन में फ्रंट लाइन के पास, उत्तर-पूर्वी खार्कोव इलाके के एक गांव में रूसी तोपखाने के हमले में पांच लोग मारे गए।

होर्मुज में अमेरिका की 'महाघेराबंदी', उतारे 20 युद्धपोत

एजेंसी

नयी दिल्ली : ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी सेंट्रल कमांड होर्मुज स्ट्रेट के आसपास 20 से अधिक युद्धपोत तैनात कर दिए हैं। यह कदम वाशिंगटन द्वारा ईरान के खिलाफ अपनी नाकाबंदी को और सख्त बनाने के बीच उठाया गया है। यह तैनाती होर्मुज के आसपास बढ़ते तनाव के मद्देनजर की गई है। तेहरान ने साफ कहा है कि वाणिज्यिक शिपिंग के लिए इस रणनीतिक जलमार्ग को फिर से खोलने से पहले उसकी मांगें पूरी की जानी चाहिए।

सेंटकॉम के अनुसार, अमेरिकी नौसेना के विध्वंसक यूएसएस रॉस पर सवार नाविक भी इस क्षेत्र में तैनात बलों का हिस्सा हैं। कमांड ने कहा कि ये युद्धपोत सैन्य मिशनों का समर्थन कर रहे हैं, जिनमें 'ईरान के खिलाफ अमेरिकी नाकाबंदी को सख्ती से लागू करना' शामिल है। अमेरिकी सैन्य कमांड ने आगे बताया कि 9 अगस्त तक सेंटकॉम ने 55 वाणिज्यिक जहाजों को दूसरी दिशा में मोड़ दिया है, दो को रोका है और दो पर चढ़कर नियमों का पालन सुनिश्चित किया है।

ईरान के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई तेज

यह तैनाती ऐसे समय हुई है जब खबर है कि ईरान और ओमान एक समझौते के करीब पहुंच गए हैं, जिससे होर्मुज से होकर नई शिपिंग लेन बन सकती हैं। रॉयटर्स के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने रविवार को कहा कि होर्मुज पर ओमान के साथ समझौता अपने 'अंतिम चरण' में है। हालांकि, तेहरान ने स्पष्ट कर दिया है कि जलमार्ग को फिर से खोलना अमेरिका की कुछ शर्तों के पूरा होने पर निर्भर करेगा। ईरान ने अमेरिकी हमलों से हुए नुकसान का मुआवजा, प्रतिबंधों और सैन्य धमकियों को समाप्त करने तथा खाड़ी में अमेरिकी नौसेना की नाकाबंदी हटाने की मांग की है। वहीं, न्यूज एजेंसी रॉयटर्स से बात करते हुए एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि बिना रुकावट वाणिज्यिक शिपिंग फिर से शुरू करने के समझौते की घोषणा के बाद वाशिंगटन ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी हटा देगा। अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी कार्रवाई ईरान द्वारा अपने वादे पूरे करने से जुड़ी होगी। ईरानी अधिकारियों ने जलमार्ग फिर से खोलने के लिए शर्तों की एक लंबी सूची पेश की है। ईरान की शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा संस्था के सचिव मोहम्मद बाकर जोलकादर ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी धमकियों को समाप्त करने, ईरान और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों के खिलाफ हमले रोकने, अमेरिकी नौसेना की नाकाबंदी हटाने, प्रतिबंध हटाने और ईरान की फ्रीज संपत्ति जारी करने की मांग की।

अंतिम चरण में होर्मुज जलसंधि समझौता

ईरान-ओमान के संभावित समझौते से ऐसी शिपिंग लेन बनने की उम्मीद है, जिनका उपयोग होर्मुज को फिर से खोलने की शर्तें पूरी होने के बाद किया जा सकेगा। रॉयटर्स के अनुसार, इस व्यवस्था से बड़े तेल और गैस शिपिंग मार्गों से सुरक्षित रास्ता फिर से शुरू हो सकता है। फिर भी, अराघची ने दोहराया कि जब तक वाशिंगटन तेहरान की मांगें पूरी नहीं करता, ईरान जलमार्ग को फिर से नहीं खोलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान और अमेरिका के बीच सीधी बातचीत नहीं हो रही है, बल्कि मध्यस्थों के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान चल रहा है।

नौसेना के लिए अगली पीढ़ी के तीसरे गश्ती पोत का जलावतरण आज

एजेंसी

कोलकाता : भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे 11 अगली पीढ़ी के गश्ती पोतों (एनजीओपीवी) में से तीसरे पोत का 11 अगस्त को कोलकाता में जलावतरण किया जाएगा। इस पोत का निर्माण गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) द्वारा किया जा रहा है। संस्थान ने सोमवार को बयान जारी कर यह जानकारी दी।

यह जीआरएसई का दूसरा अगली पीढ़ी का गश्ती पोत होगा। इससे पहले जीआरएसई ने 20 मई को 'संघमित्रा' नामक पोत का जलावतरण किया था। वहीं, जीएसएल ने अपने द्वारा बनाए जा रहे सात एनजीओपीवी में से एक का 31 मार्च 2026 को जलावतरण किया था। इस पोत का नाम 'शाची' रखा गया है। जीआरएसई में होने वाले जलावतरण समारोह में भारतीय नौसेना के युद्धपोत उत्पादन एवं अधिग्रहण नियंत्रक (सीडब्ल्यूपीएंडए) वाइस एडमिरल संजय साधु की पत्नी मणिका साधु पोत का जलावतरण करेंगी। वाइस एडमिरल संजय साधु समारोह के मुख्य अतिथि होंगे।

नौसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एनजीओपीवी परियोजना तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही है। तीन पोतों के निर्माण के बाद अब उन्हें उपकरणों और प्रणालियों से लैस करने का काम शुरू होगा। नौसेना को इन पोतों की आपूर्ति 2028 से शुरू होने की उम्मीद है।

एक नजर

बड़कागांव पुलिस ने फरार आरोपी के घर इश्तिहार चिपकाया

बड़कागांव : न्यायालय द्वारा जारी इश्तिहार को पुलिस ने फरार वारंटी के घर चिपकाया। बड़कागांव थाना कांड संख्या 317/22 , 25 दिसंबर 2022 आईपीसी की धारा 385/387/34 भादवि एवं 27 आर्म्स एक्ट के अप्राथमिकी अभियुक्त केरेडारी थाना क्षेत्र अंतर्गत के डमारु निवासी रामेश्वर महतो उर्फ पहाड़ी, पिता भुनेश्वर महतो के घर बड़कागांव पुलिस ने इश्तिहार चिपकाया। बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के निदेर्शानुसार एवं बड़कागांव एसआई वरुण कुमार एवं केरेडारी पुलिस के सहयोग से सशक्त पुलिस बल के जवान के साथ पहुंचकर वारंटी के घर न्यायालय द्वारा जारी इश्तिहार को वारंटी के गांव के चौक चौराहे एवं उसके घर में चिपकाया गया। इस संबंध में थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने कहा कि अभियुक्त माननीय न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं करता है तो न्यायालय के आदेशानुसार अग्रतर करवाई की जाएगी।

बरही में जंगली हाथियों का झुंड, वन विभाग ने जारी की चेतावनी

बरही: हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल के बरही वन क्षेत्र कार्यालय ने क्षेत्र में जंगली हाथियों के झुंड के भ्रमण की सूचना जारी कर आम जनता से सावधान रहने की अपील की है। इस संबंध में रेंजर राजीव कुमार चौधरी एवं प्रभारी वनपाल अमर आनंद सरस्वती ने सावधानी पत्रक जारी करते हुए बताया कि हाथियों का झुंड बरही अनुमंडल के आसपास के जंगल में भ्रमण कर रहा है। हाथियों का झुंड संध्याकाल से सुबह 7 बजे के समय अधिक सक्रिय रह रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से अनुरोध करते हुए कहा कि जंगल न जाएं और शाम व सुबह के समय खेतों में न जाएं। रोशनी वाले स्थान पर रहें और मिट्टी एवं कच्चे मकान में न रहें। पक्के मकान में रहें, नहीं होने पर सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट हों। घर में मादक पदार्थ जैसे महुआ पेय न रखें। मकान के आगे-पीछे आग जलाकर रखें और अकेले सुनसान सड़क पर आवागमन न करें। हाथियों के साथ छेड़छाड़ न करें और विभाग द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें। वन विभाग की टीम लगातार गश्त कर रही है और स्थिति की मॉनिटरिंग सक्षम स्तर से की जा रही है। विभाग ने लोगों से सहयोग की अपील की है।

चारदीवारी के अभाव में असुरक्षित हैं ढुठी स्कूल के बच्चे, ग्रामीणों ने उठाई मांग

चौपारण : प्रखंड अंतर्गत मानगढ़ पंचायत के ढुठी गांव स्थित राजकीय कन्या प्राथमिक विद्यालय में चारदीवारी नहीं होने से विद्यालय में पढ़ने वाले छोटे-छोटे बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। विद्यालय परिसर पूरी तरह खुला होने के कारण बच्चों के स्कूल से बाहर निकलने के साथ-साथ बाहरी लोगों और आवारा पशुओं के परिसर में प्रवेश करने का खतरा बना रहता है। इससे अभिभावकों में भी सुरक्षा को लेकर चिंता देखी जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार विद्यालय में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं पढ़ाई करने पहुंचते हैं। ऐसे में बच्चों की सुरक्षा के लिए विद्यालय परिसर में चारदीवारी का निर्माण बेहद जरूरी है। चारदीवारी के अभाव में विद्यालय और आसपास का क्षेत्र खुला रहने से बच्चों की निगरानी में भी शिक्षकों को परेशानी होती है। विद्यालय के आसपास लगातार आवागमन रहने के कारण भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावक चिंतित हैं। उनका कहना है कि छोटे बच्चों को सुरक्षित और व्यवस्थित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना विद्यालय प्रबंधन एवं संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है। चारदीवारी बनने से विद्यालय परिसर सुरक्षित होने के साथ बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर माहौल भी मिल सकेगा।

बरही में बन रहा 132 केवी क्षमता वाला सोलर प्लांट, 155 मेगावाट बिजली का होगा उत्पादन

एनटीपीसी एवं डीवीसी का संयुक्त उपक्रम है यह परियोजना, सितंबर से चालू होने की उम्मीद

कृष्णा प्रजापति

बरही : झारखंड के हजारीबाग जिला अंतर्गत पंचमाधव पंचायत के माधोपुर गांव में करोड़ो के लागत से सोलर बिजली प्लांट का निर्माण की प्रक्रिया युद्ध स्तर पर जारी है। प्लांट का निर्माण पिछले तीन सालों से किया जा रहा है। सितंबर 2026 में प्रोजेक्ट पूरा होने की उम्मीद जताई जा रही है। झारखंड के हजारीबाग जिला में एक मात्र ऐसा महत्वाकांक्षी परियोजना को निर्माण किया जा रहा है। जहां से प्रदूषण मुक्त बिजली का उत्पादन किया जाएगा। यह परियोजना एनटीपीसी एवं डीवीसी के संयुक्त परियोजना के तौर पर लगाया जा रहा है। इसमें डीवीसी के द्वारा पानी एवं रोड की

व्यवस्था की जिम्मेवारी है। वही एनटीपीसी के द्वारा सोलर प्लांट के जरूरी उपकरण सहित सब स्टेशन निर्माण की जिम्मेवारी दी गई है। दोनों एजेंसी के द्वारा निर्माण की पूरी जिम्मेवारी एसएमसी ग्रुप के द्वारा दिया गया है। उनके एवं उनके सहयोगी इकाई के द्वारा निर्माण कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है। निर्माण में किसी तरह की अनियमितता बरती नहीं जाय। इसके मॉनिटरिंग लगातार एनटीपीसी के अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। एसएमसी ग्रुप एवं उनकी सहयोगी इकाई के द्वारा लगातार निर्माण कार्य किया जा रहा है। सोमवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन झारखंड प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति के नेतृत्व में एक टीम निर्माण कार्य का जायजा लिया। निर्माण कार्य संतोषप्रद पाया गया। एनटीपीसी के साइट इंचार्ज जया सिंह, एसएमसी ग्रुप के प्रीतम कुमार ने बताया कि इस प्लांट में सोलर के माध्यम से 155 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। उसे ग्रीड के माध्यम से डीवीसी को बिजली भेजा जाएगा। डीवीसी संगृहीत बिजली को उपभोक्ता तक पहुंचाया जाएगा।

सीएसआर का ग्रामीणों को मिलेगा लाभः एनटीपीसी के साइट इंचार्ज जया सिंह ने बताया कि सरकारी प्रावधानों के मुताबिक इस प्लांट में जो भी लाभ होगा। उसका 2 प्रतिशत माधोपुर सहित आस पास गांवों के विकास में खर्च किया जाएगा।

लिफ्ट इरिगेशन एवं चापानल का निर्माणः सोलर बिजली प्लांट के निर्माण के एवज में ग्रामीणों की मांग पर किसानों के खेत तक सिंचाई पहुंचाने के लिए लिफ्ट इरिगेशन की व्यवस्था कराई जा रही है। इसमें सप्लाई पाइप दो इंच के स्थान पर 5 इंच का पाइप लगाने की मांग रखी है। एसएमसी ग्रुप के सहयोगी इकाई के प्रमुख विजय मेहता ने बताया कि गांवों में पेयजल की समस्या को देखते हुए दो चापानल भी लगाया गया है। उन्होंने बताया कि यह एक ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसमें बिना प्रदूषण के बिजली उत्पादन होता है।

स्थानीय को रोजगार की मांगः स्थानीय ग्रामीणों ने रोजगार की की मांग रखी है। कंपनी का कहना है कि जरूरत के अनुसार रोजगार भी मुहैया कराया जाएगा।

सैनिक माइनिंग आउटसोर्सिंग कंपनी के मजदूरों की बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : सैनिक मइनिंग आउटसोर्सिंग कंपनी में कार्यरत मजदूरों के साथ एक आवश्यक बैठक सूरज बेसरा के आवास में की गई। जिसकी अध्यक्षता झारखंड कोलयारी मजदूरी यूनियन के क्षेत्रीय अध्यक्ष सूरज बेसरा एवं संचालन क्षेत्रीय सचिव सह झामुमो जिला उपाध्यक्ष संजय करमाली ने सभी मजदूरों को ईमानदारी पूर्वक कार्य करने का प्रेरणा दिया गया । मौके पर झारखंड कोलियारी मजदूर यूनियन के क्षेत्रीय अध्यक्ष सूरज बेसरा क्षेत्रीय सचिव सह झामुमो जिला उपाध्यक्ष हजारीबाग संजय करमाली, राजेश मुंडा, प्रदीप मुर्मू, पवन मुर्मू, अनिल बेसरा, परमेश्वर मरांडी, कमलेश सोरेन, कुलेश्वर लोहरा, वीरू उराव, मनोज सोरेन, राजू टोप्पो, प्रदीप उरांव, शिवम बेसरा, सूरज कुमार बेसरा, अनिल बेदिया, सोमर बेदिया, संतोष करमाली, राहुल सोरेन, राजू करमाली, संतोष टुडू, गोपाल सोरेन, सुनील महतो इत्यादि सैकड़ो लोग उपस्थित है।

छात्रों के समर्थन में धरना देने पहुंचे बरही विधायक मनोज यादव गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : छात्रों के समर्थन में सोमवार को मुख्यमंत्री आवास के बाहर आयोजित धरना-प्रदर्शन के दौरान बरही विधायक मनोज कुमार यादव समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सभी नेताओं को हिरासत में लेकर खेलगांव ले गई। धरना में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, भाजपा विधायक दल के नेता सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, बरही विधायक मनोज कुमार यादव, विधायक प्रदीप प्रसाद, पूर्णिमा नीरज सिंह, राज सिन्हा, नवीन जयसवाल, अमित यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए थे। प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेताओं ने छात्रों की मांगों के समर्थन में सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की। इस दौरान बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने छात्रों के मुद्दे को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि छात्रों की जायज मांगों को दबाने के बजाय सरकार को उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों के अधिकार और भविष्य से जुड़े मुद्दों पर भाजपा उनके साथ मजबूती से खड़ी है। धरना-प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने भाजपा नेताओं को हिरासत में लेकर खेलगांव पहुंचाया। भाजपा नेताओं ने पुलिस की कार्रवाई को लेकर हेमन्त सरकार पर लोकतांत्रिक आवाज को दबाने का आरोप लगाया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री से छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने की मांग किया।

विश्व की सभी चुनौतियों का समाधान आदिवासी जीवन शैली में उपलब्ध : डॉ रंजीत कुमार माहली

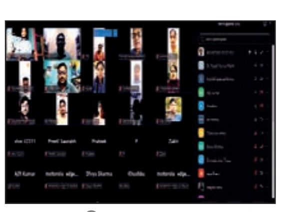

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 9 अगस्त संध्या 7:00 बजे आभासी मोड में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ रंजीत कुमार माहली ने पर्यावरण, प्रकृति और आदिवासी विषय पर व्याख्यान दिए। विभागाध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने डॉ माहली का स्वागत करते हुए विषय प्रवेश किया। अपने व्याख्यान में डॉ महाली ने सबसे पहले 9 अगस्त के दिन को जनजाति दिवस के रूप में मनाए जाने के महत्व पर प्रकाश डाला। फिर उन्होंने युद्ध, महामारी, पर्यावरण का विनाश, आदि वर्तमान समय की कई चुनौतियां को गिनाया। बताया कि यह सब प्रकृति और पर्यावरण से जुड़ा हुआ है। इन सब का दुष्प्रभाव पर्यावरण पर पड़ रहा है। बताया यह तथाकथित आधुनिकता को बनाए रखने के लिए विश्व आज भौतिकता और उसके लिए विनाश और संघर्ष के राह पर चल पड़ा है। उन्होंने कहा कि लोग आदिवासियों को गलती से पिछड़ा समझ लेते हैं। लेकिन जब हम उनकी भाषा, उनकी धार्मिक आस्था, विविध ज्ञान और परंपरा का अध्ययन करते हैं तो हम जान पाते हैं कि यह किसी भी दृष्टिकोण से पिछड़े लोग नहीं है। उन्होंने कहा कि आदिवासीयत एक संपूर्ण जीवन पद्धति है, जीने का ऐसा तौर तरीका है, जिससे किसी को नुकसान नहीं होता, कहीं विनाश नहीं होता। डॉ महली ने कहा यदि सुख पाना है तो कृत्रिम सभ्यता को छोड़ प्रकृति की ओर लौटना ही होगा। आज प्रकृति की कीमत पर विकास हो रहा है जो खतरनाक है। इससे असमानता और असंतोष बढ़ रहा है। अंत में उन्होंने बताया कि पर्यावरण को और प्रकृति को समझने के लिए आदिवासी को समझना होगा और इन्हीं के पास उपलब्ध जीवन शैली को अपनाना होगा।

विस में गूंजा चलंगा और तेतरिया भंडारो में मोबाइल टावर लगाने का मुद्दा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही विधानसभा क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क की समस्या को लेकर विधायक मनोज यादव ने विधानसभा के शून्यकाल के दौरान मामला उठाया। उन्होंने रानीचुआं पंचायत के ग्राम चलंगा व भंडारो पंचायत के ग्राम तेतरिया भंडारो में शीघ्र मोबाइल टावर स्थापित कराने की मांग सरकार से की। विधायक मनोज यादव ने सदन में कहा कि बरही प्रखंड के इन दोनों गांवों में मोबाइल नेटवर्क की स्थिति बेहद खराब है और नेटवर्क पूरी तरह ठप रहने के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मोबाइल कनेक्टिविटी नहीं होने से विद्यार्थियों की ऑनलाइन पढ़ाई प्रभावित हो रही है। वहीं, आपातकालीन स्थिति में लोगों को समय पर जरूरी सेवाओं से संपर्क करने में भी कठिनाई होती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मोबाइल नेटवर्क केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सरकारी योजनाओं और अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़ने का महत्वपूर्ण साधन बन चुका है। नेटवर्क की सुविधा नहीं होने के कारण ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं ऑनलाइन सेवाओं का लाभ लेने में भी परेशानी हो रही है। विधायक ने सरकार से जनहित को ध्यान में रखते हुए रानीचुआं पंचायत के चलंगा एवं भंडारो पंचायत के तेतरिया भंडारो गांव में जल्द से जल्द मोबाइल टावर स्थापित कराने की मांग की, ताकि दोनों गांवों के ग्रामीणों को बेहतर संचार सुविधा उपलब्ध हो सके और विद्यार्थियों समेत आम लोगों की समस्याओं का समाधान हो।

मरीजों से स्कूली बच्चों तक की राह मुश्किल बेहरा आश्रम मोड़ की जर्जर सड़क बनी आफत

अक्सर अंसारी

चौपारण : प्रखंड के बेहरा आश्रम मोड़ की जर्जर सड़क इन दिनों राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी के साथ-साथ गंभीर खतरे का कारण बनी हुई है। बारिश के बाद सड़क की स्थिति और भी बदतर हो गई है। जगह-जगह बने गहरे गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क और गड्ढे के बीच अंतर कर पाना मुश्किल हो गया है। ऐसे में इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालक हर पल हादसे की आशंका के बीच सफर करने को मजबूर हैं। बेहरा आश्रम मोड़ केवल एक सामान्य सड़क नहीं, बल्कि बेहरा समेत आसपास के कई गांवों को जोड़ने वाली प्रमुख संपर्क सड़क है। इसी मार्ग पर बेहरा आश्रम आँख अस्पताल स्थित है, जहां इलाज के लिए प्रतिदिन दूर-दराज से मरीज

पहुंचते हैं। वहीं सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाले बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी रोज इसी रास्ते से आवागमन करते हैं। मरीजों को लेकर आने-जाने वाली एंबुलेंस, स्कूली वाहन, दोपहिया और चारपहिया वाहन के साथ साइकिल सवार व पैदल राहगीरों की आवाजाही भी इसी मार्ग से होती है। ग्रामीणों के अनुसार बारिश के बाद सड़क पर बने गड्ढों में पानी जमा होने से स्थिति बेहद खतरनाक हो गई है। पानी के नीचे गड्ढे की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाने के कारण वाहन चालक अचानक संतुलन खो देते हैं। कई बार दोपहिया वाहन फिसलने की घटनाएं भी हो चुकी हैं। इसके बावजूद अब तक न तो गड्ढों की भराई की गई है और न ही सड़क पर जमा पानी की निकासी के लिए कोई ठोस व्यवस्था की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की बदहाली को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया है, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। सड़क पर जगह-जगह टूटी सतह और जलजमाव विभागीय उदासीनता की तस्वीर पेश कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत और जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, पथ निर्माण विभाग और जनप्रतिनिधियों से तत्काल सड़क की मरम्मत कराने, गड्ढों की भराई करने तथा जल निकासी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यह सड़क आसपास के हजारों लोगों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। ऐसे में किसी बड़ी दुर्घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय प्रशासन को समय रहते समस्या का समाधान करना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा विवाद पर अमित शाह से मिले मनीष जायसवाल

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर झारखंड से जुड़े कई गंभीर मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने जेपीएससी एवं जेएसएससी- सीजीएल भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितता, छात्रों के आंदोलन, कानून-व्यवस्था, संगठित अपराध, अवैध नशे के कारोबार तथा खनिज संपदा की कथित लूट का मामला प्रमुखता से उठाया। सांसद जायसवाल ने गृह मंत्री अमित शाह को बताया कि जेपीएससी और जेएसएससी- सीजीएल भर्ती परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितता और सीटों की खरीद-बिक्री के गंभीर आरोप सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा कराई जा रही सीआईडी जांच की निष्पक्षता को लेकर अभ्यर्थियों और छात्रों के बीच सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में पूरे मामले की सीबीआई से निष्पक्ष जांच कराए जाने की आवश्यकता है, ताकि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल भर्ती परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि झारखंड के 5 लाख से अधिक अभ्यर्थियों के भविष्य और उनके विश्वास से जुड़ा हुआ है। अपने अधिकार और न्याय की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों की मांगों से भी उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री को अवगत कराया। मुलाकात के दौरान सांसद मनीष जायसवाल ने झारखंड की कानून-व्यवस्था का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने राज्य में बढ़ते संगठित अपराध, अवैध गतिविधियों और खनिज संपदा की कथित लूट पर चिंता जताई। हजारीबाग और रामगढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों में फैल रहे अवैध नशे के कारोबार पर भी उन्होंने गृह मंत्री का ध्यान आकृष्ट कराया। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि झारखंड के युवाओं के भविष्य, राज्य की कानून-व्यवस्था और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ इन सभी विषयों पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा हुई है।

बुढ़वा महादेव मंदिर में दूसरी सोमवारी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, हजारीबाग यूथ विंग ने की सेवा

हजारीबाग: सावन की दूसरी सोमवारी पर बुढ़वा महादेव मंदिर परिसर में सुबह से ही शिवभक्तों की भारी भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान हजारीबाग यूथ विंग द्वारा सेवा शिविर लगाकर श्रद्धालुओं के बीच नि:शुल्क सेवा की गई। संस्था ने कुल 51 लीटर दूध के साथ बेलपत्र, अगरबत्ती और पूजन सामग्री का नि:शुल्क वितरण किया। संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि भोलेनाथ के भक्तों की सेवा करना सौभाग्य की बात है। यह सेवा क्रम सावन की सभी सोमवारियों पर जारी रहेगा। अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि संस्था धार्मिक आयोजनों को समाजसेवा से जोड़कर जनकल्याण के कार्यों को और विस्तार देगी। सेवा शिविर में उपाध्यक्ष विकास तिवारी, सचिव रितेश खण्डेलवाल, संजय कुमार, विकाश केशरी सहित कई पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

एयर फोर्स की ट्रेनिंग पूरी कर गांव लौटीं देवरानी कुमारी, स्वागत में उमड़ा ग्रामीणों का हुजूम

चलकुशा : प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सलैयडीह निवासी महावीर यादव की बेटी देवरानी कुमारी का भारतीय वायुसेना (एयर फोर्स) में चयन हुआ है। एयर फोर्स की ट्रेनिंग पूरी कर गांव लौटने पर देवरानी का ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने भव्य स्वागत किया। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव में खुशी और गर्व का माहौल है। गांव पहुंचने पर मुखिया संघ के अध्यक्ष आलोक सिंह, सुखदेव यादव,विधायक प्रतिनिधि लखन साव, दशरथ यादव, वीरेंद्र यादव, उमेश ठाकुर, अजीत यादव समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने देवरानी को अंगवस्त्र, माला और बुके देकर सम्मानित किया। लोगों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए देश सेवा के लिए बधाई दी। देवरानी के पिता महावीर यादव पेशे से राजमिस्त्री हैं। सीमित आर्थिक संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी बेटी की पढ़ाई और उसके सपनों को पूरा करने में कोई कमी नहीं आने दी। बेटी के भारतीय वायुसेना में चयन और ट्रेनिंग पूरी कर लौटने पर माता-पिता की खुशी का ठिकाना नहीं है। महावीर यादव ने बताया कि देवरानी शुरू से ही मेहनती, अनुशासित और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रही है। उसकी कड़ी मेहनत, लगन और संघर्ष का ही परिणाम है कि आज वह भारतीय वायुसेना का हिस्सा बनकर देश सेवा की दिशा में आगे बढ़ रही है। देवरानी की सफलता पर गांव के लोगों, रिश्तेदारों और जनप्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई दी।

क्रिकेट टूर्नामेंट में कटघरा की टीम ने 42 रन से दर्ज की शानदार जीत

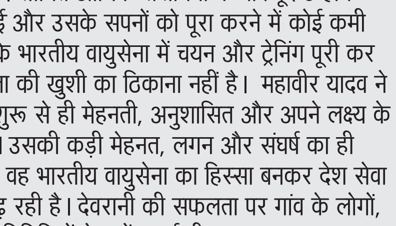

चलकुशा : प्रखंड के ग्राम बरियौन में आयोजित दिसोम गुरु शिबू सोरेन मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला कटघरा (दुमका) और धनबाद की टीम के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में कटघरा की टीम ने धनबाद को 42 रन से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। विजेता कटघरा की टीम को प्रथम पुरस्कार के रूप में 70 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई, जबकि उपविजेता धनबाद की टीम को 35 हजार रुपये का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि शालिनी गुप्ता ने विजेता और उपविजेता टीम को पुरस्कार प्रदान किया। वहीं दूसरी ओर शालिनी गुप्ता ने चलकुशा प्रखंड की एक मात्र महिला क्रिकेटर आरूषि यादव पिता राजेश यादव अलगडीहा निवासी को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।इस दौरान इंस्पेक्टर इमदाद अंसारी ने युवाओं से नशा ना करने की अपील किया। इस दौरान मुख्य अतिथि शालीनी गुप्ता ने कही की खेल में हार जीत लगा रहता है मुकाम हासिल करने वालों के लिए हार कभी नहीं होती है। इस अवसर पर जिप सदस्य सविता सिंह, बरकट्ठा इंस्पेक्टर इमदाद अंसारी, थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार पांडेय, भाजपा मंडल अध्यक्ष वासुदेव यादव, बीस सूत्री अध्यक्ष सलीम अंसारी, मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह, सुखदेव यादव, विधायक प्रतिनिधि लखन साव, प्रमुख प्रतिनिधि दीपक चौधरी, अजमल हुसैन, उप प्रमुख शमशेर आलम, मोहसिन कमाल, तसलीम रजा, इजरायल अंसारी, सैयद अंसारी समेत बड़ी संख्या में खेलप्रेमी एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

एक नजर

छात्र आंदोलन को हिंसक बनाने की साजिश का आरोप, उपद्रवियों की पहचान की मांग

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने विधानसभा घेराव के दौरान हुई घटना को लेकर भाजपा और आरएसएस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग छात्रों के वेश में आंदोलन में शामिल होकर बैरिकेडिंग तोड़ने और पथराव करने की कोशिश कर रहे थे, जिससे पुलिस लाठीचार्ज की स्थिति बनी। नायक ने पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग के आधार पर उपद्रवियों की पहचान कर कार्रवाई होनी चाहिए और निर्दोष छात्रों को संरक्षण मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों की रोजगार और पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया से जुड़ी मांगों का समाधान संवाद के जरिए किया जाना चाहिए। कांग्रेस छात्रों के न्यायसंगत अधिकारों और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए उनके साथ खड़ी है।

सरकारी नालियों के ऊपर पक्का निर्माण की शिकायत

सिल्ली : सिल्ली में कई सरकारी नालियों के ऊपर उपयुक्त के निर्देश के बावजूद पक्का निर्माण किया गया है, साथ ही पूरे नाली को ढक भी दिया गया है जिससे ग्रामीण काफी नाराज है। समय रहते विभाग द्वारा कार्रवाई नहीं की गई तो नाली का पानी रोड में बहेगा। वहीं रांची जिला कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष नागेंद्र नाथ गोस्वामी ने बताया कि धर्मशाला के पीछे नाली को ढक कर कई निर्माण किया गया है एवं नया यूनियन बैंक के आगे भी नाली को गैरेज में तब्दील किया गया है, जिससे रूगड़ी टोला, लोहार टोला, रजक टोला एवं राधिका मैदान जाने वाले सड़कों पर नाली का पानी बहता रहता है, जिससे राहगीरों को चलने में काफी परेशानी होती है। कांग्रेस के रांची जिला उपाध्यक्ष नागेंद्र नाथ गोस्वामी ने उच्च स्तरीय जांच कर सरकारी नाली को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की है।

छात्रों के कंधे पर बंदूक रखकर राजनीति कर रही भाजपा : बंधु तिर्की

रांची : पूर्व मंत्री एवं झारखण्ड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य बंधु तिर्की ने कहा है कि आज राजधानी रांची में छात्र संगठनों के प्रदर्शन के दौरान उत्पन्न परिस्थितियां अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। छात्रों की समस्याओं और उनकी मांगों को लोकतांत्रिक तरीके से उठाने का हर नागरिक को अधिकार है, लेकिन लोकतांत्रिक आंदोलन और हिंसक दबाव की राजनीति के बीच स्पष्ट अंतर होना चाहिये। उन्होंने कहा कि आज प्रदर्शन के दौरान जिस प्रकार कुछ तत्वों द्वारा स्थिति को उग्र बनाने का प्रयास किया गया, वह किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है और निश्चित रूप से चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस हर हाल में छात्र-छात्राओं और प्रतियोगियों के अधिकार का सम्मान करती है, लेकिन लोकतंत्र के नाम पर हिंसा, उकसावे और कानून-व्यवस्था को चुनौती देने की किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जा सकता। बंधु तिर्की ने कहा कि 14 वीं जेपीएससी परीक्षा रद्द की जा चुकी है। जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष सहित लगभग 20 लोगों की गिरफ्तारी, ईडी से जांच और अन्य अनेक प्रभावी कार्रवाई के बाद भी भाजपाई नेताओं की साजिश और कुछ छात्र नेताओं की हठधर्मिता के कारण आज की घटना हुई। तिर्की ने कहा कि सीजीएल सहित अनेक संबंधित नियुक्ति प्रक्रिया न्यायालय के आदेश पर की गयी है और सरकार आनन-फानन में उन नियुक्तियों को रद्द नहीं कर सकती क्योंकि वह संवैधानिक दायरे में ही काम करती है।

विधानसभा में राजेश कच्छप ने उठाया जेपीएससी का मुद्दा, सड़कों की हालत पर भी सरकार से की खास मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा में अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान रांची के विधायक राजेश कच्छप ने झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग विवाद, छात्रों के आंदोलन, सड़क और छात्रवृत्ति समेत कई मुद्दे उठाए। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर छात्र आंदोलन को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया।

राजेश कच्छप ने कहा कि छात्रों की मांगों को लेकर सरकार गंभीर है। झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में कुछ कमियां हो सकती हैं, लेकिन सरकार जांच के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर प्रवर्तन निदेशालय से भी जांच कराई जा सकती है। संयुक्त स्नातक स्तर परीक्षा में भी अगर किसी तरह की गड़बड़ी सामने आती है, तो उसकी जांच होगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के नेता बाबूलाल मरांडी पर भी निशाना साधा। कच्छप ने आरोप लगाया कि छात्रों की समस्या के बजाय भाजपा कार्यकताओं और कोचिंग संचालकों को बुलाकर सरकार के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छात्र आंदोलन को राजनीतिक रूप देकर उनकी लड़ाई को कमजोर नहीं किया जाना चाहिए।

कोरोना के समय का जिक्र करते हुए कच्छप ने कहा कि गठबंधन सरकार ने ऑक्सीजन, गैस सिलेंडर और रेमडेसिविर जैसी जरूरी चीजों की व्यवस्था की थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मजदूरों को विमान, ट्रेन और बस से उनके घर पहुंचाने का काम किया।

विधायक ने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्ति के मामले में केंद्र का हिस्सा समय पर नहीं मिल रहा है। वृद्धावस्था पेंशन को लेकर भी उन्होंने केंद्र पर सवाल उठाए। रांची की सड़कों की खराब हालत का मुद्दा उठाते हुए कच्छप ने कहा कि कई सड़कें 10 से 15 साल पुरानी हैं और जगह-जगह गड्ढे हैं। उन्होंने वित्त मंत्री से ऐसी सड़कों की मरम्मत के लिए पुराने पैकेज व्यवस्था को फिर से लागू करने और अनुपूरक बजट में इसके लिए अलग राशि देने की मांग की।

अपने भाषण के अंत में कच्छप ने भारतीय जनता पार्टी पर एक बार फिर हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि 2029 के चुनाव में भाजपा और उसके गठबंधन के लोग पूरी तरह खाली नजर आएंगे।

झारखंड विधानसभा में अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान रांची के विधायक राजेश कच्छप ने झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग विवाद, छात्रों के आंदोलन, सड़क और छात्रवृत्ति समेत कई मुद्दे उठाए। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर छात्र आंदोलन को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया।

कोर्ट का सहारा लेकर सरकार जेपीएससी-जेएसएससी का रास्ता भी निकाले : विधायक

रांची : भाकपा माले के विधायक अरूप चटर्जी ने विधानसभा में अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो के जरिए सरकार से झारखंड कर्मचारी चयन आयोग-संयुक्त स्नातक स्तर परीक्षा मामले का रास्ता निकालने की मांग की। सदन की कार्यवाही के दौरान सूचना के माध्यम से उन्होंने कहा कि छात्रों की 98 प्रतिशत मांगें सरकार ने मान ली हैं। हालांकि, शांतिपूर्वक आंदोलन कर रहे छात्र झारखंड कर्मचारी चयन आयोग-संयुक्त स्नातक स्तर परीक्षा रद्द करने की मांग पर अब भी अड़े हुए हैं। अरूप चटर्जी ने कहा कि छात्रों के आंदोलन में कुछ उपद्रवी तत्व भी घुस गए हैं। उन्होंने ऐसे तत्वों को चिह्नित करने की जरूरत बताई। माले विधायक ने सरकार से न्यायालय का सहारा लेकर झारखंड कर्मचारी चयन आयोग-संयुक्त स्नातक स्तर परीक्षा मामले का भी कोई रास्ता निकालने की मांग की, ताकि छात्रों की मांगों का समाधान हो सके।

कोयला कारोबोरियों के डिजिटल डिवाईस की जांच के लिए फॉरेंसिक टीम पहुंची

रांची : ईडी के बुलावे पर फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम रांच पहुंच गयी है। इन विशेषज्ञों द्वारा कोयला कारोबारियों के ठिकानों से जब्त मोबाईल सहित अन्य डिटिजल डिवाईस से डीलिट किये गये डाटा निकाला जायेगा। इसमें पाये जाने वाले ब्योरे के अधार पर कोयले के अवैध कारोबार, इसमें शामिल लोगों और संरक्षण देने वाले सफेदपोशों व अफसरों की जांच होगी। उल्लेखनीय है कि ईडी ने कोयले के अवैध कारोबार के सिलसिले में दर्ज मामले की जांच के दौरान 28 जुलाई को धनबाद के कोयला व्यापारियों के ठिकानों पर छापा मारा था। कोयला घोटाले की जांच के दौरान दूसरे चरण की छापामारी एलबी सिंह और अनिल गोयल से जुड़े लोगों के ठिकानों पर की गयी थी।

एसबीयू और सीआईएसएफ में हुआ करार, साइबर सुरक्षा पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के संयुक्त तत्वावधान में महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना सुरक्षा विषय पर पांच दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को विवि परिसर में शुरू हुआ। 10 से 14 अगस्त तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य सीआईएसएफ कर्मियों को साइबर सुरक्षा, महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना, उभरते साइबर खतरों और तकनीक आधारित सुरक्षा तंत्र की जानकारी एवं प्रशिक्षण देना है। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय और सीआईएसएफ के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के साथ हुई। इस एमओयू के माध्यम से साइबर सुरक्षा एवं महत्वपूर्ण अवसंरचना संरक्षण के क्षेत्र में दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को बढ़ावा मिलेगा।

समारोह में सरला बिरला विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सी. जगनाथन, माननीय महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, रजिस्ट्रार प्रो. एस. बी. डांडिन, विभिन्न संकायों के डीन एवं वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। सीआईएसएफ की ओर से महानिरीक्षक प्रबोध चंद्र, कमांडेंट औशुतोष चौधरी और असिस्टेंट कमांडेंट चेकी शेरपा उपस्थित रहे। इसके बाद विवि के एआई/एमएल लैब में प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र आयोजित किया गया। डॉ. पंकज के. गोस्वामी, डीन, फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड साइंसेज, ने स्वागत भाषण दिया और साइबर सुरक्षा की बढ़ती चुनौतियों पर प्रकाश डाला। प्रो जगनाथन ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी उभरती तकनीकों को समझना आज बेहद जरूरी है। उन्होंने महत्वपूर्ण अवसंरचना पर होने वाले साइबर हमलों के संभावित प्रभावों का उल्लेख करते हुए कहा कि साइबर सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। प्रो. गोपाल पाठक ने अपने संबोधन में बल के प्रतिभागियों से प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाने तथा विशेषज्ञों के साथ सक्रिय संवाद करने का आग्रह किया।

15 अगस्त को झारखंड के विभिन्न जिलों में मंत्री करेंगे झंडोत्तोलन, सरकार ने जारी किए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : स्वतंत्रता दिवस समारोह 2026 के अवसर पर 15 अगस्त को राज्य के विभिन्न जिला मुख्यालयों में मंत्रियों द्वारा झंडोत्तोलन किया जाएगा। इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

जारी निर्देश के अनुसार पलामू (डालटनगंज) में मंत्री राधा कृष्ण किशोर एवं मंत्री दीपक बिरुवा, पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में मंत्री चमरा लिंडा, गुमला में भी मंत्री चमरा लिंडा, गोड्डा में मंत्री संजय प्रसाद यादव, जामताड़ा में मंत्री इरफान अंसारी, देवघर में मंत्री हफीजूल हसन, पाकुड़ में मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, बोकारो में मंत्री योगेंद्र प्रसाद, गिरिडीह में मंत्री सुदिव्य कुमार तथा लोहरदगा में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की झंडोत्तोलन करेंगी।

विभाग के विशेष कार्य पदाधिकारी ने संबंधित जिलों के उपायुक्तों एवं वरीय पुलिस अधीक्षकों/पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया है कि वे संबंधित मंत्रियों से समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

राज्य सरकार ने स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमामय एवं सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित करने पर विशेष बल दिया है।

छात्रों ने जेपीएससी में नियुक्ति घोटाले पर विधानसभा का किया घेराव : जेपी

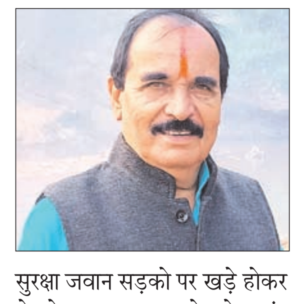

रांची : भाजपा किसान मोर्चा झारखंड प्रदेश के नेता जय प्रकाश पांडेय ने कहा कि झारखंड जेपीएससी में हुए घोटाले को विधानसभा का घेराव कर रहे है, छात्रों ने सरकारों पर आरोप लगाया कि जितनी भी नियुक्तियों में घपले और घोटाले हुई हैं, उसकी जांच सीबीआई से कराई जाए, छात्र पुलिस के बैरीकेट को तोड़ते हुए लाखों की संख्या में छात्र विधानसभा की ओर तेजी से बढ़ रहे है, पूरे झारखंड के छात्र इस आंदोलन में कूद पड़े है कि अब हेमंत सरकार के परीक्षा चोरी और नियुक्ति घोटाला अब नहीं चलेगा, सरकार के साथ लगभग दो दौर की वार्ता सरकार के साथ ही चुकी है, परंतु झारखंड सरकार की सोच कुछ ना देखो, न बोलो, ना सुनो बस इसी तरह झारखंड की सरकार चल रही है, सुरक्षा जवान सड़को पर खड़े होकर रोकने का प्रयास करते रहे, परंतु छात्रों का रेला वाटर कैनन के प्रयोग का परवाह किए बिना तेजी से छात्र विधानसभा घेरने के लिए आगे बढ़ रहे है,छात्र सीधे जेपीएससी की परीक्षा और जेपीएस परीक्षा को रद्द करने की मांग कर रहे है,जिस तरह से नियुक्ति में घोटाले हुई है,नौकरी बेची जा रही है,उससे झारखंड के छात्र आंदोलित है, छात्र नियुक्ति चोरी को बैठकर सीधे सीधे टकटकी नजर से देख नहीं सकते, छात्रों ने रांची में दिखा दिया है।

सखुआ महोत्सव पर ओटीसी ग्राउंड में पौधरोपण नगर निगम क्षेत्र को हरा-भरा बनाने की मुहिम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नगर निगम क्षेत्र को हरा-भरा और पर्यावरण के लिहाज से बेहतर बनाने की दिशा में पहल शुरू हो गई है। सोमवार को शहर में चलाए जा रहे सखुआ महोत्सव के तहत ओटीसी ग्राउंड परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने मिलकर पौधे लगाए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर दूरदर्शन रांची के समन्वयक अमन कुमार पहुंचे। उन्होंने सखुआ का पौधा लगाकर नगर निगम की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि रांची को हरा-भरा बनाने के लिए इस तरह के अभियान जरूरी हैं और इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी होनी चाहिए।

कार्यक्रम में मेयर रोशनी खलखो, डिप्टी मेयर नीरज कुमार, वार्ड पार्षद संजय कुमार और वरिष्ठ पत्रकार दिलीप कुमार समेत कई लोगों ने पौधरोपण किया। इस मौके पर मेयर रोशनी खलखो ने कहा कि सखुआ महोत्सव सिर्फ पौधे लगाने का अभियान नहीं है, बल्कि लोगों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने की एक कोशिश है।

नगर निगम की ओर से शहर के अलग-अलग इलाकों में पौधे लगाए जा रहे हैं और लोगों से इन पौधों की देखभाल करने की भी अपील की जा रही है।

मेयर ने कहा कि रांची की पहचान एक हरे-भरे शहर के रूप में और मजबूत हो, इसके लिए नगर निगम लगातार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि पौधा लगाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उसे बड़ा होने तक उसकी देखभाल करना भी है। यह जिम्मेदारी सिर्फ नगर निगम की नहीं, बल्कि शहर के हर नागरिक की है। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों, स्थानीय लोगों और अन्य सहयोगियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि लोगों की भागीदारी से ही रांची को सही मायने में एक हरित शहर बनाया जा सकता है।

नगर निगम की ओर से बताया गया कि सखुआ महोत्सव-2026 के तहत शहर के अलग-अलग हिस्सों में चरणबद्ध तरीके से पौधरोपण किया जा रहा है। इसके साथ ही लोगों को पेड़ों के महत्व, उनकी देखभाल और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने पर भी जोर दिया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

अपर बाजार के दो और व्यवसायियों को एचसी से राहत, पीड़क कार्रवाई पर लगी रोक

रांची : ट्रेड लाइसेंस रद्द कर दुकान सील करने के नोटिस को चुनौती देने वाली अपर बाजार ईस्ट मार्केट के दो व्यवसायियों की याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति आनंद सेन की कोर्ट ने अगले आदेश तक विकास टिंबरेवाल और सुमित टिंबरेवाल के खिलाफ कोई पीड़क कार्रवाई पर रोक लगा दी है। साथ ही अदालत ने मामले में रांची नगर निगम से जवाब मांगा है। प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता सिद्धार्थ जैन ने पक्ष रखा। बता दें कि इससे पूर्व भी कोर्ट ने अपर बाजार के 6 व्यवसायियों को राहत दी थी। उल्लेखनीय है कि रांची नगर निगम ने अपर बाजार के कई व्यवसायियों के ट्रेड लाइसेंस को रद्द कर दिया था और उन्हें व्यापार बंद करने और उनके दुकान को सील करने का नोटिस दिया था, जिसे दुकानदारों ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

द्वारिका अस्पताल में मरीजों के लिए बेहतर सुविधाएं 24 घंटे आपातकालीन और एंबुलेंस सेवा उपलब्ध

रांची : मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से द्वारिका हॉस्पिटल, महिलोंग, पुरुलिया रोड, रांची में विभिन्न प्रकार की चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार यहां क्रिटिकल केयर, नवजात एवं शिशु रोग, मेडिसिन, सर्जरी (लैप्रोस्कोपी एवं जनरल), हड्डी रोग, ट्रॉमा, स्त्री एवं प्रसूति रोग, यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी, फिजियोथेरेपी तथा टीकाकरण जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। अस्पताल में ICU/NICU की 247 सुविधा के साथ आपातकालीन सेवाएं भी उपलब्ध हैं। मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अस्पताल में कैशलेस सुविधा, विभिन्न TPA एवं इंश्योरेंस की सुविधा भी दी जा रही है। इसके अलावा आयुष्मान भारत योजना एवं राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत भी इलाज की सुविधा उपलब्ध होने की जानकारी दी गई है। अस्पताल की ओर से 247 एंबुलेंस सेवा उपलब्ध कराने की भी जानकारी दी गई है। प्रबंधन का कहना है कि मरीजों को बेहतर इलाज की व्यवस्था है।

अनगड़ा के साहिल मिर्धा ने जेवेलिन थ्रो में जीता स्वर्ण पदक

रांची : एस एस. +2 उच्च विद्यालय अनगड़ा के छात्र साहिल मिर्धा ने खेल के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। साहिल ने 5वीं झारखंड ओपन जेवेलिन थ्रो प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए 51.27 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता 8 अगस्त 2026 को आयोजित हुई थी। इसके बाद 9 अगस्त 2026 को डिस्ट्रिक्ट लेवल में साहिल ने 52.13 मीटर जेवेलिन थ्रो कर गोल्ड मेडल हासिल किया। साहिल के इस प्रदर्शन से विद्यालय परिवार और क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर है। बताया गया कि साहिल के शानदार प्रदर्शन के साथ ही 800 ग्राम का जेवेलिन भी उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा, जिसे उन्होंने बेहतरीन तकनीक और मेहनत के बल पर सफलता के साथ हासिल किया। साहिल की उपलब्धि पर विद्यालय परिवार एवं परिजनों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिवार ने कहा कि साहिल की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है।

लायंस क्लब ऑफ रांची एकलव्य ग्रेटर का चौथा क्लब इंस्टालेशन समारोह सम्पन्न

रांची : लायंस क्लब ऑफ रांची एकलव्य ग्रेटर का चौथा क्लब इंस्टालेशन समारोह होटल ग्रीन होराइजन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वर्ष 2026-27 के लिए पदाधिकारियों ने शपथ ली। जिसमें ला. सुनील कुमार वर्मा ने अध्यक्ष, ला. प्रकाश चंद्र अग्रवाल ने सचिव और ला. बिरेंद्र कुमार चौधरी ने कोषाध्यक्ष का प्रभार लिया। इस दौरान क्लब में शामिल 30 नए सदस्यों का भी स्वागत किया गया। कार्यक्रम में ला. शुभ्रा मजूमदार, ला. कंचन साहू , ला. सुजीत कुमार, ला. संजय कुमार, ला. राहुल वर्मा, ला. गणेश प्रसाद सिंह, ला. सुबोध चौधरी समेत क्लब के कई गणमान्य सदस्य मौजूद थे। इस अवसर पर क्लब की ओर से प्रायोजित क्लब 'लायंस क्लब ऑफ रांची यूथ विंग' के नवनियुक्त पदाधिकारियों को भी प्रभार दिया गया। जिसमें ला. संयम जैन को अध्यक्ष, ला. रोहन साहा को सचिव और ला. रोहन चौधरी को कोषाध्यक्ष बनाया गया।

वार्ड सदस्य सरला देवी ने किया कोचाटोला में 63 केवीए ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन

सिल्ली : सिल्ली में सोमवार को रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष सह कांके प्रखंड प्रमुख सोमनाथ मुंडा के पहल पर एवं सिल्ली पश्चिमी जिला परिषद क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी सह सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो के अथक प्रयास से सिल्ली प्रखंड के पंचायत लोटा के गांव कोचाटोला में 63 केवीए के विजली ट्रांसफॉर्मर मंगवाया गया। विजली ट्रांसफॉर्मर का वार्ड सदस्य सरला देवी के द्वारा विधिवध पूजा अर्चना कर उद्घघाटन किया गया। इस गांव के बिपोतारण मुंडा ने बताया कि पिछ्ले कई दिनों से 63 केवीए का विजली ट्रांसफॉर्मर खराब था। विजली उपभोक्ता एवं इस क्षेत्रों के लोगों को अंधेरे में रहना पड़ रहा था। लेकिन अब गांव कोचाटोला के ग्रामीणों को विजली मिल गयी है। एवं अंधेरे से रोशनी मिल गई है। इस मौके पर उमेश चंद्र महतो, अजय गोराई,दु:खी राम सिंह मुंडा, सुरेंद्र गोराई,दिवाकर मुंडा,महेश गोराई,शिबू मुंडा, बिना देवी, फूलोरेणु देवी,यशोदा देवी, विकास गोराई, इत्यादि ग्रामीण के साथ ही विजली मिस्त्री चन्द्र मोहन महतो,गंगाधर महतो, जयप्रकाश महतो, सुफल वेदिया इत्यादि ग्रामीण उपस्थित हुए।

एक नजर

अज्ञात चोरों ने बंद पड़े दो घरों में चोरी की घटना को दिया अंजाम

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र के बच्छेडीह पंचायत अंतर्गत ग्राम ताराटांड़ में रविवार की रात्रि अज्ञात चोरों ने बंद पड़े दो घरों को निशाना बनाते हुए चोरी कर घटना को अंजाम दिया है। वहीं दुसरी ओर उक्त पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय बच्छेडीह को अज्ञात चोरों ने विद्यालय की चार दिवारी को फांदकर विद्यालय के गेट में लगे ताला को तोड़कर चोरी करने का असफल प्रयास किया गया। चोरी की घटना को लेकर ताराटांड़ निवासी गृह स्वामी संजय कुमार मोदी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ थाना में आवेदन देकर न्याय का गुहार लगाया है। दिए गए आवेदन में बताया गया है कि मैं सभी परिवार के साथ चंदवारा में बच्चों का भरन पोषण के लिए कार्य करते है और वही रहते हैं। सुचना मिली की घर में लगा ताला टुटा हुवा है। जब मैं अपने घर ताराटांड़ पहुंचा तो देखा कि अज्ञात चोरों द्वारा ताला तोड़कर घर में घुसकर समान तितर बितर कर दिया है और बक्सा में भी लगे ताला को तोड़कर उसमें रखे बेस ? कीमती जेवर व नगदी समेत हजारों की चोरी कर ली गई है। वहीं दुसरी ओर उत्क्रमित उच्च विद्यालय बच्छेडीह के प्रभारी प्रधानाध्यापक सूर्यजीत कुमार ने थाना में लिखित आवेदन देकर विद्यालय में चोरी के प्रयास को लेकर बताया है कि विद्यालय के लैब का ताला तोड़कर दरवाजा को खोलने का प्रयास किया गया। विद्यालय के पिछे की ओर की खिड़की का दरवाजा को धकेलकर तोड़ कर लैब रुम में रखे सामग्री को निकालकर ले गए और कुछ सामग्री को विद्यालय परिसर में फेंक दिया। वहीं उक्त मामले को लेकर थाना प्रभारी सुमन कुमार एवं एएसआई शांति भूषण घटना स्थान पर जा कर घटना की जानकारी ली व आगे की कार्यवाई में जुट गए।

दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बने मनोज कुमार कुशवाहा

गिद्धौर (चतरा) : सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति गिद्धौर-2026 के अध्यक्ष बनाए जाने पर मनोज कुमार कुशवाहा ने सभी सम्मानित जनप्रतिनिधियों, पूर्व जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, प्रबुद्ध नागरिकों, विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों, सरकारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों, व्यवसायियों, पत्रकारों, सोशल मीडिया एवं यूट्यूब से जुड़े साथियों, किसानों, अभिभावकों, माताओं-बहनों, युवाओं एवं सभी ग्रामीणों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सभी के अटूट विश्वास और स्नेह के कारण उन्हें इस वर्ष सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष का महत्वपूर्ण एवं गौरवशाली दायित्व मिला है। मां जगदंबा की कृपा और सभी के सहयोग से इस वर्ष दुर्गोत्सव को भव्य, दिव्य और ऐतिहासिक बनाने का पूरा प्रयास किया जाएगा। मनोज कुमार कुशवाहा ने कहा कि पूजा आयोजन में परंपरा, अनुशासन और उत्साह का विशेष ध्यान रखा जाएगा। दुर्गा पूजा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आयोजन को सफल बनाने में सभी की सलाह, सहयोग और सहभागिता महत्वपूर्ण होगी।

केन्द्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ किसान मजदूरों का हल्ला बोल

एसकेएम और सीटीयू ने एसपी कार्यालय के मुख्य गेट को घंटो जाम कर किया प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : 10 अगस्त को केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर आयोजित देशव्यापी जेल भरो आंदोलन के समर्थन में झारखंड राज्य किसान सभा, अखिल भारतीय किसान सभा, अखिल भारतीय किसान महासभा, सीटू, एक्टू और एटक के संयुक्त बैनर तले डॉक्टर उर्मिला चौधरी मोड़ से एक विशाल जुलूस निकाला गया, जो कोडरमा बाजार होते हुए समाहरणालय पर पहुंचकर प्रदर्शन में तब्दील हो और प्रदर्शनकारी एसपी कार्यालय के मुख्य गेट को घंटो जाम कर धरने पर बैठ गए। जहां भारत अमेरिका व्यापार समझौता रद्द करो, लेबर कोड वापस लो, पेपर लिक पर रोक लगाओ, मोदी सरकार मुदार्बाद आदि नारे लगाए जा रहे थे।

जहां झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य अध्यक्ष असीम सरकार की अध्यक्षता में हुई सभा को अखिल भारतीय किसान सभा के नेता और जिला परिषद सदस्य महादेव राम, सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान, एआईकेएस के जिला संयोजक अर्जुन यादव, सीटू के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश, आंगनबाड़ी यूनियन की प्रदेश अध्यक्ष मीरा देवी, एटक नेत्री सोनी देवी, एक्टू के जिला सचिव विजय पासवान, अध्यक्ष राजेन्द्र यादव, किसान महासभा के जिलाध्यक्ष अशोक यादव, झामकिस के राजेन्द्र मेहता, झारखंड राज्य किसान सभा के संयोजक फेकुलाल विद्यार्थी, सुरेन्द्र राम आदि ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश में महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की बदहाली, मजदूरों के अधिकारों पर हमले और सार्वजनिक क्षेत्र एवं प्राकृतिक संसाधनों के बढ़ते निजीकरण के साथ-साथ पेपर लीक जैसी संस्थागत समस्याओं के खिलाफ जनता के बीच व्यापक रोष है। चाहे 13 महीने का किसान आंदोलन हो, मजदूर संगठनों द्वारा लगातार की गई हड़ताल कार्रवाई एवं रोष प्रदर्शन हो, इस वर्ष उत्तर भारत के औद्योगिक इलाकों में मजदूरों के बीच स्फूर्त आंदोलन हो या पेपर लीक के मुद्दे पर छात्रों का सड़क पर आना - ये सभी जनअसंतोष और लोकतांत्रिक संघर्ष की बढ़ती अभिव्यक्तियां हैं। वक्ताओं ने छात्रों के झारखण्ड विधानसभा मार्च के दौरान छात्र नेत्री नेहा वोरा पर स्याही फेंके जाने की घटना की भी कड़ी निंदा की गई। वक्ताओं ने कहा कि असहमति और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को उठाने वाले छात्र आंदोलन को नफरत और हिंसा के जरिए दबाने की कोशिश लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। शिक्षा को बचाने के लिए देशभर में तेजी से फैल रहे छात्र आंदोलन के खिलाफ ऐसी घटनाएं बौखलाहट को दशार्ती हैं।

वक्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक अधिकारों पर बढ़ते हमलों के बीच मजदूर-किसान, छात्र और अन्य मेहनतकश एवं जनपक्षीय ताकतों की एकजुटता के आधार पर जनपक्षीय नीतियों के लिए संघर्ष को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। धन्यवाद ज्ञापन भागीरथ सिहं ने किया।

संयुक्त आंदोलन की प्रमुख मांगों में अमेरिका - भारत व्यापार समझौता रद्द करने, चारों लेबर कोड के मजदूर विरोधी प्रावधानों को रद्द करना, सभी के लिए खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आवास, सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा एवं पेंशन, सभी कृषि उपज की वैधानिक टरढ पर खरीद की गारंटी, किसानों की सम्पूर्ण कर्जमाफी, सम्मानजनक रोजगार एवं न्यूनतम मजदूरी की कानूनी गारंटी, ग्रामीण एवं शहरी रोजगार गारंटी, स्कीम वर्करों तथा अनुबंधित एवं अस्थायी कर्मचारियों का नियमितीकरण, बेलगाम निजीकरण और स्थायी नौकरियों के ठेकाकरण पर रोक लगाने की मांग आदि प्रमुख मुद्दों आदि शामिल हैं।

कार्यक्रम में ग्यासुद्दीन अंसारी, भीखारी तुरी, नागेश्वर दास, शम्भु पासवान, बसंती देवी, सुरेन्द्र पांडेय, शुभ्रोज्योति सरकार, अनंत कुमार मेहता, विरेन्द्र यादव, सुखदेव पांडेय, विनोद यादव, रंजन रजक, किशोर चौधरी, रामकृष्ण शर्मा, बसमतीया देवी, उमा देवी, राजेन्द्र रजक, युगेश कुमार, रमेश यादव, पुरूषोत्तम रजक, मुन्ना यादव, असगर अंसारी, राजेन्द्र यादव, बहादुर यादव, सरोज मेहता, सुभाष मेहता, सरयु यादव, राजेन्द्र साव, अर्जुन यादव सहित सैकड़ों की संख्या में किसान मजदूर संगठनों के लोग शामिल थे।

जेजे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : जेजे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति का अनिश्चितकालीन धरना सोमवार से शुरू हो गया। पहले दिन जेजे कॉलेज के दर्जनों छात्र-छात्राएं शामिल हुई और छात्र आंदोलन को निर्णायक मोड़ तक ले जाने का संकल्प लिया। धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष महेश भारती ने किया, जबकि संचालन सचिव देवेंद्र कुमार ने किया। धरना को प्रकाश रजक,सईद नसीम,पूर्व छात्र नेता रवि पासवान,वीरेंद्र कराटे समेत छात्र-छात्राओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि छात्रों के ज्वलंत मुद्दे पर जेजे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति पिछले दो महीने से लगातार छात्रों-अभिभावको और जनप्रतिनिधियों से संवाद स्थापित कर जेजे कॉलेज समेत जिलेभर के डिग्री कॉलेज को वीबीयू में रखने की अपील कर रहें। लेकिन कोडरमा के लिए दुर्भाग्य है की 25 हजार से ज्यादा छात्रों को प्रभावित करने वाला मुद्दा सदन में गूंज नही पाया।वक्ताओं ने कहा कि जेजे कॉलेज समेत जिलेभर के डिग्री कॉलेज को वीबीयू से हटाकर सर जेसी बोस विश्वविद्यायल में करना सरकार की छात्र विरोधी नीति का परिणाम है। वक्ताओं ने कहा कि सरकार तक छात्रों की समस्या का समाधान करने की शक्ति है। छात्रों का आंदोलन सरकार तक अपनी मजबूत आवाज पहुंचाने का लोकतांत्रिक अधिकार है। संवेदनशील सरकार कोडरमा के हजारों छात्रों की आवाज जरूर सुनेगी। वक्ताओं ने कहा कि जेजे कॉलेज के मुद्दे पर सांसद-विधायक ने छात्रों से कभी संवाद नही किया, छात्रों के भावनाओ से उनका कोई सरोकार नही रहा। इसलिए सरकार तक बात पहुंचाने के लिए संघर्ष समिति छात्रों अभिभावको की एकता बनाकर आंदोलन को निर्णायक स्तर तक ले जाएगी। उन्होंने कोडरमा के सभी आम नागरिकों और छात्रों से आंदोलन के समर्थन में सहयोग और शिरकत करने की अपील किया। वहीं संघर्ष समिति ने ऐलान किया कि अनिश्चित कालीन धरना के दूसरे दिन से जे जे कॉलेज में तालाबंदी और भूख हड़ताल किया जाएगा। मौके पर खुशबू पासवान, शिवानी कुमारी, रिमझिम कुमारी, शालू गुप्ता, अमीषा कुमारी,मीनाक्षी कुमारी स्वामी, आशा गोस्वामी, विनीत श्रीवास्तव, राहुल कुमार, सत्यजीत आनंद, अंजली कुमारी,श्वेता सिंह, और अन्य छात्र उपस्थित थे।

झूलन महोत्सव में बाबा श्याम के दरबार में गूंजे भजनों के स्वर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : शहर के पानी टंकी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में झूलन महोत्सव के अवसर पर भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बाबा श्याम की विधिवत पूजा-अर्चना एवं अलौकिक श्रृंगार के साथ हुई। बाबा का मनमोहक दरबार श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

इस अवसर पर आयोजित ताली कीर्तन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। करीब सवा दो घंटे तक चले कीर्तन में भजन गायकों ने बाबा श्याम के भजनों की शानदार प्रस्तुतियां देकर भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। पूरा मंदिर परिसर तालियों और जयकारों से गूंजता रहा तथा श्रद्धालु भक्ति में झूमते नजर आए।

भजन गायकों ने हो रहयो बाबा की नगरी में केशर चंदन को छिड़काव, सावन का महीना रिमझिम बरसे पानी, आया है खाटू से चलकर शीश का दानी, भर दे रे श्याम झोली भर दे, किस्मत वालों को मिलता है श्याम तेरा दरबार, आपकी कृपा से हर काम हो रहा है एवं हाजिरी लिखवाता हूं हर ग्यारस पर, मिलती है तनख्वाह मुझे बारस पे सहित कई भजनों की प्रस्तुति दी। भजन गायक में मधु सिंह,संगीता जेठवा, प्रियंका ओझा, शांति देवी खेतान, महावीर खेतान, मनोज पिलानिया, नवीन कुमार, संदीप हिसारिया,पप्पू सिंह ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को खूब झुमाया।

कार्यक्रम के दौरान बाबा श्याम के साथ भगवान भोले शंकर, वीर हनुमान सहित विभिन्न देवी-देवताओं की स्तुति में भी भजन प्रस्तुत किए गए।

इस अवसर पर अरविंद चौधरी, संजय नरेडी, संतोष लढ़ा, विष्णु चौधरी, रितेश सिन्हा, कुंदन पांडेय, अमित बंसल, नीरज कुमार, विद्यासागर, विवेक सहल, आयुष वर्मा, रेशम कुमार, पप्पू खेतान, श्रवण खेतान, नीरज यादव, कविता पिलानिया, नेहा खेतान, प्रिया कुमारी, कविता कुमारी, श्रुति कुमारी, शालू कुमारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

गौरी नदी से जल लेकर दो मुहानी धाम पहुंची कांवड़ पदयात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चंदवारा : श्रावण मास की द्वितीय सोमवारी के अवसर पर गौरी नदी उत्तर वाहिनी, उतरवानी से जल लेकर दो मुहानी धाम बैंकुट मंदिर तक द्वितीय वर्ष कांवड़ पदयात्रा निकाली गई। यात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे मार्ग में बोल बम और बाबा नगरिया दूर है, जाना जरूर है के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। दो मुहानी धाम पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजाधारी पहाड़ मंदिर के श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर सुखदेव जी महाराज तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में दो मुहानी धाम बैंकुट मंदिर के भगत जी मौजूद रहे। सुखदेव जी महाराज ने कहा कि गौरी नदी का पवित्र जल लेकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करना सौभाग्य की बात है। उन्होंने सनातन धर्म की मजबूती और सभी की मनोकामना पूर्ण होने की कामना की। वहीं भगत जी ने धर्म और एकता को मजबूत करने का संदेश दिया।

इस वर्ष कांवड़िया अरुण बम ने 101 लीटर जल लेकर पदयात्रा की। यात्रा के दौरान भजन-कीर्तन के लिए दो गायिकाएं भी मौजूद रहीं, जिनके भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। कार्यक्रम की शुरूआत मंत्रोच्चार एवं गंगा पूजन से हुई। अतिथियों को पुस्तक और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। यात्रा की सफलता के लिए सड़क सफाई, पानी छिड़काव, झरना वाहन, मेडिकल टीम तथा जगह-जगह शरबत, जूस और नाश्ते की व्यवस्था की गई थी। दो मुहानी धाम मंदिर में श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी प्रसाद का वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में योगाचार्या योगी सुषमा सुमन एवं योग गुरु प्रदीप कुमार सुमन की विशेष भूमिका रही। सुषमा सुमन ने कहा कि कांवड़ पदयात्रा सनातन धर्म के प्रति आस्था और एकता को मजबूत करती है। प्रदीप कुमार सुमन ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार कांवड़ियों की संख्या करीब चार गुना रही और अगले वर्ष यात्रा को और व्यापक रूप देने का प्रयास किया जाएगा।

चंदवारा में गूंजा 'हर-हर महादेव', भव्य कांवड़ यात्रा में झूमे श्रद्धालु

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चंदवारा (कोडरमा) : 10 अगस्त 2026 को चंदवारा स्थित उत्तर वाहिनी नदी से दोमुहानी धाम पुत्तो तक एक भव्य एवं विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजधारी धाम स्थित श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर सुखदेव जी महाराज एवं दोमुहानी धाम पुतो के मुख्य पुजारी सुगेश्वर पंडित जी द्वारा मंत्रोच्चारण के द्वारा किया गया।समिति के लोग अंग वस्त्र,श्रीफल एवं धार्मिक ग्रन्थ देकर दोनों अतिथि का स्वागत किए।इस धार्मिक यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव और उत्साह के साथ भाग लिया।

उत्तर वाहिनी नदी से पवित्र जल उठाकर श्रद्धालुओं का जत्था बाबा भोलेनाथ के जयकारों के साथ दोमुहानी धाम पुत्तो के लिए रवाना हुआ। यात्रा के दौरान पूरा मार्ग 'हर-हर महादेव' और 'जय शिव' के नारों से गुंजायमान रहा। कांवड़ यात्रा का मुख्य आकर्षण भक्ति संगीत रहा। डीजे की धुन और प्रख्यात गायिका मनिता श्री के सुरीले भक्ति गीतों पर श्रद्धालु खुद को झूमने से रोक नहीं पाए। मनिता श्री के भजनों ने पूरे वातावरण को शिवभक्ति के रंग में सराबोर कर दिया और श्रद्धालु पूरी यात्रा के दौरान नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे। कांवड़ियों की सुविधा और सेवा के लिए जगह-जगह पर स्थानीय ग्रामीणों द्वारा सेवा शिविर लगाए गए थे। ग्रामीणों की ओर से कांवड़ियों के लिए ठंडा पानी, शरबत, ताजा फल और जलेबी की उत्तम व्यवस्था की गई थी। ग्रामीणों के इस आतिथ्य और सेवा भाव ने कांवड़ यात्रा को और भी सुगम और ऐतिहासिक बना दिया।

दोमुहानी धाम पुत्तो पहुँचकर श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक किया और क्षेत्र की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।अंत में मंदिर द्वारा वितरण महाप्रसाद का सभी श्रद्धालुगण ने आनंद लिया।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित सांसद प्रतिनिधि प्रवीण कुमार उर्फ बंटी मोदी, विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मण प्रसाद यादव, विभाग संयोजक राजू यादव,विभाग सह कार्यवाह मनोज राणा,विहिप जिला मंत्री प्रदीप सिंह,विहिप प्रखंड अध्यक्ष कृष्णा राणा, विहिप प्रखंड मंत्री विजय यादव,मंडल अध्यक्ष नन्दकिशोर सोनी,जिला संपर्क प्रमुख अजय बर्नवाल,चंदवारा प्रमुख मंजू देवी, उपप्रमुख खुशबू देवी, बीरेंद्र यादव, सुरेश यादव,पप्पू बर्नवाल, प्रकाश ठाकुर, सुषमा सुमन, प्रदीप सुमन, सत्येंद्र यादव, प्रमोद वर्मा, छोटेलाल मोदी, प्रमोद मोदी, राजकुमार यादव,विनय राणा,मुन्ना बर्नवाल,अनूप वर्मा एवं हजारों श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मादक पदार्थ तस्करी के तीन दोषियों को सजा, एक को 14 वर्ष का कठोर कारावास

चतरा : जिले के कुंदा थाना क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शंभू साव की अदालत ने तीन दोषियों को सजा सुनाई है। अदालत ने अफीम तस्करी के एक दोषी को 14 वर्ष के कठोर कारावास, दूसरे को 6 वर्ष तथा डोडा तस्करी के मामले में दोषी को 7 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। तीनों दोषियों पर कुल 2.40 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है। कुंदा थाना कांड संख्या 22/2021 में असेदेरी गांव निवासी रामविलास गंझू, पिता भराजो गंझू के खिलाफ अफीम तस्करी का मामला दर्ज था। पुलिस ने उसके कब्जे से 6 किलो 30 ग्राम अफीम बरामद की थी। सुनवाई के बाद अदालत ने उसे 14 वर्ष के कारावास और 1.50 लाख रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई। जुमार्ना नहीं देने पर उसे अतिरिक्त डेढ़ वर्ष का कारावास भुगतना होगा। इसी मामले में मनजीत गंझू, पिता केवल गंझू, के कब्जे से 1 किलो 726 ग्राम अफीम बरामद हुई थी। अदालत ने उसे दोषी पाते हुए 6 वर्ष के कारावास और 40 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई। जुमार्ना नहीं देने पर उसे एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। वहीं, कुंदा थाना कांड संख्या 27/2022 में दशरथ गंझू, पिता गरज गंझू के खिलाफ मादक पदार्थ तस्करी का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने उसके कब्जे से 29 किलो 200 ग्राम डोडा बरामद किया था। मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने उसे 7 वर्ष के कारावास और 50 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई। जुमार्ना नहीं देने पर उसे एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। दोनों मामलों में अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक अमित श्रीवास्तव ने अदालत के समक्ष पक्ष रखा, जबकि बचाव पक्ष की ओर से संजय सिंह एवं पीके सिन्हा ने पैरवी की।

मयूरहंड की रूपाली राज ने राज्य ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

मयूरहंड (चतरा) : झारखंड स्टेट ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मयूरहंड प्रखंड के ढोढ़ी गांव निवासी कुमारी रूपाली राज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर आगामी राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए उनका चयन किया गया है। रूपाली राज की इस उपलब्धि से उनके परिवार, विद्यालय और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। परिजनों के अनुसार, रूपाली ने कड़ी मेहनत, नियमित अभ्यास और खेल के प्रति समर्पण के बल पर यह सफलता हासिल की है। रूपाली के पिता सनराइज पब्लिक स्कूल के निदेशक हैं। इससे पहले भी रूपाली राज राष्ट्रीय स्तर की ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। आगरा में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया था। राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रूपाली ने अपनी प्रतिभा और मेहनत का परिचय दिया है। उनकी सफलता से क्षेत्र के खेलप्रेमियों में भी उत्साह है। परिजनों, शिक्षकों एवं शुभचिंतकों ने रूपाली राज को स्वर्ण पदक जीतने और राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होने पर बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी हैं। लोगों ने उम्मीद जताई कि रूपाली राष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन कर मयूरहंड, चतरा और झारखंड का नाम रोशन करेंगी।

इटखोरी बीडीओ ने योग गुरु शंकर चंद्रवंशी से की मुलाकात, स्वास्थ्य की ली जानकारी

इटखोरी (चतरा) : इटखोरी प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमनाथ बांकीरा ने प्रखंड अंतर्गत सिरमतपुर गांव पहुंचकर योग गुरु एवं शिक्षाविद् सन्यासी शंकर चंद्रवंशी से मुलाकात की। उन्होंने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। बताया गया कि शंकर चंद्रवंशी कई निजी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में योग के साथ-साथ राजनीति विज्ञान की शिक्षा दे चुके हैं। वे पिछले कई महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे। परिजनों के अनुसार, उन्होंने सीएमसी वेल्लोर में करीब एक माह तक इलाज कराया, जिसके बाद वर्तमान में घर पर रहकर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। बीडीओ ने उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हुए कुशलक्षेम जाना।

सावन की दूसरी सोमवारी पर बलबल मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

गिद्धौर (चतरा) : गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत बलबल स्थित प्रसिद्ध मां बागेश्वरी मंदिर में सावन की दूसरी सोमवारी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर पहुंचे। श्रद्धालुओं ने गर्म जलकुंड में स्नान कर मां बागेश्वरी की विधिवत पूजा-अर्चना की और जलाभिषेक कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इसके अलावा श्रद्धालुओं ने गांगपुर शिव मंदिर, कौलेश्वरी मंदिर, बटेश्वर शिव मंदिर, सूर्य मंदिर एवं ठाकुरवाड़ी मंदिर समेत प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में पूजा-अर्चना की और भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। सुबह से ही मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गूंजते रहे। पंडितों के अनुसार सावन की सोमवारी भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष रूप से शुभ मानी जाती है। इस दिन व्रत रखकर विधि-विधान से भगवान भोलेनाथ की पूजा और जलाभिषेक करने से भक्तों के कष्ट दूर होने तथा मनोकामनाएं पूर्ण होने की धार्मिक मान्यता है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए विभिन्न मंदिरों की प्रबंधन समितियों के सदस्य व्यवस्था संभालने और भीड़ नियंत्रण में जुटे रहे। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और पूजा-अर्चना सुचारू रूप से संपन्न हो, इसके लिए समिति के सदस्य पूरे दिन सक्रिय रहे।

विकसित भारत रोजगार मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर चतरा में प्रशिक्षण

चतरा : विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन सभागार, चतरा में जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त रवि आनंद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रशिक्षण के दौरान विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, झारखंड में मिशन के प्राथमिक कार्य, विभिन्न प्रावधानों एवं संबंधित धाराओं की विस्तार से जानकारी दी गई। इसके अलावा एसएनए-स्पर्श से संबंधित प्रक्रिया एवं प्रावधानों तथा मनरेगा और विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन के बीच अंतर के बारे में भी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में योजना के प्रावधानों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने, कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने तथा निर्धारित प्रक्रियाओं का उचित अनुपालन सुनिश्चित करने से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी दी गई। प्रखंड एवं पंचायत स्तर के संबंधित पदाधिकारियों और कर्मियों को भी प्रशिक्षण देने की जानकारी दी गई, ताकि योजना का क्रियान्वयन सभी स्तरों पर निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप हो सके। मजदूरों को रोजगार से वंचित करने पर होगी कार्रवाई उपायुक्त रवि आनंद ने स्पष्ट निर्देश दिया कि योजना के अंतर्गत होने वाले सभी कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पात्र मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एक नजर

तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकराई युवती की मौत

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर के बिष्टुपुर थाना क्षेत्र में सीएच एरिया आर्मी कैंप के समीप रविवार देर रात तेज रफ्तार बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में बाइक सवार 26 वर्षीय युवती एंजेल गुड़िया की मौत हो गई, जबकि उसके साथ मौजूद युवक केल्विन लकड़ा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतका मूल रूप से ओडिशा की रहने वाली थी और जमशेदपुर के मानगो स्थित एक ब्यूटी पार्लर में काम करती थी। पुलिस के अनुसार एंजेल गुड़िया और बिरसानगर निवासी केल्विन लकड़ा रविवार रात करीब एक बजे बाइक से निकले थे। सीएच एरिया आर्मी कैंप के पास तेज रफ्तार बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिसकर्मियों ने तत्काल दोनों घायलों को इलाज के लिए टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद एंजेल गुड़िया को मृत घोषित कर दिया।

रंजाबुरू खदान में बंदी के दौरान हाइवा चालकों से मारपीट का आरोप

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम के रांजाबुरु खदान में स्थानीय रोजगार और पूर्व में हुए लिखित समझौते को लागू कराने की मांग को लेकर सोमवार से जारी अनिश्चितकालीन आंदोलन के दौरान विवाद गहरा गया। खदान में हाइवा चलाने वाले चालक रविंद्र पासवान और सिद्धांत जेना ने आंदोलनकारियों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। घायल दोनों चालकों को इलाज के लिए सेल गुवा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चालकों के अनुसार, खदान बंद होने की जानकारी के बावजूद मां सरला कंपनी के सुपरवाइजर के निर्देश पर वे लौह अयस्क ढुलाई के लिए खदान पहुंचे थे। उनका आरोप है कि इसी दौरान महिला और पुरुष आंदोलनकारियों ने उन्हें डंडे और पत्थरों से घेर लिया और मारपीट की।

परीक्षा में धांधली के विरोध में छात्र आंदोलन तेज, एआईडीएसओ ने दी आंदोलन बढ़ाने की चेतावनी

छात्रों की मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन होगा तेज : सोहन महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स आर्गेनाइजेशन (एआईडीएसओ) झारखंड प्रदेश सचिव सोहन महतो ने कहा की हजारों की संख्या में विधानसभा घेराव करने वाले साधारण छात्रों के एकजुटता को क्रांतिकारी हूल जोहार। जेपीएससी- जेएसएससी और सीजीएल परीक्षा में धांधली को रद्द करने की बजाए सरकार अपनी जिद्दी पर अड़ी है। झारखंड अलग राज्य बनने के बाद जो भी सरकार बनी जेपीएससी- जेएसएससी और सीजीएल की परीक्षाओं में अनियमितता और धांधली करने का ही काम किया। इसलिए मजबूरन आज छात्र सड़कों पर हैं। आसूँ गैस और वाटर केनल के प्रयोग से छात्र डरने वाले नहीं है। छात्रों के सभी मांगों के साथ हमारा संगठन इस आंदोलन में शुरूआती दिनों से ही

खड़े हैं। आज के विधानसभा घेराव में हमारी अपील से भी इस आंदोलन में हजारों की संख्या में छात्र शामिल हुए। मुख्यमंत्री से हम अपील करते हैं कि पुनः छात्र हित में विचार करते हुए मांग को मान लें, नहीं तो आंदोलन जारी रहेगा। विधानसभा घेराव में मौके पर उपस्थित संगठन के प्रदेश अध्यक्ष समर महतो ने कहा की विशुद्ध रूप से छात्रों के आंदोलन को बर्वाद करने की कोशिश विपक्ष की भाजपा और आरएसएस के द्वारा कई हथकंडे अपना रही है। जिसका हम कड़ी निंदा करते हैं एवं इसे अंतिम परिणाम राज्य के छात्र ही देंगे। जिसका हम पूर्ण समर्थन करते हुए छात्रों के साथ हैं। आगे कहा कि हम छात्रों से अपील करते हैं की अवसरवादी राजनैतिक पार्टी एवं नेताओं से सतर्क रहें। अगर आज कल में सरकार छात्रों की मांग नहीं पूरा करती है तो प्रदेश के सभी जिलों में आंदोलन और तेज होगा।

छात्रों मांगें - 1.जेपीएससी- जेएसएससी और सीजीएल परीक्षा में धांधली की झारखंड उच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीशों एवं विधानसभा की एक जांच समिति की बेंच में जांच की जाए। 2. रिक्त पड़े सभी सरकारी पदों में बहाली अविलंब की जाए। 3. सभी प्रकार की परीक्षाओं का कैलेंडर जारी कर सख्ती से पालन किया जाय। 4. टीडीपीएल द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं को रद्द किया जाए। 5. धांधली हुए जेपीएससी- जेएसएससी और सीजीएल की परीक्षा रद्द किया जाए। 6. भ्रष्टाचारी अभय तिवारी की संलिप्तता वाले सभी परीक्षा रद्द हो।

खाद्य सुरक्षा टीम ने झंडा चौक स्थित विभिन्न प्रतिष्ठानों का किया औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती एवं अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, हजारीबाग डॉ. शशि जायसवाल के निदेर्शानुसार आज दिनांक 10 अगस्त 2026 को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, हजारीबाग-1 मो. मंजर हुसैन के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा झंडा चौक स्थित विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में जलपान मिष्ठान भंडार, शारदा मिष्ठान भंडार, सिलाव खाजा दुकान, बबुआ मिष्ठान भंडार, गणपति भोजनालय, शदानन्द मिष्ठान भंडार एवं टीओलोजी रेस्टोरेन्ट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान

जलपान मिष्ठान भंडार, शारदा मिष्ठान भंडार एवं सिलाव खाजा दुकान में लगभग 25 किलोग्राम बासी एवं फफूंद लगी मिठाई पाई गई। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी द्वारा उक्त मिठाइयों को मौके पर ही नष्ट कराया गया। खाद्य सुरक्षा टीम ने संबंधित प्रतिष्ठानों को निर्देश दिया कि 14 दिनों के अंदर किचन, मिठाई रखने के स्थान तथा दीवारों पर जमी काई एवं मकड़ी के जालों की समुचित सफाई सुनिश्चित करें। साथ ही खाद्य परिसर में प्रभावी कीट नियंत्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का अनुपालन अनिवार्य है। दिए गए निर्देशों का अनुपालन नहीं करने की स्थिति में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत विधि-सम्मत अग्रतर कार्रवाई की जाएगी। औचक निरीक्षण अभियान में अम्ब्रीस पाण्डे, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, हजारीबाग-2; श्वेता त्रिपाठी, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, हजारीबाग-4; विकास शर्मा, सूरज कुमार एवं धनेश्वर प्रसाद कुशवाहा सहित खाद्य सुरक्षा टीम के अन्य सदस्य शामिल थे।

राजाबासा प्राथमिक विद्यालय में मनाया गया हेमन्त सोरेन का जन्मदिन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : जोड़सा पंचायत के सुदूरवर्ती क्षेत्र में बसे उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय राजाबासा में झामुमो नेता महावीर मुर्मू के सौजन्य से स्कूली बच्चों के साथ राज्य के युवा मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का जन्मदिन मनाते हुए केक काटकर खुशी मनाते हुए बधाई दी गई। इस दौरान झामुमो युवा नेता महावीर मुर्मू के द्वारा स्कूली बच्चों के बीच स्कूल बैग,पाठ्य सामग्री, मिठाई सहित कई उपहार दिए गए। उन्होंने कहा कि गुरुजी के सपने के फाउंडेशन के द्वारा प्रत्येक वर्ष की तरह उस वर्ष भी युवा मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का जन्मदिन उल्लास के साथ खुशिया बांटकर मनाया गया। वही विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान झामुमो नेता महावीर मुर्मू, विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू, प्रखंड अध्यक्ष अश्वनी कुमार महतो, संजय सिंह, जीतू लाल मुर्मू, शिक्षक धनंजय मुर्मू, अनिल बेसरा आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सरिया में भीषण चोरी : केमिकल छिड़ककर युवक को किया बेहोश, 9 लाख के जेवरात उड़ाए

सरिया : सरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटकी सरिया गांव में बीती रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरातों पर हाथ साफ कर दिया। घटना गृह स्वामी राजू मंडल के मकान में घटी, जहां चोरों ने मुख्य द्वार का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। चोरी गए गहनों की कुल कीमत 8 से 9 लाख रुपये आंकी जा रही है। पीड़ित गृह स्वामी राजू मंडल ने बताया कि प्रतिदिन की तरह रात को पूरा परिवार खाना-पीना खाकर अपने-अपने कमरों में सोने चला गया था। जिस कमरे में चोरी की यह वारदात हुई, वहां उनका पुत्र सोया हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने कमरे में प्रवेश करने के बाद किसी नशीले केमिकल का छिड़काव कर दिया, जिससे उनका पुत्र गहरी नींद में सोता रह गया और बेहोश हो गया। इसके बाद चोरों ने बेफिक्र होकर अलमारी व बक्सों में रखे 8 से 9 लाख रुपये मूल्य के सोने और चांदी के आभूषण समेट लिए और आसानी से फरार हो गए। सुबह जब परिजनों की नींद खुली, तो मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ और सामान बिखरा देख उनके होश उड़ गए। घटना के संबंध में पीड़ित परिवार द्वारा सरिया थाना में लिखित आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की छानबीन और चोरों की पतासाजी में जुट गई है।

व्यवहार न्यायालय, खूँटी

।। शुद्धिपत्र Corrigendum) ।।

इस कार्यालय द्वारा पूर्व में प्रकाशित विज्ञापन संख्या (Advt. No 02/2026) जिसका PR No. 386890 (Law) 26-27*D] है, के संबंध में सभी संभावित आवेदकों को सूचित किया जाता है कि आवेदन केवल निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट **(Registered Post/ Speed Post)** के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। हाथों-हाथ (By Hand), भेजे गए आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

आवेदन विज्ञापन की शेष अन्य सभी शर्तें एवं नियम यथावत (पहले जैसी) रहेंगी।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश,
व्यवहार न्यायालय, खूँटी

PR 387114 (Law)26-27*D

Government of Jharkhand
Urban Development & Housing Department
Office of the Gumla Nagar Parishad, Gumla

दर आमंत्रण सूचना

नगर परिषद, गुमला क्षेत्रान्तर्गत अधिष्ठापित कुल 90 CCTV कैमरा सिस्टम के वार्षिक रख-रखाव (AMC) हेतु इच्छुक एवं अनुभवी फर्मों/एजेंसियों/व्यक्ति/पंजीकृत संस्था/संवेदक से सीलबंद लिफाफा में दर (सभी कर सहित) आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक दरदाता निर्धारित तिथि को नगर परिषद, गुमला कार्यालय में अपना दर दे सकते है।

Sl No.	Particulars	Date
1	Date of receiving of sealed Quotation	18.08.2026 at 03.00 PM
2	Date and time of opening of Quotation	18.08.2026 at 03.30 PM
3	Place of receiving and opening of Quotation	Executive Officer, Gumla Nagar Parishad, Gumla

दर हेतु विहित प्रपत्र :

Sl No	Description	Price/Unit (Including all taxes)

कार्य का दायरा :-
1. CCTV कैमरों का नियमित निरीक्षण एवं सर्विसिंग।
2. DVR/NVR, SMPS, Hard Disk, Switch एवं अन्य उपकरणों की नियमित जाँच।
3. खराबी आने पर तकनीशियन द्वारा साइट विजिट एवं दोष निवारण।
4. कैंमरों की फोकसिंग, सफाई एवं नेटवर्क कनेक्टिविटी की जाँच।
5. आवश्यकतानुसार सॉफ्टवेयर/फर्मवेयर अपडेट।
6. खराब स्पेयर पार्टस का अविलंब प्रतिस्थापन।

नोट :- नियम एवं शर्त्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड में किसी भी कार्यदिवस को देखा जा सकता है।

कार्यपालक पदाधिकारी
गुमला नगर परिषद, गुमला

PR 387086 District(26-27)#D

दावा-आपत्ति को लेकर बीडीओ व सीओ ने पर्यवेक्षकों के साथ की बैठक

छूटे योग्य मतदाताओं को सूची में जोड़ने का दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : मतदाता सूची ड्राफ्ट प्रकाशन के बाद दावा-आपत्ति प्रक्रिया को लेकर बीडीओ जयपाल महतो और सीओ चंद्रशेखर कुणाल ने पर्यवेक्षकों के साथ बैठक की। दावा आपत्ति के दौरान तैयारियों की समीक्षा की।

बीडीओ ने कहा कि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से छूट गए योग्य नागरिकों का नाम जल्द से जल्द मतदाता सूची में जोड़ा जाए। नए मतदाता अथवा वैसे योग्य नागरिक, जिनका नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकते हैं। फॉर्म-6 नए मतदाता के रूप में नाम दर्ज कराने के लिए, फॉर्म-7 मतदाता सूची से नाम हटाने अथवा निरस्त करने के लिए तथा फॉर्म-8 मतदाता विवरण में संशोधन या सुधार के लिए भरा जा सकता है। बीडीओ ने बताया कि ऐसे सभी भारतीय नागरिक, जिनकी आयु 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष पूर्ण हो रही है, वे ईसीआई नेट ऐप के माध्यम से फॉर्म-6 अवश्य भरें। आवेदन स्वीकृत होने के बाद मतदाता पहचान पत्र पंजीकृत डाक से आवेदन में दर्ज पते पर भेजा जाएगा। उन्होंने संबंधित कर्मियों को दावा-आपत्ति की प्रक्रिया के दौरान प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार निष्पादन करने तथा पात्र लोगों को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए आवश्यक निर्देश दिया।

प्लस टू उच्च विद्यालय बड़कागांव में प्रबंधन समिति का हुआ पुनर्गठन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्लस टू उच्च विद्यालय प्रबंधन समिति की पुनर्गठन लेकर बैठक हुई। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष के रूप में संतोष राम एवं उपाध्यक्ष के रूप में सारिका कुमारी का चयन किया गया। पुनर्गठन सभा में 25 सदस्यों का चयन किया गया। जिनके नाम इस प्रकार है जुबेदा खातून, सैरा देवी, सविता देवी, ललिता देवी, रेणु देवी, रेखा कुमारी चौहान, मुनिया देवी, कुसुम देवी, चिंता देवी, नरसिंह प्रसाद, सुरेश साव, विकास कुमार, मोहम्मद नौशाद, मोहन कुमार, मोहम्मद सुभान, रोहित साव, प्रदीप साव इसके अलावा विद्यालय के शिक्षक राजेश रंजन गुप्ता, संतोष कुमार ,अमित शर्मा, सूरज नीरव, मदन कुमार, श्रीकांत वल्लभ सिंह, पंकज कुमार, निकहत उस्मानी, रूपा स्वप्न, कुंती कुमारी, सुधा कुमारी, अर्जुन प्रसाद, निकास रजवार, महेंद्र मांझी आदि सैकड़ो अभिभावक उपस्थित थे। सभा को प्रधानाचार्य कुलेश्वर महतो, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि मो . इब्राहिम और मुखिया विमला देवी ने संबोधित किया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर

द्वितीय शुद्धि-पत्र

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर अन्तर्गत आमंत्रित ई-प्रोक्योरमेन्ट अति-अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या-**DWSD/SR/DT/Med-08/2026-27 (1st Call)** (नलकूपों का पुर्नस्थापन कार्य) का प्रथम शुद्धि पत्र जो PR No. 386749 (Drinking Water and Sanitation) 26-27*D द्वारा विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित है। उक्त निविदा की तिथि अपरिहार्य कारणों से निम्न प्रकार संशोधित किया जाता है :-

क्र0 सं0	विवरण	पूर्व में प्रकाशित तिथि एवं समय	संशोधित तिथि एवं समय
1	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	07.08.2026 / 02.30 बजे अपराह्न में।	11.08.2026 / 02.30 बजे अपराह्न में।
2	बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	13.08.2026 / 5.00 बजे अपराह्न तक।	17.08.2026 / 5.00 बजे अपराह्न तक।
3	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेस, झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	13.08.2026 / 5.00 बजे अपराह्न तक।	17.08.2026 / 5.00 बजे अपराह्न तक।
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	14.08.2026 / 05.00 बजे अपराह्न में।	18.08.2026 / 05.00 बजे अपराह्न में।

यह शुद्धि-पत्र परिमाण विपत्र का भाग होगा एवं शेष पूर्ववत् रहेंगे।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,मेदिनीनगर

PR 387148 District(26-27).D

'जो खेलेगा, वही खिलेगा' के संदेश को धरातल पर उतारने के लिए होगा फुटबॉल टूर्नामेंट : दुलाल भुइयां

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जो खेलेगा, वही खिलेगा संदेश को आगे बढ़ाते हुए युवाओं को खेलों से जोड़ने और ग्रामीण एवं स्थानीय प्रतिभाओं को बेहतर मंच देने के उद्देश्य से 14 और 15 अगस्त को भुईयांडीह दुर्गा पूजा मैदान में दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता 79वें स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ के साथ झारखंड आंदोलनकारी शहीद कालीपोदो भुइयां की स्मृति को समर्पित होगी। यह जानकारी पूर्व मंत्री एवं भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दुलाल भुइयां ने सोमवार को मिष्टी होटल

में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी। दुलाल भुइयां ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार युवाओं को खेलों से जोड़ने और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने पर जोर देते रहे हैं। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, ताकि स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल जीत और हार तक सीमित नहीं है। इसके जरिए युवाओं में खेल भावना, अनुशासन और टीम भावना विकसित करने के साथ स्थानीय स्तर पर प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना भी प्राथमिकता है। फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन अखिल भारतीय भुइयां समाज कल्याण समिति और सेंट्रल भीम बिरसा मुंडा फुटबॉल एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में अधिकतम 32 टीमें हिस्सा लेंगी। सभी मुकाबले 7-ए-साइड प्रारूप में खेले जाएंगे। प्रत्येक टीम के लिए प्रवेश शुल्क 1,500 रुपये निर्धारित किया गया है। आयोजकों के अनुसार, प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली सभी टीमों के खिलाड़ियों के लिए जर्सी और बूट पहनकर मैदान में उतरना अनिवार्य होगा। मुकाबलों का संचालन जेएसए के रेफरी करेंगे। मैच ड्रॉ होने की स्थिति में टॉस के जरिए निर्णय लिया जाएगा और आयोजन समिति का निर्णय अंतिम माना जाएगा। प्रतियोगिता में विजेता, उपविजेता और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों को आकर्षक पुरस्कार के साथ जर्सी और शील्ड प्रदान की जाएगी। इसके अलावा मैन ऑफ द मैच, सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर और सर्वश्रेष्ठ अनुशासित टीम को भी पुरस्कृत किया जाएगा। रेफरी और लाइन्समैन के लिए भी जर्सी की व्यवस्था की गई है। दुलाल भुइयां ने बताया कि 15 अगस्त को महिला फुटबॉल टीमों के बीच 30 मिनट का प्रदर्शनी मैच भी आयोजित किया जाएगा।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, सिमडेगा

अति अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या28/2026-27

1	विज्ञापनदाता का नाम	-	कार्यपालकअभियंता, भवनप्रमंडल, सिमडेगा।
2	परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय	-	18-08-2026 को अप0 12.00 बजे तक।
3	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	-	19-08-2026 के अप0 2.30बजेतक।
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	-	19-08-2026 के अप0 3.00बजेसे।
5	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	-	(i) अधीक्षण अभियंता भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं-2,राँची का कार्यालय। (ii) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल सिमडेगा।
6	निविदा प्राप्ति का स्थान	-	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
7	कार्य विवरणी :-		

Sl. No.	Name of work	Estimated Cost	Earnest Money	B.O.Q Cost	Time Of Completion
1	(i) E/R of Painting Work of Block (A) Collectariate Building Simdega in the District of Simdega. (ii) E/R of Common Toilet of Female at 2nd Floor in Collecteriate Building, Simdega.	4,96,790.00	10,000.00	750.00	01 (One) Months
2	(i) Renovation & Painting Work of Ramrekhadham Campus at Ramrekhadham, Block-Pakartand, District-Simdega. (ii) Renovation & Painting Work of Ramrekhadham Campus at Ramrekhadham, Block-Pakartand, District-Simdega. (Part 2)	4,98,285.00	10,000.00	750.00	01 (One) Months
3	(i) E/R to Qtr No. D-4 in Judge Colony, Depty Toli Simdega. (ii) E/R to Common Mesh in Campus of S.P Residence Simdega. (Part-1)	4,97,700.00	10,000.00	750.00	01 (One) Months

निविदा की शर्तें-WWW.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचनापटपर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमंडल, सिमडेगा

PR 387105 (Simdega)26-27*D

चौमासे की बात, चिंताओं की बरसात

पूरी प्रकृति को हरियाली से सराबोर करके धरा को तृण संकुल बना कर जहां पैदल रास्ते भी छुप जाते हैं, हमेशा से ही ऐसा बरसात का मौसम कठिनाइयों और बाढ़ आदि खतरों से भरा रहा है। शायद इसीलिए बरसात के महीनों को चौमासा कहा जाता था, जिनमें साधु-संत अपनी यात्राओं को स्थगित करके कहीं एक गांव में रुक जाते थे और इस समय को धार्मिक कथा वार्ता के आयोजन करके सद्गुण और धर्म प्रचार में उपयोग करते थे। एक पंथ दो काज वाली कहावत चरितार्थ होती थी। लोग अनावश्यक आवागमन नहीं करते थे, लेकिन अब आधुनिक विकास और यातायात के साधनों के विस्तार के चलते बरसात का मौसम भी पर्यटन का मौसम बन गया है। खास कर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में स्थित धार्मिक स्थलों तक, जहां पहुंच बर्फ पिघलने के बाद बरसात में ही संभव है, वहां के लिए धार्मिक पर्यटन (यात्राओं) बरसात में ही ज्यादा जोर पकड़ता है। ये यात्राएं तो पहले से ही आयोजित होती आई हैं, लेकिन पैदल यात्राएं होने के कारण इतनी भीड़-भाड़ नहीं होती थी। जलवायु परिवर्तन के इस दौर ने बरसात की विभीषिका को और ज्यादा बढ़ा दिया है, जिसके उदाहरण 2013 जून की केदारनाथ त्रासदी या भरमौर मणिमहेश राधाष्टमी स्नान के दौरान 1994 और 2025 में आई बाढ़ में मिल जाते हैं। मैदानी इलाकों में जलभराव के कारण ज्यादा हानि होती है, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलनों और नदी के तेज बहाव से होने वाले कटाव से ज्यादा नुकसान होता है। ज्यादातर भूस्खलन उन क्षेत्रों में होते हैं, जहां मानव गतिविधि जनित प्रकृति के साथ छेड़छाड़ ज्यादा होती है। मानव जनित छेड़छाड़ कई तरह की है। सबसे ज्यादा तो वर्तमान विकास कार्यों के कारण प्रकृति विध्वंस होता है। जैसे कि खनन, सड़क निर्माण या जल विद्युत परियोजनाओं के कारण होने वाली तोड़फोड़, जिसमें भारी मशीनों से कटाई, मलबा डंपिंग, सुरंग बनाने जैसी गतिविधियां मुख्य हैं। इन कार्यों के लिए बड़ी मात्रा में जंगल भी कटते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन का खतरा और ज्यादा बढ़ जाता है। जलवायु परिवर्तन के कारण बरसात की बारिश की बौछार बढ़ गई है। थोड़े समय में ही बहुत ज्यादा पानी बरस जाता है। संकरी घाटियों में एक ही जगह पर जब 10-20 किलोमीटर के दायरे में एक घंटे में 100 मिलीमीटर (मिली) मीटर से ज्यादा बारिश हो जाए तो उसे बादल फटना कहा जाता है। बादल फटने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। यदि प्रकृति से छेड़छाड़ ज्यादा हुई हो तो बादल फटने से नाजुक भूमि जल्दी ही बह कर भयानक भूस्खलनों को जन्म देती है, जिससे जन-धन की भारी हानि हर साल पर्वतीय क्षेत्रों को झेलनी पड़ रही है। इस वर्ष भी शुरूआती बरसात में ही चट्टानें टूटने के कारण लाहुल पांगी में 13 लोग एक गाड़ी सहित ऊपर से गिरी भारी चट्टान के नीचे दब कर काल का ग्रास बन गए तो बनीखेत के पास एक ही परिवार के पांच लोग दुर्भाग्यवश धुंध के चलते गाड़ी गहरी खाई में लुढ़क जाने से मारे गए। कांगड़ा जिला की शाहपुर तहसील का बोह क्षेत्र तो इस पांच साल में दो बार जनधन की हानि झेल चुका है। 2021 में बोह बाजार से ऊपर जंगल में कोई छोटा भूस्खलन आया, जिससे कुछ पेड़ नीचे खाई में फंस गए। उनसे कुछ मलबा फंसता गया और एक बांध जैसा बन गया। भारी बारिश में जब पानी बांध की क्षमता से ज्यादा हो गया तो वह टूट गया और जमा भारी मात्रा में पानी नीचे बोह बाजार को तबाह करता हुआ निकल गया, जिसमें कुछ जन हानि भी हुई थी। इस वर्ष भी बोह वैसी ही त्रासदी का शिकार हुआ है। दिन में घटना होने के कारण और 2021 के सबक से चौकन्ने लोगों ने भाग कर जान तो बचा ली, किंतु मकानों और गौशालाओं का भारी नुकसान हुआ। सरकार ने संवेदना से मामले को संभाला भी, किंतु ऐसे घाव भरते हुए दशकों लग जाते हैं। जैसे कि मंडी जिला के 2023 और 2025 के घाव अभी तक भी भर नहीं पाए हैं। सरकारों की सामर्थ्य भी सीमित ही है और प्राथमिकताएं भी बाधा बनती हैं। बोह की घटनाओं को समझने के लिए मैंने कुछ साथियों से बात करके कारण जानने का प्रयास किया।

सूडोकु नवताल- 7883

★★★✩✩ मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7882 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

आंदोलन रत छात्रों की मांगों को राज्य सरकार को मान लेनी चाहिए

विजय केसरी

बीते 25 जुलाई से झारखंड के छात्र जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में हुई कथित गड़बड़ी और धांधली के खिलाफ रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में आंदोलन रत हैं। उनका आंदोलन का कारवां धीरे-धीरे कर बढ़ता ही चला जा रहा है। झारखंड के 24 जिलों के छात्र गण इस आंदोलन में अपनी महती उपस्थिति दर्ज कर आंदोलन को और भी मजबूत बनाते चले जा रहे हैं। आज छात्र आंदोलन का 17 वां दिन है। छात्र जिस प्रकार इस आंदोलन में एक जुट होकर कर आंदोलन रत हैं, इससे प्रतीत होता है कि वे अपनी मांगे पूरी करवाए बिना मानेंगे नहीं। 10 अगस्त को जिस प्रकार छात्र विधानसभा का घेराव करने के लिए एड़ी चोटी की शक्ति लगा दिए हैं, यह इस बात की ओर इशारा करता है कि अब झारखंड के छात्र रुकेंगे नहीं। जबकि सरकारी स्तर पर झारखंड के 23 सों जिलों से रांची आने वाली बसों को रोकने के लिए जबरदस्त इंतजाम किए गए हैं । फलस्वरुप यात्रियों को काफी कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद हजारों - हजार की संख्या में छात्र विधानसभा घेरने के कार्यक्रम में जुड़ चुके हैं। छात्रों का यह आंदोलन अब राष्ट्रीय मीडिया की मुख्य कवर स्टोरी बन चुकी है। झारखंड का यह पहला छात्र आंदोलन है, जिसको राष्ट्रीय चैनल पर प्रमुखता के साथ दिखलाया जा रहा है। इससे छात्रों में आंदोलन के प्रति और भी उत्साह बढ़ता चला जा रहा है।

आंदोलन रत छात्रों को विधानसभा तक नहीं पहुंचने देने के लिए सारे पुलिसिया इंतजाम कर दिए गए हैं। विधानसभा मार्ग पर कटीली तारे लगाई गई हैं। वॉटर कैनल द्वारा छात्रों को रोकने की कोशिश की जा रही है। इसके बावजूद छात्र टस से मस नहीं हो रहे हैं बल्कि वे अपनी मांगों को लेकर डटे हुए हैं। वहीं कटीली तारों और ब्रैकेटींग को तोड़ते हुए छात्र खेत खलियानों से होते हुए विधानसभा के नजदीक पहुंचते कि झारखंड पुलिस ने छात्रों पर लाठी चार्ज शुरू कर दी। लेकिन छात्र विधानसभा घेरने के मुद्दे पर पूरी शक्ति के साथ डटे हुए हैं। राज्य सरकार को लग रही है कि लाठी चार्ज कर छात्रों के आंदोलन को रोक दें। छात्रों के जज्बे को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि छात्र अपनी मांगे पूरे किए बिना हटेंगे नहीं। छात्रों की मांगों के समर्थन में विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी सहित अन्य दलों के विधायकों ने अपना नैतिक समर्थन दिया है। वहीं के जेएलकेएम के विधायक जयराम महतो ने भी छात्रों के समर्थन में पुराने विधानसभा में 24 घंटे का धरना पूरा किया है। साथ ही उन्होंने छात्रों को आश्वस्त किया है कि विधानसभा के भीतर भी उनकी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद करेंगे। दूसरी और सत्ता पक्ष के एक सहयोगी कांग्रेसी विधायक राजेश कच्छप ने आंदोलन रत छात्रों को सरकार के स्तर पर उनकी समस्याओं के समाधान और न्याय दिलाने की भी बात कही है। अब आगे देखना यह है कि राज्य सरकार छात्रों की बातों को मानने में और कितने दिन लेगी।

विचारणीय यह है कि आंदोलन रत छात्र कोई अनर्गल मांग नहीं कर रहे हैं बल्कि जेपीएससी परीक्षा सुधार और पारदर्शिता की ही बात कह रहे हैं। छात्रों की मांगे हैं कि जेपीएससी परीक्षा में अनियमितताओं की सीबीआई से जांच, 14 वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने और चयन आयोगों में सुधार की जाए। छात्रों की मांगे पूरी तरह स्पष्ट है। अगर राज्य सरकार छात्रों की मांगे मान लेती है, तो जेपीएससी सहित अन्य सरकारी परीक्षाओं के प्रति छात्रों में एक विश्वास पैदा होगा। झारखंड बनने के बाद अब तक जेपीएससी सहित अन्य परीक्षाओं में हुई गड़बड़ी से छात्रों में काफी आक्रोश और असंतोष व्याप्त है। राज्य सरकार को छात्रों की बातें मान लेनी चाहिए। इससे सरकार की छवि भी साफ-सुथरी होगी। वहीं छात्रों में व्याप्त आक्रोश और असंतोष भी दूर होगा। जबकि गत रविवार को सार्वजनिक तौर पर प्रांत के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि 'छात्रों को न्याय मिलेगा और जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सरकार प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राओं की बातें सुन रही है। उनकी शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है। युवक संयम बनाए रखें। सरकार पर भरोसा रखें। विश्वास करें। पढ़े लिखे युवाओं से लेकर महिलाओं, पुरुषों, बच्चों और वंचितों तबकों तक सभी के हित सरकार की प्राथमिकताओं में हैं।' यह बात सिर्फ कहने भर से बात नहीं मान ली जाएगी। सरकार को करके और दिखाने की भी जरूरत है।

झारखंड के छात्र पिछले 17 दिनों से आंदोलन रत हैं। एक छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो तो आमरण अनशन पर भी बैठे हुए हैं। उनकी हालत धीरे-धीरे कर चिंता जनक बनती चली जा रही है। इसके बावजूद सरकार छात्रों की मांगों के प्रति पूरी तरह उदासीन दिखाई पड़ रही। छात्र कोई आसमान की पुड़िया की तो मांग नहीं कर रहे हैं बल्कि सिर्फ जेपीएससी सहित अन्य परीक्षाओं में सुधार की मांग कर रहे हैं। इसमें सरकार को दिक्कत क्या हो रही है? अगर राज्य सरकार को कुछ सरकारी कोरम को पूरा करने में परेशानी हो रही है, तो यह बात खुलकर छात्रों के बीच रखें। राज्य सरकार एक समय सीमा के अंतर्गत उनकी मांगों को पूरा करने का स्पष्ट आश्वासन दें। तभी छात्रों का यह आंदोलन थमेगा। अन्यथा यह आंदोलन रुकने वाला नहीं है।

आगे प्रांत के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि 'हम लोगों ने चोरी पकड़ ली है। अब उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई भी शुरू हो गई है।' झारखंड के छात्र सरकार को सख्त कार्रवाई करने से कहां रोक रही है। सरकार जेपीएससी सहित अन्य परीक्षाओं में सुधार के लिए सख्त से सख्त कार्रवाई करें। यह सभी छात्र चाहते हैं। वहीं दूसरी ओर झारखंड के छात्र 14 वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे हैं। राज्य सरकार को इस परीक्षा को निरस्त करने में दिक्कत हो रही है। जबकि 14 वीं जेपीएससी परीक्षा में हुए कदाचार के मामले खुले रूप से विभिन्न अखबारों प्रकाशित हो चुके हैं। इस परीक्षा को निरस्त करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध हैं, इसके बावजूद सरकार न जाने 14वीं जेपीएससी परीक्षा को निरस्त करने में क्या दिक्कत हो रही है ? यह बात समझ से परी है। यहां पर सरकार की कथनी और करनी में काफी अंतर दिखाई पड़ रही है।

वहीं छात्रों की एक अन्य मांग सीबीआई जांच की है। सीबीआई जांच से राज्य सरकार क्यों कतरा रही है? छात्रों को राज्य की सीआईडी की जांच पर भरोसा नहीं है। छात्रों को ऐसा लगता है कि सीआईडी की जांच से सिर्फ लीपा पोती होकर यह मामला भी रह जाएगा। छात्रों को सीबीआई जांच पर भरोसा है, तो राज्य सरकार को भी चाहिए कि सीबीआई जांच की अनुमति दे दे। सीबीआई कोई विदेशी मुल्क की जांच एजेंसी नहीं है। बल्कि देश की ही एक मजबूत जांच एजेंसी है, जिस पर झारखंड के छात्रों सहित देशवासियों को भी भरोसा है। इसलिए राज्य सरकार को ईमानदारी पूर्वक सीबीआई से जांच कराने की अनुमति दे देनी चाहिए।

ध्यातव्य है कि छात्रों की मांगों पर प्रांत वासियों के समर्थन भी पूरी तरह प्राप्त हो रहे हैं । जेपीएससी सहित अन्य परीक्षाओं में कदाचार के चलते छात्रों सहित अभिभावक गण भी परेशान हैं। उनके बच्चें पूरी मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई करते हैं । वहीं दूसरी ओर उनकी मेहनत और पढ़ाई का फल कोई और ले जाता है। यह बिल्कुल बर्दाश्त करने वाली बात नहीं है। इस बार सत्ता पक्ष के कई विधायक और नेता गण भी छात्रों के साथ हैं। विपक्ष भी पूरी तरह छात्रों की मांगों के समर्थन पर खड़े हैं। छात्र भी इस बार अपनी मांगे पूरी किए बिना आंदोलन से पीछे हटेंगे नहीं। छात्रों का यह आंदोलन पूरी तरह अनुशासित और अहिंसात्मक है। छात्रों की भाषा भी संयमित है। इसलिए आंदोलन रत छात्रों की मांगों को राज्य सरकार को मान लेनी चाहिए।

सोशल मीडिया और विश्वसनीयता

योगेश के. सोनी

मेटा के स्वामित्व वाले फेसबुक से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एक वीडियो हटाए जाने की घटना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता, तकनीकी सुरक्षा और कंटेंट मॉडरेशन को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। मेटा ने बाद में स्पष्ट किया कि वीडियो किसी जानबूझकर की गई कार्रवाई के कारण नहीं, बल्कि तकनीकी त्रुटि के चलते हट गया था। इसके बावजूद यह घटना कई गंभीर सवाल छोड़ गई है। सवाल यह है कि यदि देश के प्रधानमंत्री के आधिकारिक अकाउंट से जुड़ी सामग्री भी तकनीकी गड़बड़ी की शिकार हो सकती है, तो आम उपयोगकताओं के अकाउंट और उनकी सामग्री कितनी सुरक्षित है?

आज सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है। करोड़ों लोग समाचार, सरकारी सूचनाओं, विचारों और घटनाओं की जानकारी के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर हैं। देश-दुनिया में कहीं भी कोई महत्वपूर्ण घटना होती है तो उसकी जानकारी कुछ ही मिनटों में सोशल मीडिया के माध्यम से लाखों लोगों तक पहुंच जाती है। इसका सकारात्मक प्रभाव भी है और नकारात्मक प्रभाव भी। ऐसे माहौल में किसी महत्वपूर्ण वीडियो या पोस्ट का अचानक हट जाना, गलत तरीके से सीमित होना या उसके प्रसार में असामान्य बदलाव आना लोगों के बीच भ्रम पैदा कर सकता है। खासतौर पर जब सामग्री किसी संवेदनशील सामाजिक या राजनीतिक विषय से जुड़ी हो, तब पारदर्शिता और जवाबदेही और भी जरूरी हो जाती है।

प्रधानमंत्री मोदी सोशल मीडिया पर दुनिया के सबसे सक्रिय नेताओं में शामिल हैं। उनके संदेश और वीडियो को देश-विदेश में करोड़ों लोग देखते हैं। जिस वीडियो के हटने को लेकर हाल में चर्चा हुई वह छात्रों और पेपर लीक जैसे संवेदनशील मुद्दे से संबंधित बताया गया। ऐसे में उसके अचानक गायब होने से सवाल उठना स्वाभाविक है। मेटा की तकनीकी त्रुटि की सफाई आने के बाद मामला स्पष्ट जरूर हुआ, लेकिन इसने डिजिटल प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता पर बहस को जरूर जन्म दे दिया। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती आज कंटेंट की बाढ़ है। हर दिन करोड़ों पोस्ट, वीडियो, तस्वीरें और संदेश अपलोड होते हैं।

इनमें तथ्यात्मक जानकारी के साथ-साथ फर्जी खबरें, भ्रामक वीडियो, आपत्तिजनक सामग्री और उकसाने वाले संदेश भी शामिल होते हैं। कई बार कोई वीडियो बिना पूरी जानकारी या सत्यापन के तेजी से वायरल हो जाता है। लोग उसे सच मानकर आगे साझा करते रहते हैं और देखते ही देखते वह संदेश बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच जाता है। ऐसे मामलों में सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। हाल के कुछ प्रदर्शनों और सार्वजनिक घटनाओं से जुड़े वायरल वीडियो को लेकर भी यही सवाल उठे हैं कि आपत्तिजनक या भड़काऊ सामग्री तेजी से कैसे फैल जाती है, जबकि तथ्यात्मक और संतुलित सामग्री उतनी तेजी से लोगों तक क्यों नहीं पहुंचती। यदि किसी सामग्री में किसी व्यक्ति, समुदाय या देश के खिलाफ आपत्तिजनक अथवा उकसाने वाली भाषा है तो उसके संबंध में प्लेटफॉर्म की मॉडरेशन नीति कितनी प्रभावी है इसकी समीक्षा आवश्यक है।

यहां यह भी समझना होगा कि किसी वीडियो का वायरल होना अपने आप में यह साबित नहीं करता कि प्लेटफॉर्म ने जानबूझकर उसे बढ़ावा दिया है। सोशल मीडिया की पहुंच पर एल्गोरिदम, यूजर इंटरैक्शन, शेयरिंग और ट्रेंडिंग जैसे कई कारक प्रभाव डालते हैं। इसलिए किसी भी प्लेटफॉर्म की भूमिका पर निष्कर्ष निकालने से पहले पारदर्शी जांच और ठोस आंकड़ों की जरूरत है। सोशल मीडिया से जुड़ी समस्या केवल कंटेंट तक सीमित नहीं है।

फर्जी प्रोफाइल, अकाउंट हैकिंग, ऑनलाइन ठगी, पहचान की चोरी और फर्जी तस्वीरों के इस्तेमाल जैसी घटनाएं भी चिंता का विषय हैं।

अपराधी कई बार किसी व्यक्ति के नाम और तस्वीर का इस्तेमाल कर फर्जी अकाउंट बनाते हैं और उसके परिचितों से पैसे मांगते हैं। कुछ मामलों में फोटो के साथ छेड़छाड़ कर किसी व्यक्ति को बदनाम करने का प्रयास किया जाता है। ऐसी घटनाएं पीड़ित की सामाजिक प्रतिष्ठा, मानसिक स्थिति और निजी जीवन पर गंभीर प्रभाव डाल सकती हैं। इसलिए सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी केवल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं हो सकती। उन्हें अकाउंट सुरक्षा, फर्जी प्रोफाइल की पहचान, रिपोर्टिंग सिस्टम और शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर भी लगातार काम करना होगा।

सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल के बीच बच्चों और किशोरों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण मुद्दा है। कम उम्र के उपयोगकताओं तक किस तरह की सामग्री पहुंच रही है, इसका उनके व्यवहार और मानसिक विकास पर क्या असर पड़ रहा है और प्लेटफॉर्म उन्हें किस तरह सुरक्षित रखते हैं।

इन सवालों पर दुनिया भर में बहस हो रही है। एल्गोरिदम की पारदर्शिता भी एक बड़ा विषय है। उपयोगकर्ता को यह स्पष्ट रूप से पता नहीं होता कि उसके सामने कोई सामग्री क्यों दिखाई जा रही है और दूसरी सामग्री क्यों नहीं। यदि किसी प्लेटफॉर्म का एल्गोरिदम लगातार विवादास्पद या सनसनीखेज सामग्री को अधिक लोगों तक पहुंचाता है, तो इससे समाज में ध्रुवीकरण और गलत सूचना का प्रसार बढ़ सकता है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की आजादी को अभूतपूर्व विस्तार दिया है।

आज आम व्यक्ति भी अपनी बात लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है। लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी है। देशहित, समाज, बच्चों के भविष्य और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर तथ्यात्मक जानकारी सामने आनी चाहिए। साथ ही हिंसा, नफरत, धमकी, फर्जी सूचना और किसी व्यक्ति या समुदाय को नुकसान पहुंचाने वाली सामग्री के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई भी जरूरी है। समस्या तब पैदा होती है जब उपयोगकर्ता को यह महसूस होने लगे कि कंटेंट मॉडरेशन के नियम समान रूप से लागू नहीं हो रहे हैं।

किसी भी प्लेटफॉर्म के लिए यह धारणा उसकी विश्वसनीयता के लिए नुकसानदायक हो सकती है। इसलिए मेटा सहित सभी सोशल मीडिया कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके नियम स्पष्ट हों और उनका पालन पारदर्शी तथा समान तरीके से हो। तकनीकी गड़बड़ी पूरी तरह समाप्त नहीं की जा सकती। बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कभी-कभी तकनीकी समस्याएं आ सकती हैं। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि ऐसी समस्या होने पर कंपनी कितनी जल्दी उसे पहचानती है, कितनी पारदर्शिता से इसकी जानकारी देती है और प्रभावित उपयोगकर्ता को कितनी जल्दी समाधान उपलब्ध कराती है।

मेटा को अपनी कंटेंट मॉडरेशन व्यवस्था, अकाउंट सुरक्षा, फर्जी प्रोफाइल की पहचान, बच्चों की सुरक्षा, एल्गोरिदम की पारदर्शिता और शिकायत निवारण व्यवस्था को लगातार मजबूत करना होगा। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो चुकी है। इसलिए उनकी जवाबदेही भी उसी अनुपात में बढ़नी चाहिए। सोशल मीडिया आज समाज की खुली किताब बन चुका है। इसमें समाज की सोच, राजनीति, संस्कृति, घटनाएं और लोगों की प्रतिक्रियाएं दिखाई देती हैं। इसलिए इस किताब में गलत सूचना, नफरत और फजीवाड़े को जगह मिलने से समाज पर सीधा असर पड़ सकता है।

मक्का की डील से बदलेगा पश्चिम एशिया या फिर यह सिर्फ कागजी गठबंधन साबित होगा?

अजय कुमार

मक्का में सऊदी अरब, तुर्किए और पाकिस्तान के बीच हुआ संयुक्त रक्षा समझौता सिर्फ तीन देशों की सैन्य साझेदारी नहीं है। यह उस पश्चिम एशिया की बदलती तस्वीर का संकेत है, जहां पुराने सुरक्षा समीकरण तेजी से टूट रहे हैं और नए शक्ति-केंद्र आकार ले रहे हैं। समझौते की सबसे महत्वपूर्ण शर्त यही है कि तीनों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला बाकी दोनों पर हमला माना जाएगा। कागज पर यह व्यवस्था बेहद मजबूत दिखती है, लेकिन असली सवाल यह है कि युद्ध की घड़ी आने पर क्या रियाद, अंकारा और इस्लामाबाद एक-दूसरे के लिए अपने सैनिक और अपनी अर्थव्यवस्था जोखिम में डालेंगे? इसी सवाल में इस समझौते की असली कहानी छिपी है। इसे तुरंत ह्यइस्लामिक नाटोह्न कहना जल्दबाजी होगी। नाटो की ताकत केवल इस बात में नहीं है कि एक सदस्य पर हमला सभी पर हमला माना जाता है, बल्कि उसके पीछे दशकों से विकसित संयुक्त कमान, सैन्य योजना, खुफिया ढांचा, अंतर-संचालन और साझा रक्षा प्रतिबद्धताएं हैं। मक्का समझौते में फिलहाल ऐसी संस्थागत गहराई दिखाई नहीं देती। इसलिए इसे नाटो की प्रतिकृति कहने के बजाय तीन देशों के बीच सामरिक प्रतिरोध बढ़ाने की कोशिश कहना ज्यादा सही होगा। फिर भी इसे हल्का समझना भी बड़ी भूल होगी। तीनों देशों की ताकतें अलग-अलग हैं और यही इस गठबंधन की सबसे बड़ी उपयोगिता है। तुर्किए के पास तेजी से विकसित होता रक्षा उद्योग, ड्रोन तकनीक और बड़ा सैन्य ढांचा है। सऊदी अरब के पास विशाल वित्तीय संसाधन और ऊर्जा संपदा है। पाकिस्तान के पास दशकों का सैन्य अनुभव, बड़ी स्थायी सेना और परमाणु क्षमता है। 2025 में तुर्किए का सैन्य खर्च करीब 30 अरब डॉलर, पाकिस्तान का 11.9 अरब डॉलर और सऊदी अरब का 83.2 अरब डॉलर रहा। उसी साल भारत का सैन्य खर्च 92.1 अरब डॉलर था। यानी तीनों देशों की सैन्य क्षमताएं जोड़ने पर तस्वीर गंभीर जरूर बनती है, लेकिन इसे एकीकृत सैन्य शक्ति समझ लेना अभी गलत होगा।

सबसे दिलचस्प पक्ष सऊदी अरब है। रियाद वर्षों तक अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर रहा है। लेकिन पश्चिम एशिया के लगातार बदलते समीकरणों ने सऊदी नेतृत्व को यह समझा दिया है कि केवल अमेरिकी सुरक्षा छतरी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। ईरान के साथ तनाव, यमन में हूती खतरा, लाल सागर की अस्थिरता और तेल प्रतिष्ठानों पर संभावित हमले ने सऊदी सुरक्षा सोच को बदल दिया है। इसलिए पाकिस्तान और तुर्किए के साथ सुरक्षा सहयोग रियाद के लिए वैकल्पिक सुरक्षा परत तैयार करने का प्रयास भी है। लेकिन यहीं पहला विरोधाभास सामने आता है। सऊदी अरब का सबसे बड़ा हित युद्ध जीतना नहीं, स्थिरता बनाए रखना है। उसका पूरा आर्थिक परिवर्तन कार्यक्रम तेल से आगे निकलकर पर्यटन, निवेश, उद्योग और बुनियादी ढांचे पर टिका है। लंबी क्षेत्रीय जंग उसके इस एजेंडे को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए अगर कभी पाकिस्तान या तुर्किए ऐसा संघर्ष शुरू करते हैं जिसमें सऊदी हित सीधे शामिल नहीं हैं, तो क्या रियाद वास्तव में सैन्य हस्तक्षेप करेगा? समझौते की सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी।

तुर्किए का मामला और जटिल है। अंकारा की विदेश नीति किसी एक खेमे में पूरी तरह बंधी हुई नहीं रही है। वह नाटो का सदस्य है, लेकिन रूस के साथ भी उसके रिश्ते हैं। सीरिया, लीबिया, कॉकस और पूर्वी भूमध्यसागर में उसके अपने रणनीतिक हित हैं। तुर्किए सऊदी अरब के साथ संबंध सुधार चुका है, लेकिन दोनों देशों की क्षेत्रीय प्राथमिकताएं हमेशा एक जैसी नहीं रहीं। इसलिए अंकारा किसी ऐसे युद्ध में अपने सैनिक झोंकने से पहले दस बार सोचेगा जिसमें उसके प्रत्यक्ष राष्ट्रीय हित दांव पर न हों।

पाकिस्तान के लिए यह समझौता शायद सबसे अधिक रणनीतिक महत्व रखता है। इस्लामाबाद लंबे समय से सऊदी अरब के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत करता रहा है और तुर्किए के साथ भी सैन्य सहयोग बढ़ा है। लेकिन पाकिस्तान की सुरक्षा प्राथमिकता पश्चिम एशिया नहीं, भारत और अफगानिस्तान से जुड़े खतरे हैं। उसकी अर्थव्यवस्था भी लंबे समय से दबाव में है। इसलिए पाकिस्तान को इस गठबंधन से राजनीतिक और सामरिक समर्थन मिल सकता है, लेकिन वह एक साथ कई मोर्चों पर बड़ी सैन्य प्रतिबद्धता निभा पाएगा या नहीं, यह बड़ा प्रश्न है।सबसे संवेदनशील मुद्दा पाकिस्तान की परमाणु क्षमता है। पाकिस्तान दुनिया का एकमात्र मुस्लिम-बहुल परमाणु हथियार संपन्न देश है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि उसकी परमाणु क्षमता किसी सहयोगी के लिए सुरक्षा छतरी बन जाएगी। परमाणु हथियार राष्ट्रीय अस्तित्व और प्रतिरोध की अंतिम क्षमता होते हैं। उन्हें किसी बहुपक्षीय सैन्य समझौते के तहत साझा करना बेहद अलग स्तर की प्रतिबद्धता होगी। इसलिए मक्का समझौते को परमाणु गठबंधन मानना अभी तथ्यों से आगे निकल जाना होगा।ईरान की प्रतिक्रिया इस समझौते का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति आयोग से जुड़े इब्राहिम रजाई ने इसे सऊदी सुरक्षा की गारंटी न देने वाला "कागजी समझौता" बताया है। यह बयान बताता है कि तेहरान इस समझौते को केवल कूटनीतिक समारोह नहीं मान रहा। ईरान के लिए चिंता यह है कि उसके सामने अब अलग-अलग देशों की बजाय संभावित रूप से समन्वित सुरक्षा व्यवस्था खड़ी हो रही है।

हालांकि सऊदी अरब और तुर्किए दोनों ने यह संकेत दिया है कि समझौता किसी देश या सांप्रदायिक सैन्य धुरी के खिलाफ नहीं है।

दैनिक पंचांग

11 अगस्त को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

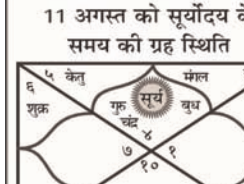

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.05 बजे से
चंद्र	कर्क में	कन्या	08.17 बजे से
मंगल	मिथुन में	तुला	10.27 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.42 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	14.58 बजे से
शुक्र	कन्या में	मकर	17.03 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.50 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.22 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.53 बजे से
राहुकाल		वृष	23.33 बजे से
3.00 से 4.30		मिथुन	01.31 बजे से
बजे तक		कर्क	03.45 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 223 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 01.54 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पुनर्वसु 10.10 बजे को समाप्त। **योग** सिद्धि (असृक) 18.52 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 15.23 बजे तदनन्तर शकुनि 01.54 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 15° 19' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872798 **जूलियन दिन** 2461263.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 27 **विशेष** मासिक शिवरात्रि, मंगला गौरी व्रत, खुदीराम बोस शहीद दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

केकेएम कॉलेज में सीट कटौती के विरोध में छात्र आंदोलन तेज, विश्वविद्यालय में धरना प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के केकेएम कॉलेज, पाकुड़ में स्नातक स्तर पर सीटों में की गई भारी कटौती के विरोध में छात्र आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। सोमवार को एनएसयू अध्यक्ष शाहजमल शेख के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका परिसर में धरना-प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय प्रशासन से सीटों की संख्या पूर्ववत करने की मांग की। छात्रों के अनुसार, केकेएम कॉलेज में पूर्व में करीब 4650 सीटें उपलब्ध थीं, जिन्हें घटाकर लगभग 1800 सीट कर दिया गया है। सीटों में करीब 60 प्रतिशत की इस कटौती से पाकुड़ सहित आसपास के क्षेत्रों के बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के अवसर प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। छात्रों का कहना है कि पाकुड़ जिले में उच्च शिक्षा के लिए केकेएम कॉलेज प्रमुख शिक्षण संस्थानों में शामिल है। ऐसे में सीटों में इतनी बड़ी कटौती से स्थानीय विद्यार्थियों के सामने दाखिले को लेकर गंभीर परेशानी उत्पन्न हो सकती है। छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय प्रशासन से इस निर्णय पर पुनर्विचार कर पर्याप्त संख्या में सीटें उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं। बताया गया कि मांगों को लेकर 5 अगस्त से शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से धरना-प्रदर्शन जारी है। सोमवार को छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष अपनी मांगों को मजबूती से रखा और सीट कटौती के फैसले को वापस लेने की मांग की।एनएसयू अध्यक्ष शाहजमल शेख ने कहा कि यह मामला हजारों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा हुआ है। संगठन छात्र-छात्राओं के हितों की अनदेखी नहीं होने देगा। उन्होंने कहा कि जब तक विद्यार्थियों की जायज मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं होती, तब तक लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन जारी रहेगा।

केकेएम कॉलेज में सीट कटौती के विरोध में विधायक ने मंत्री सुदिव्य कुमार को सौंपा मांग पत्र

पाकुड़ : केकेएम कॉलेज, पाकुड़ में स्नातक स्तर पर सीटों में की गई भारी कटौती को लेकर पाकुड़ विधायक निसात आलम ने झारखंड सरकार के नगर विकास एवं आवास, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा तथा पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार को मांग पत्र सौंपा। विधायक ने छात्रहित में कॉलेज की पूर्व निर्धारित सीटों को बहाल करने की मांग की है। मांग पत्र में विधायक निसात आलम ने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2026-30 के लिए केकेएम कॉलेज में स्नातक स्तर के विभिन्न विषयों में सीटों की संख्या में काफी कमी कर दी गई है। इससे बड़ी संख्या में स्थानीय छात्र-छात्राओं के नामांकन से वंचित होने की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने बताया कि पूर्व में कॉलेज में स्नातक स्तर पर करीब 4,650 सीटें उपलब्ध थीं, जिसे घटाकर लगभग 1,800 सीटें कर दी गई हैं। वहीं विभिन्न विषयों में नामांकन के लिए बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। सीटों में भारी कटौती के कारण क्षेत्र के विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा हासिल करने में परेशानी उत्पन्न हो सकती है। विधायक ने मंत्री सुदिव्य कुमार से आग्रह किया कि पाकुड़ जिले के छात्र-छात्राओं के हित को देखते हुए केकेएम कॉलेज में स्नातक स्तर की सीटों में वृद्धि की जाए और पूर्व की सीट क्षमता को बहाल किया जाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के गरीब एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षा का अवसर उपलब्ध रहना जरूरी है।

एक नजर

अज्ञात महिला का गंगा नदी से पुलिस ने शव किया बरामद

साहिबगंज : गंगा नदी थाना पुलिस ने सोमवार सुबह करीब आठ बजे बिजली घाट के समीप गंगा नदी से एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया। शव मिलने की सूचना से इलाके में कुछ देर के लिए लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। पुलिस के अनुसार ओझा टोली की ओर से गंगा नदी में एक महिला का शव बहता हुआ दिखाई दिया। स्थानीय लोगों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला गया। सूचना मिलने पर गंगा नदी पुलिस के एएसआई कार्तिक उरांव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम चिकित्सक डॉ फरोग हसन ने किया। पुलिस के अनुसार मृतका की उम्र करीब 40 वर्ष है। शव के पास से पहचान से संबंधित कोई दस्तावेज अथवा अन्य सामान बरामद नहीं हुआ जिससे उसकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव की पहचान के लिए 72 घंटे तक सदर अस्पताल की मर्चरी में सुरक्षित रखवाया है। साथ ही आसपास के थाना क्षेत्रों से संपर्क कर महिला की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस घटना के कारणों का पता लगाने में भी जुटी है।

विद्यालय से दो गैस सिलेंडर की हुई चोरी

साहिबगंज : जिले के राधानगर थाना क्षेत्र के उत्तरी बेगमगंज पंचायत अंतर्गत प्राथमिक उत्क्रमित विद्यालय गोबर गाड़ी पश्चिम में बीते रात्रि अज्ञात चोरों के द्वारा विद्यालय के रसोईघर का ताला तोड़कर दो गैस सिलेंडर की चोरी की घटना का अंजाम दे कर फरार हो गया है। विद्यालय के प्रभारी प्रनाध्यापक तपन कुमार मंडल ने बताया कि विद्यालय खोलने के लिए सुबह 9:00 बजे गया तो देखा कि विद्यालय के रसोई घर का ताला टूटा हुआ है। अंदर प्रवेश करने पर देखा कि दो गैस सिलेंडर नहीं है उन्होंने बताया कि एक सिलेंडर में गैस भरा हुआ था एवं दूसरा खाली था। साथ ही उन्होंने बताया कि किसी काम से बाहर जाने के लिए उन्होंने छुट्टी ली हुई थी जिसके कारण उन्होंने इसकी शिकायत थाने में नहीं कर पाया है। मंगलवार को विद्यालय पहुंचने पर राजनगर थाना में इसकी लिखित शिकायत किया जाएगा।

ट्रेलर के नीचे आने से बाइक सवार युवक की मौत

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम के सिदगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित एग्रिको ट्रांसपोर्ट मैदान के समीप सोमवार को हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के वक्त युवक आगे चल रहे ट्रेलर को ओवरटेक करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित हो गई और वह सड़क पर गिरकर ट्रेलर के नीचे आ गया। ट्रेलर का पिछला पहिया उसके ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात भी प्रभावित रहा। सूचना मिलते ही सिदगोड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल भेज दिया। शव को फिलहाल अस्पताल के शवगृह में रखा गया है। थाना प्रभारी फैज अहमद के अनुसार मृतक के पास से कोई ऐसी पहचान संबंधी सामग्री नहीं मिली है, जिससे उसकी तत्काल पहचान हो सके।

कोटालपोखर में खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण, करीब 20 दुकानों की हुई जांच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोमवार को कोटालपोखर क्षेत्र में सघन निरीक्षण अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई अभिहित अधिकारी-सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, साहिबगंज के निर्देशानुसार की गई। अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी नवरंग देव कुमार एवं खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी आशीष कुमार वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से लगभग 20 दुकानों एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, पैकेजिंग, लेबलिंग, निर्माण एवं उपयोग की अंतिम तिथि, भंडारण व्यवस्था तथा प्रतिष्ठानों में स्वच्छता की जांच की गई। दुकानदारों को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने तथा उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारियों ने दुकानदारों को एक्सपायर्ड, बिना उचित लेबल वाले अथवा मानकों के विपरीत खाद्य पदार्थों की बिक्री नहीं करने तथा प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जहां कोटालपोखर के विभिन्न दुकानों में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत कोटपा 2003 एक्ट के उल्लंघन करने वाले दुकानदारों पर छापेमारी की गई जिसमें कई दुकानदारों के द्वारा कोटपा 2003 एक्ट के उल्लंघन पाए जाने पर चलान की गई। जिसमें से 5 दुकानदार कोटपा एक्ट के उल्लंघन करते हुए पाए गए जिसको चालान किया गया एवं कुल 1600 की राशि अर्थ दंड के रूप में वसूल की गई। मौके पर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी नवरंग देव कुमार, आशीष कुमार वर्मा, एनटीसीपी, सोशल वर्कर एवं डीपीए, एनसीडी उपस्थित रहे।

उत्तरवाहिनी गंगा में हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उत्तरवाहिनी गंगा राजमहल में हजारों की संख्या में कांबारियों ने मां गंगा में डुबकी लगाकर बाबा गाजेश्वर नाथ बरहेट स्थित शिवगादी धाम में के लिए जल लेकर हुए रवाना। मिली जानकारी के अनुसार श्रद्धालु साहिबगंज जिला के अन्य जगहों के साथ साथ दूसरे राज्यों से भी बाबा गाजेश्वरनाथ को जल अर्पित करने के लिए आये हुए है। श्रावण माह के पवित्र सोमबार के दिन हजारों की संख्या मे महिला, पुरुष, बच्चे एवं बुजुर्गो को बोल बम का नारा लगाते हुए गंगा मे डुबकी लगाकर करीब 9 घंटा चलकर बाबा गाजेश्वर नाथ के मंदिर बरहेट जाकर जल अर्पण किये। श्रद्धालुओं मे खाशा उत्साह देखा गया।

पांच लाख रुपये वापस मांगने पर मारपीट और धमकी, तीन भाइयों पर केस दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के कोटालपोखर थाना क्षेत्र के जीवनपुर निवासी नवजीत साहा उर्फ माना, उसके भाई नीताई साहा और सत्यजीत साहा के खिलाफ 5 लाख रुपये लेने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले में कोटालपोखर थाना कांड संख्या 60/26 दर्ज हुआ है।

राजमहल थाना क्षेत्र के लखन राजवंशी ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि नवजीत साहा ने व्यापार शुरू करने के नाम पर उनसे 5 लाख रुपये उधार लिए थे।

व्यापार शुरू नहीं होने पर जब उन्होंने रुपये वापस मांगे तो नवजीत लगातार टालमटोल करता रहा। रविवार को लखन रुपये मांगने जीवनपुर स्थित नवजीत के घर पहुंचे, जहां उसके भाई नीताई और सत्यजीत मौजूद थे। आरोप है कि दोनों ने गाली-गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट की। वहीं, नवजीत ने फोन पर जान से मारने की धमकी देने के साथ पूर्व में दर्ज प्राथमिकी वापस लेने का दबाव बनाया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तीनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बताया जाता है कि जनवरी 2025 में नवजीत साहा उर्फ माना पर फर्जी एसीबी अधिकारी बनकर धमकी देने का आरोप लगा था। सोनाकड़ पंचायत समिति सदस्य के पति शकील जमाल अंसारी को आवास योजना में गड़बड़ी का मामला बताकर धमकाने का ऑडियो वायरल हुआ था। शिकायत के बाद कोटालपोखर थाना में प्राथमिकी दर्ज हुई थी और नवजीत को जेल भी जाना पड़ा था।

देशभक्ति गीतों से गूंजा पूर्व रेलवे उच्च विद्यालय, नशामुक्ति का लिया संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : स्वतंत्रता दिवस समारोह के तहत पूर्व रेलवे उच्च विद्यालय, साहिबगंज में देशभक्ति गीत-पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को गीत-पाठ के जरिए अपनी देशभक्ति की भावना, राष्ट्रप्रेम एवं रचनात्मक प्रतिभा व्यक्त करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा एवं देशभक्ति की भावना का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही, 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान 2026 के तहत पूर्व रेलवे उच्च विद्यालय, साहिबगंज द्वारा ब्रह्माकुमारीज के मेडिकल विंग के सहयोग से नशा मुक्ति जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मादक पदार्थों एवं नशीले पदार्थों के सेवन के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वस्थ, जिम्मेदार एवं नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। जागरूकता सत्र के दौरान ब्रह्माकुमारीज के सदस्यों ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए नशे के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा अपने जीवन में सकारात्मक एवं जिम्मेदार विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर आत्म-अनुशासन, सकारात्मक सोच एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर भी जोर दिया गया। अभियान के तहत 410 प्रतिभागियों ने नशामुक्त, स्वस्थ एवं सशक्त राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने की शपथ ली। विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने जागरूक, जिम्मेदार एवं सामाजिक रूप से संवेदनशील नागरिकों के निर्माण के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

एआईएमआईएम पाकुड़ जिला कार्यकारिणी का विस्तार सदस्यता व जनसंपर्क अभियान को मिलेगी गति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन की पाकुड़ जिला कमेटी के संगठनात्मक विस्तार की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला अध्यक्ष शमसाद आलम ने 9 अगस्त 2026 को जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए कई नए पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से मनोनीत किया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व, झारखंड प्रभारी एमएलसी मिर्जा रियाजुल हसन अफांदी के मार्गदर्शन, प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद शाकिर के निर्देश तथा संथाल परगना प्रभारी अकिल अख्तर के सहयोग एवं संगठनात्मक परामर्श से यह विस्तार किया गया है। जिला अध्यक्ष शमसाद आलम ने बताया कि जिला संगठन को अधिक मजबूत और सक्रिय बनाने के साथ सदस्यता अभियान एवं कार्यकर्ता जनसंपर्क अभियान को गति देना विस्तार का मुख्य उद्देश्य है। पंचायत, प्रखंड और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी मिलने से कार्यकताओं में उत्साह बढ़ेगा और पार्टी की गतिविधियों को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी। आने वाले कुछ दिनों में पूरी पाकुड़ जिला कमेटी का भी विस्तार किया जाएगा। इसमें संगठन के प्रति सक्रियता, निष्ठा, कार्यकुशलता और जनसंपर्क को ध्यान में रखते हुए योग्य एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी। जिला अध्यक्ष ने नवनियुक्त पदाधिकारियों से पार्टी के कार्यक्रमों को सफल बनाने, अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने तथा गांव-गांव जाकर जनसंपर्क अभियान को मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम का लक्ष्य जिले की प्रत्येक पंचायत और बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करना तथा आम जनता की समस्याओं एवं अधिकारों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाना है।

बालियाडांगा में एआईएमआईएम का जनसंपर्क अभियान, संगठन मजबूती पर जोर

पाकुड़ : जिले के शहरकोल पंचायत के बालियाडांगा गांव में सोमवार को एआईएमआईएम की ओर से कार्यकर्ता जनसंपर्क अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व एआईएमआईएम पाकुड़ जिला अध्यक्ष मो. शमशाद आलम ने किया। यह कार्यक्रम पूर्व विधायक सह संथाल परगना प्रभारी अकिल अख्तर के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। जनसंपर्क अभियान के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और स्थानीय मुद्दों की जानकारी ली। साथ ही ग्रामीणों को पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा से अवगत कराया गया। जिला अध्यक्ष मो. आलम ने कहा कि एआईएमआईएम का उद्देश्य केवल चुनाव के समय जनता के बीच जाना नहीं, बल्कि हर परिस्थिति में आम लोगों के साथ खड़ा रहना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर लोगों से संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाने का आह्वान किया।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर बैठक का हुआ आयोजन

साहिबगंज : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आगामी 12 सितम्बर, 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत ने जिले के विभिन्न बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक बैंकिंग एवं वित्तीय मामलों का आपसी समझौते के आधार पर त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान सुनिश्चित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। सचिव ने बैंक अधिकारियों से लंबित मामलों की पहचान कर संबंधित पक्षकारों को लोक अदालत के माध्यम से मामलों के निष्पादन के लिए प्रेरित करने तथा आवश्यक सहयोग प्रदान करने का निर्देश दिया। राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक ऋण, एनआई एक्ट (चेक अनादरण), धन वसूली, बिजली एवं पानी बिल, भरण-पोषण, श्रम विवाद, आपराधिक शमनीय अपराध, मोटर दुर्घटना, वैवाहिक विवाद, भूमि अधिग्रहण, उपभोक्ता एवं बीमा विवाद सहित अन्य समझौता योग्य मामलों का निपटारा आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्री-लिटिगेशन मामलों का भी समाधान किया जा सकेगा। लोक अदालत के माध्यम से मामलों के निष्पादन से पक्षकारों को समय एवं खर्च की बचत के साथ त्वरित न्याय प्राप्त होगा। प्राधिकार द्वारा विभिन्न न्यायालयों में लंबित समझौता योग्य मामलों की पहचान कर संबंधित पक्षकारों को नोटिस भेजे जा रहे हैं। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाकर आम लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के लाभों की जानकारी दी जा रही है। मामलों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए मध्यस्थों एवं पैरा लीगल वॉलंटियर्स (न्याय मित्रों) का भी सहयोग लिया जा रहा है। संबंधित विभागों सेअपील की वे राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए अधिकाधिक लंबित एवं प्री-लिटिगेशन मामलों को चिह्नित कर उनके शीघ्र निष्पादन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करें। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि वे 12 सितम्बर, 2026 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में भाग लेकर अपने समझौता योग्य मामलों का सरल, सुलभ एवं त्वरित समाधान प्राप्त करें। प्री-लिटिगेशन एवं न्यायालय में लंबित मामलों के निष्पादन हेतु इच्छुक पक्षकार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अथवा अनुमंडल विधिक सेवा समिति, राजमहल में आवेदन कर सकते हैं।

गंगा भवन को हेरिटेज स्थल घोषित कर राजमहल म्यूजियम की हो स्थापना : एमटी राजा

साहिबगंज : राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने विधानसभा सत्र के दौरान शुन्यकाल में राजमहल के गंगा भवन के मुद्दा को उठाते हुए उन्होंने कहा कि गंगा भवन जो पूरी तरह जर्जर है और वहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा होता है। उसे गंगा हेरीटेज स्थल के रूप में विकसित करते हुए सौंदर्यीकरण कार्य कर राजमहल म्यूजियम की स्थापना हो ताकि पर्यटन के क्षेत्र में राजमहल विकसित हो सके। उन्होंने कहा कि राजमहल में पर्यटन के काफी आसार हैं और गंगा नदी के माध्यम से भी पर्यटकों का आवागमन होते रहता है। ऐतिहासिक धरती राजमहल को पर्यटन के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है। इधर सरकार की ओर से मामले में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त हुआ है। राजमहल शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के आम जनता ने विधायक के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विधायक का यह पहल क्षेत्र हित में सकारात्मक है। पर्यटकों के आगमन और ठहरने की व्यवस्था सहित म्यूजियम बनने से स्थानीय लोगों को रोजगार के भी अवसर प्राप्त होंगे।

जल जीवन मिशन के तहत बासकेंद्री पंचायत में आयोजित हुआ 'जल अर्पण' गतिविधि कार्यक्रम

पाकुड़ : ज़िले में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, पाकुड़ द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत सोमवार, 10 अगस्त 2026 को प्रखंड महेशपुर की बासकेंद्री पंचायत अंतर्गत ग्राम बासकेंद्री में संचालित कुल 10 पेयजल योजनाओं को लेकर जल अर्पण गतिविधि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड प्रमुख शुभ लक्ष्मी मुर्मू, पंचायत के मुखिया निर्मल हेंब्रम एवं पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, पाकुड़ के कार्यपालक अभियंता अनंत प्रसाद सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड प्रमुख शुभ लक्ष्मी मुर्मू ने कहा कि जल जीवन की मूलभूत आवश्यकता है और जल नहीं तो जीवन नहीं। मानव विकास के लिए सभी लोगों को सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल योजना के माध्यम से ग्रामीण परिवारों के घर-आंगन तक शुद्ध पेयजल पहुंचाया जा रहा है। इस व्यवस्था को स्थायी एवं प्रभावी बनाए रखने में सामुदायिक सहभागिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने जल संरक्षण एवं जल के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करते हुए योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। कार्यपालक अभियंता अनंत प्रसाद सिंह ने जल अर्पण गतिविधि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों को भूजल रिचार्ज, जल संरक्षण, जल प्रबंधन, जल के अनावश्यक दोहन पर रोक तथा पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की स्थायी व्यवस्था के लिए समुदाय की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने गृह संयोजक शुल्क 310 एक बार तथा जलकर 62 प्रतिमाह नियमित रूप से जमा करने की अपील की, ताकि पेयजल योजनाओं का संचालन एवं रखरखाव सुचारू रूप से किया जा सके। बासकेंद्री पंचायत के मुखिया निर्मल हेंब्रम ने पेयजल आपूर्ति के संचालन एवं रखरखाव, वर्षा जल संचयन तथा जलकर शुल्क के संबंध में ग्रामीणों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा ग्रामीणों के बीच बेहतर आपसी समन्वय से ही पेयजल योजनाओं को दीर्घकाल तक सुचारू एवं प्रभावी रूप से संचालित किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान जिला समन्वयक इमरान आलम के नेतृत्व में विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। इसमें प्रभात फेरी, जल यात्रा, जल शपथ, जल श्रृंगार एवं जल बंधन जैसी गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण एवं स्वच्छ पेयजल के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

एक नजर

बीएसएल में ऑनलाइन वेंडर रजिस्ट्रेशन पोर्टल की शुरूआत

बोकारो : स्टील प्लांट में डिजिटलाइजेशन एवं प्रक्रिया सरलीकरण की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों के तहत एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए मटेरियल मैनेजमेंटझ्ररजिस्ट्रेशन एंड वेंडर रेटिंग विभाग द्वारा सीएंडआईटी विभाग के सहयोग से ऑनलाइन वेंडर रजिस्ट्रेशन पोर्टल की शुरूआत की गई है। इस पोर्टल का उद्देश्य वेंडर पंजीकरण प्रक्रिया को अधिक सरल, त्वरित, पारदर्शी एवं पेपरलेस बनाना तथा प्रक्रिया में दक्षता बढ़ाना एवं हितधारकों को बेहतर सुविधा प्रदान करना है। डिजिटलाइजेशन की पहल के अंतर्गत विकसित यह पोर्टल वेंडर पंजीकरण प्रक्रिया में लगने वाले समय को उल्लेखनीय रूप से कम करने में सहायक होगा। गौरतलब है कि पूर्व में वेंडर पंजीकरण की प्रक्रिया में भौतिक फाइलों के माध्यम से कार्यवाही किए जाने के कारण पंजीकरण में समय लगता था। परंतु अब ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से इस प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करते हुए पंजीकरण की अवधि को न्यूनतम करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे पात्र वेंडरों के पंजीकरण की प्रक्रिया में तेजी आएगी और बीएसएल के साथ व्यावसायिक सहभागिता की प्रक्रिया अधिक सुगम होगी। पोर्टल के माध्यम से वेंडर पंजीकरण की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन एवं पेपरलेस होगी, जिससे वेंडर अपने आवेदन तथा आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। इससे दस्तावेजों के प्रबंधन में भी दक्षता बढ़ेगी तथा मैनुअल कार्यवाही में कमी आएगी। साथ ही, प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की बेहतर निगरानी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने में भी सुविधा होगी। उल्लेखनीय है कि इस पोर्टल को बीएसएल के एसएपी सिस्टम के साथ एकीकृत किया गया है। इस एकीकरण से पंजीकरण से संबंधित डेटा का रियल-टाइम फ्लो सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

बीएसएल एसएमएस-2 और सीसीएस विभाग की समस्याओं पर कर्मचारियों का प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ की विभागीय बैठक सोमवार को एसएमएस-2 और सीसीएस विभाग में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विभागीय प्रतिनिधि अनिरुद्ध शर्मा ने की। इसमें सेल और बोकारो इस्पात संयंत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों के साथ विभाग की स्थानीय समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में कर्मचारियों ने यूनियन की कार्यप्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने के लिए कई सुझाव दिए, जिन्हें यूनियन पदाधिकारियों ने दर्ज किया। साथ ही अब तक किए गए प्रयासों और विभिन्न मामलों में उठाए गए कदमों की जानकारी भी सदस्यों को दी गई।

बैठक के दौरान कर्मचारियों ने विभाग में व्याप्त कई समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इनमें इनसेंटिव फॉमूर्ला और एक्टिंग अलाउंस में संशोधन, नॉन फाइनेंशियल मोटिवेशनल स्कीम को आकर्षक बनाने, उच्च पेंशन के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारियों के सेकंड डिमांड अप्रूवल में देरी, गुणवत्तापूर्ण कैंटीन सुविधा, अटेंडेंस करेक्शन में कथित भेदभाव, रेस्ट रूम की स्थिति, जाम ड्रेनेज सिस्टम, पुराने हैंगिंग जीसी सीटों से दुर्घटना की आशंका, जाम शौचालय, खराब वाटर प्यूरीफायर, टूटी सड़कों से जलजमाव, शेड से बरसात का पानी टपकना, 36 मीटर क्षेत्र में पेयजल की कमी और मिक्सर मार्ग की जर्जर स्थिति जैसे मुद्दे शामिल रहे।

यूनियन प्रतिनिधियों ने कहा कि सभी समस्याओं को नोट कर लिया गया है और शीघ्र ही सीजीएम एसएमएस-2 एवं सीसीएस से वार्ता कर इनके समाधान की दिशा में कार्रवाई की जाएगी। बैठक में यूनियन के महासचिव हरिओम, अध्यक्ष दिलीप कुमार, कोषाध्यक्ष राहुल और विभाग के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

यूनियन नेताओं ने कहा कि एसएमएस-2 और सीसीएस विभाग बीएसएल का प्रमुख उत्पादन केंद्र है, जहां तप्त धातु को क्रूड स्टील में परिवर्तित किया जाता है। इसके बावजूद कर्मचारी अनेक समस्याओं के बीच दिन-रात उत्पादन बढ़ाने में लगे हुए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कर्मचारियों की मांगों और विभागीय समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो यूनियन को कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

चास नगर निगम की तीसरी बोर्ड बैठक में हंगामा, जनप्रतिनिधि पहुंचे डीसी कार्यालय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चास : चास नगर निगम की तीसरी बोर्ड बैठक सोमवार को हंगामेदार रही। पिछली दो बोर्ड बैठकों में लिए गए निर्णयों का अनुपालन नहीं होने का आरोप लगाते हुए मेयर, डिप्टी मेयर और पार्षदों ने नाराजगी जताई। विवाद बढ़ने के बाद बोर्ड की बैठक को स्थगित करना पड़ा। इसके बाद सभी जनप्रतिनिधि अपर नगर आयुक्त की कार्यशैली की शिकायत लेकर उपायुक्त कार्यालय पहुंचे और अपनी समस्याएं रखीं।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए चास नगर निगम के मेयर भोलू पासवान ने अपर नगर आयुक्त पर विकास कार्यों में रुचि नहीं लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी अपने-अपने चेंबर में बैठे रहते हैं और क्षेत्र में जाकर जनता की समस्याओं को देखने में कोई रुचि नहीं दिखाते। मेयर ने आरोप लगाया कि अपर नगर आयुक्त अपने स्तर से विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के बजाय लगातार मामलों को टालने की कोशिश करते हैं।

मेयर ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य लंबित हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों के रवैये के कारण जनता को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि उपायुक्त अजय नाथ झा ने आश्वासन दिया है कि वह स्वयं नगर निगम के कार्यों की मॉनिटरिंग करेंगे।

वहीं, पार्षदों ने भी अधिकारियों की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि पिछली बैठकों में लिए गए निर्णयों को धरातल पर लागू नहीं किया गया। पार्षदों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं और मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।

डीसी ने क्या कहा जनप्रतिनिधियों से मुलाकात के बाद उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि चास के लिए *पेयजल और सफाई सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में शामिल हैं।* मेयर, डिप्टी मेयर और पार्षद इन्हीं प्रमुख समस्याओं को लेकर उनके पास आए थे।

डीसी ने कहा कि वह स्वयं दोनों मुद्दों की समीक्षा करेंगे और जनसमस्याओं के समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि आम जनता का नगर निगम के प्रति विश्वास बना रहे।

बोर्ड बैठक स्थगित होने के सवाल पर उपायुक्त ने कहा कि यदि बैठक स्थगित हुई है तो उसे दोबारा आयोजित किया जाएगा।

रोटरी क्लब चास ने रोटरैक्ट क्लब को प्रदान किया चार्टर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : गुरु गोविंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटी टेक्निकल कैंपस (जीजीएसइएसटीसी) में रोटरी क्लब चास द्वारा नवगठित रोटरैक्ट क्लब को चार्टर प्रदान किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पीडीजी रो. महेश केजरीवाल ने कहा कि युवा शक्ति समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की सबसे बड़ी क्षमता रखती है और रोटरैक्ट जैसे मंच युवाओं को सेवा, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ते हैं।

रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने कहा कि रोटरैक्ट क्लब युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने और उन्हें विभिन्न सेवा कार्यों से जोड़ने का प्रभावी मंच है। कार्यक्रम की शुरूआत प्रोफेसर अरुण प्रसाद बर्णवाल के स्वागत भाषण से हुई।

संस्थान के निदेशक प्रियदर्शी जरूहार ने रोटरी और रोटरैक्ट की समाजसेवा संबंधी पहल की सराहना करते हुए विद्यार्थियों से सामाजिक कार्यों और नेतृत्व के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

रोटरी क्लब चास के सचिव विनोद चोपड़ा ने बताया कि नवगठित रोटरैक्ट क्लब में संस्थान के 60 विद्यार्थियों ने सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम के दौरान सभी पदाधिकारियों को लैपल पिन प्रदान किए गए। रोटरैक्ट क्लब की सहायक पल्लवी प्रसाद ने नवसदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि क्लब के माध्यम से युवा शिक्षा, स्वास्थ्य, समाजसेवा और अन्य सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय योगदान देंगे।

देशव्यापी जेल भरो आंदोलन में नेताओं ने दी गिरफ्तारी: संयुक्त किसान मोर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : संयुक्त किसान मोर्चा की देशव्यापी जेल भरो आंदोलन के समर्थन में मोर्चा की घटक दल के ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन? के राज्य सचिव कुमुद महतो, झारखण्ड क्रांतिकारी मजदुर युनियन के डीसी गोहाई, ऐक्टू के देवदीप सिंह दिवाकर, दिलीप ओझा, एआईटीसीयू के बीडी प्रसाद,एटक के रामाश्रेय प्रसाद सिंह, एआईयूटीसी के मोहन चौधरी, आर एस शर्मा, किसान सभा के विश्वनाथ बनर्जी,सकुर अंसारी झारखण्ड ग्रामीण किसान मजदूर सभा के राजु महतो, किसान संग्राम समिति के गयाराम शर्मा, संयुक्त किसान मोर्चा के जगन्नाथ रजवार समेत सैंकड़ों किसान व मजदूर नेता व मजदूर नेताओं ने केंद्र की हठधर्मिता की सरकार ने भारत-अमेरिका के बीच मुफ्त व्यापार समझौता के खिलाफ, सभी फसलों की 32+ 50 फिसदी के साथ एम एस पी गारंटी, किसानों की सभी कर्ज माफी, बीज विधेयक 2025 वापस, चार श्रम कोड वापस लेने, प्रीपेड स्मार्ट मीटर एवं बिजली की निजिकरण पुर्णतः रोक, विकसित भारत शिक्षा अभियान विधेयक 2025 वापस लेने जैसे कई ज्वलंत सवालों को लेकर सोमवार को चास-बोकारो मुख्य पथ की गरगा पुल को अवरुद्ध कर गिरफ्तारी दी। जिला प्रशासन गरगा पुल स्थित अमृत पार्क को केम्प जेल बनाकर गिरफ्तार आन्दोलनकारीयों को जिला प्रशासन की निगरानी में रखा तथा दिन के एक बजे आन्दोलन कारियों को रिहा किया गया।

कांवड़ यात्रा के दौरान विवाद, हाथापाई में चास मुफस्सिल थाना प्रभारी घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चास : मुफस्सिल थाना क्षेत्र में कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे और भीड़ के कारण जाम लगने पर पुलिस और श्रद्धालुओं में विवाद हो गया। कहासुनी हाथापाई में बदल गई, जिसमें थाना प्रभारी प्रकाश मंडल घायल हो गए।

सावन की दूसरी सोमवारी को लेकर चल रही कांवड़ यात्रा के दौरान रविवार देर रात चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र में कांवड़ियों और पुलिस के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी बढ़कर हाथापाई में बदल गयी, जिसमें चास मुफस्सिल थाना प्रभारी प्रकाश मंडल घायल हो गये। उन्हें इलाज के लिए चास स्थित केएम मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, कांवड़िये दामोदर नदी से जल भरकर चीड़का धाम में जलाभिषेक करने जा रहे थे। इस दौरान डीजे वाहन और श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण सड़क पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गयी थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था बहाल कराने का प्रयास शुरू किया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जाम हटाने को लेकर पुलिस और कांवड़ियों के बीच कहासुनी हो गयी। कुछ ही देर में विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की एवं हाथापाई की स्थिति बन गयी। इसी दौरान थाना प्रभारी प्रकाश मंडल घायल हो गये। उनके सिर में चोट लगने के बाद उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

घटना के बाद कुछ समय के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि बाद में स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और विवाद के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना से जुड़े सभी तथ्यों की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, सावन माह में बड़ी संख्या में निकल रही कांवड़ यात्रा को देखते हुए प्रशासन ने श्रद्धालुओं से शांति और अनुशासन बनाए रखने की अपील की है।

हेमंत सोरेन का 51वां जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बांसगोड़ा स्थित जिला कार्यालय में बोकारो जिला समिति की ओर से झारखंड के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय हेमंत सोरेन का 51वां जन्मदिवस हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन बोकारो जिला समिति के नेतृत्व में किया गया, जिसमें पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान केक काटकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई। उपस्थित कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया तथा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में झारखंड के विकास और जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर रतन लाल मांझी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार आम जनता के हित में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए कार्यकताओं को भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री के जन्मदिवस पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का समापन आपसी भाईचारे एवं उत्साह के साथ हुआ।

हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड का चहुंमुखी विकास हो रहा है : बी. के. चौधरी

बोकारो : जय झारखंड मजदूर समाज कार्यालय, सेक्टर-9 में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का 51वां जन्मदिन सोमवार को केक काटकर और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मौजूद नेताओं और कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री के स्वस्थ और दीघार्यु जीवन की कामना की।

इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य एवं जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बी. के. चौधरी ने कहा कि हेमंत सोरेन झारखंड के निमार्ता स्वर्गीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अधूरे सपनों को पूरा करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में चहुंमुखी विकास दिखाई दे रहा है और जल, जंगल व जमीन की रक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व बोकारो जिलाध्यक्ष हरिलाल मांझी ने कहा कि राज्य गठन के समय झारखंडवासियों की जो उम्मीदें और आकांक्षाएं थीं, उन्हें पूरा करने की दिशा में हेमंत सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

झामुमो बोकारो जिलाध्यक्ष डॉ. रतन लाल मांझी ने कहा कि स्वर्गीय गुरुजी के मूलमंत्र को आत्मसात करते हुए हेमंत सोरेन अपने कर्तव्यनिष्ठ और व्यवहारिक नेतृत्व के कारण प्रदेश के आम लोगों के बीच लोकप्रिय बने हुए हैं।

कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय समिति सदस्य हसन इमाम अंसारी, संगठन सचिव फैयाज आलम, शंकर कुमार, एन. के. सिंह, अनिल पासवान, आर. बी. चौधरी, यू. सी. कुंभकार, जितेंद्र सिंह, बी. एन. तिवारी, बरिया तेली, सुभाष चंद्र महतो, अभिमन्यु मांझी, आमोद कुमार सहित कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सेक्टर-12 मोड़ के यात्री शेड में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, इलाके में सनसनी

बोकारो : सिटी थाना क्षेत्र के सेक्टर-12 मोड़ स्थित यात्री शेड में सोमवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर सिटी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र और पहचान के संबंध में फिलहाल स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। शव की पहचान नहीं होने के कारण पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। साथ ही मृतक की पहचान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मृतक यहां कब और किन परिस्थितियों में पहुंचा था। सिटी थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर सुदामा कुमार दास ने बताया कि सेक्टर-12 मोड़ स्थित यात्री शेड से एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा। पुलिस ने शव को सुरक्षित रखवाते हुए उसकी पहचान कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आसपास के थाना क्षेत्रों को भी इसकी सूचना दी जा रही है, ताकि यदि किसी व्यक्ति के लापता होने की सूचना दर्ज हो तो उससे शव की पहचान कराई जा सके। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

डीजे कांड में एक गिरफ्तार, गया जेल

बोकारो : चास मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 90/2026 के प्राथमिकी अभियुक्त साधन कुमार महतो, पिता बुचन महतो, ग्राम अंधरतेलिया थाना चास मुफ्फसिल को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया साथ ही डीजे को गाड़ी भी जप्त किया गया है। ज्ञात हो इस कांड में कांवड़ियों और डीजे बजाने को लेकर झड़प हुई थी जिसमें मुफ्फसिल थाना प्रभारी प्रकाश मंडल के सर में चोट लगी थी।

सावन की दूसरी सोमवारी पर भद्रकाली मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

इटखोरी (चतरा) : सावन मास की दूसरी सोमवारी पर चतरा जिले की प्रसिद्ध धार्मिक तीर्थस्थली माता भद्रकाली मंदिर परिसर स्थित सहस्त्र शिवलिंगम मंदिर में जलाभिषेक के लिए अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला देर शाम तक जारी रहा। पूरे दिन माता भद्रकाली के दरबार में भक्तिमय माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने समीप स्थित मुहाने नदी में स्नान कर सहस्त्र शिवलिंगम में जलाभिषेक किया। इसके बाद माता भद्रकाली का दर्शन-पूजन किया। कई गांवों से श्रद्धालु कांवड़ लेकर जत्थे में मंदिर पहुंचे और बोल बम के जयकारों के बीच सहस्त्र शिवलिंगम में जल अर्पित किया। मान्यता है कि मंदिर परिसर स्थित सहस्त्र शिवलिंगम में 1008 शिवलिंग अंकुरित हैं। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यहां एक साथ जल अर्पित करने से एक ही बार में 1008 शिवलिंगों पर जलाभिषेक का फल प्राप्त होता है। यही कारण है कि सावन के महीने में बड़ी संख्या में श्रद्धालु विशेष रूप से यहां पहुंचकर जलाभिषेक करते हैं। माता भद्रकाली के दरबार में सालभर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है, लेकिन सावन में माता के दर्शन-पूजन के साथ सहस्त्र शिवलिंगम में जलाभिषेक का विशेष महत्व माना जाता है। चतरा जिले के विभिन्न प्रखंडों के अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और ओडिशा समेत पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।

सिमरिया आईटीआई में अप्रेंटिसशिप मेला, युवाओं को रोजगार और प्रशिक्षण के अवसरों की जानकारी

सिमरिया (चतरा) : औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) सिमरिया में युवाओं को रोजगार एवं प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया। मेले में विभिन्न प्रतिष्ठानों एवं संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और आईटीआई के प्रशिक्षित एवं प्रशिक्षणरत युवाओं से संवाद किया। मेले के दौरान अभ्यर्थियों को अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण, रोजगार के संभावित अवसर, चयन प्रक्रिया एवं आवश्यक योग्यता से संबंधित जानकारी दी गई। बड़ी संख्या में युवाओं ने मेले में पहुंचकर उपलब्ध अवसरों की जानकारी ली। आयोजकों ने बताया कि अप्रेंटिसशिप के माध्यम से युवाओं को उद्योगों में व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ कार्य अनुभव हासिल करने का अवसर मिलता है। इससे युवाओं को अपने तकनीकी कौशल को बेहतर बनाने और रोजगार के लिए स्वयं को तैयार करने में मदद मिलती है।

मॉडल कॉलेज चतरा में इंडक्शन मीट सह वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

चतरा : मॉडल कॉलेज, चतरा में नवनामांकित स्नातक प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2026-30 के छात्र-छात्राओं के लिए सोमवार को इंडक्शन मीट सह वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य डॉ. मनीष दयाल, अतिथि शिक्षक डॉ. शशि राम, डॉ. रिचा गोयल, प्रो. मनोज कुमार सिंह एवं प्रो. विकास कुमार चतुवेर्दी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत प्रभारी प्राचार्य द्वारा अतिथि शिक्षकों के परिचय एवं स्वागत के साथ हुई। इसके बाद शिक्षकों ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत लागू नए पाठ्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। विद्यार्थियों को महाविद्यालय में उपलब्ध वैकल्पिक विषयों का चयन सावधानीपूर्वक करने की सलाह दी गई। प्रभारी प्राचार्य डॉ. मनीष दयाल ने बताया कि विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के विद्वत पर्षद द्वारा एनईपी-2020 के तहत पूर्व निर्धारित पाठ्यक्रम में कई संशोधन किए गए हैं, जिन्हें शैक्षणिक वर्ष 2025 से विश्वविद्यालय के अधीन सभी महाविद्यालयों में लागू किया गया है। विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम एवं विषय चयन को लेकर किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसी उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र से मॉडल कॉलेज, चतरा में केवल विज्ञान संकाय में नामांकन एवं पठन-पाठन शुरू किया गया है। सीमित संसाधनों के बावजूद विद्यार्थियों के समुचित विकास के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। पाठ्यक्रम एवं विषय चयन की जानकारी विद्यार्थियों को पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दी गई। साथ ही सुविधा के लिए विषय से संबंधित सॉफ्ट कॉपी व्हाट्सऐप ग्रुप में भी उपलब्ध कराई गई। प्राचार्य एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों की पाठ्यक्रम से संबंधित समस्याओं का समाधान किया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में अतिथियों, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने परिसर में वृक्षारोपण किया। इस दौरान काजू, आम, सेब, अमरूद, बेल एवं बेर सहित विभिन्न फलदार पौधे लगाए गए। विद्यार्थियों ने ।आओ मिलकर कदम बढ़ाएं, सब लोग एक-एक वृक्ष लगाएं। का नारा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंच संचालन शशि मित्तल ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में बजरंग कुमार, राजेंद्र रजक, अंकज सिन्हा, राकेश कुमार सहित महाविद्यालय के सभी कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संक्षिप्त डायरी

दानापुर स्टेशन की बदलेगी तस्वीर, पार्किंग-सकुर्लेटिंग एरिया का होगा विस्तार, पुरानी सड़क होगी बंद

पटना (एजेंसी) बिहार के दानापुर रेलवे स्टेशन की तस्वीर बदलने वाली है. इस स्टेशन पर यात्रियों को नई सुविधाएं मिलने वाली हैं. स्टेशन का विस्तार किया जाएगा, जिसके बाद प्लेटफॉर्म, सकुर्लेटिंग एरिया और पार्किंग की सुविधा पहले से ज्यादा बेहतर होगी. दानापुर स्टेशन जाने वालों के लिए आने वाले दिनों में रास्ता बदल सकता है, लेकिन इसका असर सिर्फ स्टेशन तक सीमित नहीं रहेगा. पटना-बिहटा रूट पर सफर करने वाले करीब 3 लाख गाड़ी चालकों को जाम से राहत देने की तैयारी है. साथ ही दानापुर स्टेशन को भी पहले से कहीं ज्यादा नई सुविधाओं से लैस करने की योजना बन रही है. जानकारी के मुताबिक, दानापुर स्टेशन के विस्तार के लिए एक बड़ा मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है. इसके तहत खगौल आरओबी से दानापुर स्टेशन गोलंबर तक जाने वाली पुरानी सड़क को बंद करने का प्रस्ताव है। इस सड़क की जमीन को स्टेशन के विस्तार के लिए इस्तेमाल किया जाएगा. यहां प्लेटफॉर्म, पार्किंग और सकुर्लेटिंग एरिया को बड़ा किया जाएगा. रास्ता बंद होगा तो गाड़ियां कहां से जायेंगी? पुरानी सड़क बंद होने के बाद पटना और बिहटा के बीच आने-जाने वाली गाड़ियों को बिहटा एलिवेटेड रोड के नीचे बने नए मार्ग से गुजारा जाएगा. अधिकारियों का मानना है कि वैकल्पिक रास्ते से यातायात ज्यादा व्यवस्थित होगा और रोजाना लगने वाले जाम से राहत मिल सकती है. इससे यात्रियों का समय बचेगा और जाम में गाड़ियों के फंसने से होने वाली ईंधन की बबार्दी भी कम होगी. दोगुने से ज्यादा चौड़े होंगे प्लेटफॉर्म बताया जा रहा है कि सड़क की जमीन मिलने के बाद प्लेटफॉर्म ए और ए-1 का विस्तार किया जाएगा. इनकी चौड़ाई मौजूदा आकार से दोगुनी से भी अधिक करने की योजना है. यानी ट्रेन के आने-जाने के समय यात्रियों को पहले की तुलना में ज्यादा जगह मिलेगी और भीड़ को नियंत्रित करना आसान होगा. पटना जंक्शन से भी बड़ा होगा पार्किंग एरिया दानापुर स्टेशन के बाहर नया सकुर्लेटिंग एरिया और पार्किंग जोन विकसित किया जाएगा. प्रस्तावित क्षेत्रफल पटना जंक्शन के सकुर्लेटिंग एरिया और पार्किंग से भी बड़ा होने की बात कही जा रही है. यहां टू व्हीलर और फोर व्हीलर गाड़ियां पार्क किए जा सकेंगे. जानकारी के मुताबिक, स्टेशन विस्तार के लिए सड़क की जमीन जरूरी होने के कारण रेलवे जल्द ही एनएचएआई को लिखित प्रस्ताव भेजेगा. इसके बाद जमीन ट्रांसफर और वैकल्पिक मार्ग को लेकर दोनों विभागों के अधिकारी बैठक करेंगे.

पटना समेत कई शहरों में छाए काले बादल, 12 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, 15 अगस्त तक के लिए वटऊकी एडवाइजरी जारी

पटना (एजेंसी) सोमवार को सुबह-सुबह पटना समेत इसके आसपास के शहरों में काले बादल छाए. इस बीच 12 जिलों में मौसम विभाग की तरफ से येलो अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विभाग ने 15 अगस्त तक के लिए एडवाइजरी जारी कर दी है. बिहार के कई जिलों में मौसम इन दिनों सुहावना बना हुआ है. सोमवार को भी सुबह-सुबह पटना के कई हिस्सों में बादल छाए हैं. इसके अलावा कुछ अन्य जिलों में भी ऐसा ही मौसम बना हुआ है. इस बीच मौसम विभाग की तरफ से 12 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है. इन जिलों में येलो अलर्ट किया गया जारी मौसम विभाग ने पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, बक्सर, भोजपुर, अरवल, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद और किशनगंज में अलर्ट जारी किया है. इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा, बारिश और बिजली गिरने की भी चेतावनी जारी की गई है. अगले कुछ दिनों तक इसी तरह का मौसम बने रहने की भी संभावना जताई गई है. मौसम पूवार्नुमान की माने तो, 15 अगस्त के बाद ही राज्य में मौसम सामान्य हो सकता है. 11 अगस्त को दक्षिण और मध्य बिहार के ज्यादातर जिलों में मौसम बिगड़ा रह सकता है. जबकि 12 अगस्त को भी लगभग आधे बिहार में चेतावनी जारी की गई है. खासकर मौसम उत्तर बिहार,

सीवान युवती अपहरण केस में बड़ा खुलासा, वीएमएच स्कूल से होटल और मक्के के खेत तक पहुंची जांच

पटना (एजेंसी) सीवान में वीएमएच स्कूल के पास से युवती के अपहरण और दुष्कर्म की सूचना पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। हालांकि, जांच में घटनाक्रम की तस्वीर बिल्कुल अलग सामने आई है, जो स्कूल से निकलकर होटल और फिर मक्के के खेत तक पहुंची है। (मनीष गिरी) सीवान शहर के वीएम उच्च विद्यालय के पास सेयुवती के अपहरण और उसके साथ दुष्कर्म की सूचना मिलने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया. सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कई टीमें गठित कीं और सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी इनपुट, प्रत्यक्ष साक्ष्य तथा वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की. जांच आगे बढ़ी तो शुरूआती सूचना से घटनाक्रम की तस्वीर काफी अलग सामने आयी. सीवान के एसपी पूरन कुमार झा ने बताया कि पुलिस जांच में वीएमएच स्कूल के पास से युवती को जबरन उठाकर ले जाने का कोई साक्ष्य नहीं मिला है. हालांकि, युवती की ओर से लगाये गये दुष्कर्म के आरोप को पुलिस ने खारिज नहीं किया है. इस आरोप की मेडिकल रिपोर्ट, युवती के बयान और अन्य वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर जांच

की जा रही है. चार थानों की पुलिस ने शुरू की जांच घटना की गंभीरता को देखते हुए मुफस्सिल, महिला, महादेवा और टाउन थाना की पुलिस को अलग-अलग बिंदुओं पर जांच की जिम्मेदारी दी गयी. पुलिस टीमों ने वीएमएच स्कूल के आसपास से लेकर शहर के विभिन्न हिस्सों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले. पुलिस के अनुसार, सीसीटीवी और तकनीकी जांच से युवती की गतिविधियों की कड़ी जोड़ने का प्रयास किया गया. जांच में ऐसा कोई फुटेज या प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं मिला, जिससे यह साबित हो कि युवती को वीएमएच स्कूल के पास से जबरन किसी वाहन पर बैठाकर ले जाया गया था. : फुलवरिया की गलियों में साइकिल चलाते दिखे तेज प्रताप, गाय का दूध दुहा और निकाला गन्ने का जूस, पिता लालू को लेकर कही दिल की बात गांधी मैदान और अस्पताल रोड होते हुए होटल पहुंची युवती एसपी के अनुसार, पुलिस की जांच में सामने आया कि युवती गांधी मैदान और अस्पताल रोड होते हुए शांति बट वृक्ष के पास स्थित मनपसंद होटल तक पहुंची थी. इसके बाद दोनों युवक बाइक से होटल पहुंचे. पुलिस के मुताबिक, मुख्य आरोपी ने करीब 2,500 रुपये में होटल का कमरा बुक किया था. जांच टीम ने होटल के टॉप फ्लोर स्थित कमरे की तलाशी ली. कमरे से कुछ सामग्री बरामद की गयी और वैज्ञानिक साक्ष्य भी एकत्र किये गये. पुलिस अब होटल के रजिस्टर, कमरे की बुकिंग से जुड़े रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजों की भी जांच कर रही है. इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि होटल में कौन-कौन लोग पहुंचे थे और वहां घटनाक्रम किस तरह आगे बढ़ा. होटल के बाद बांसोपाली के मक्के के खेत पहुंची पुलिस जांच के दौरान पुलिस को घटनाक्रम की एक और कड़ी बांसोपाली गांव में मिली. पुलिस टीम बांसोपाली स्थित मक्के के खेत में भी पहुंची. एसपी के अनुसार, घटना के बाद युवती वहां गयी थी और उसने खुद को साफ किया था. पुलिस ने खेत से भी वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाये हैं. इसके बाद युवती के एक मेडिकल दुकान तक पहुंचने की जानकारी मिली, जहां से भी पुलिस ने कुछ साक्ष्य एकत्र किये हैं. इस तरह पुलिस की जांच अब वीएमएच स्कूल के आसपास से आगे बढ़कर मनपसंद होटल, बांसोपाली के मक्के के खेत और मेडिकल दुकान तक पहुंच गयी है. आरोपी ने पूछताछ में बतायी अलग कहानी मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी अभिषेक बरनवाल, निवासी बलेथा गांव, ने पुलिस पूछताछ में घटनाक्रम को लेकर अलग दावा किया है. आरोपी के अनुसार, युवती अपनी बहन के साथ आयी थी. हालांकि, पुलिस आरोपी के बयान को अंतिम तथ्य नहीं मान रही है. पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर उसके बयान का मिलान कर रही है. आरोपी की बाइक को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है. बाइक, होटल के रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज और वैज्ञानिक साक्ष्यों को जांच का हिस्सा बनाया गया है. घर पहुंचने के बाद अस्पताल गयी युवती पुलिस के अनुसार, घटना के बाद युवती अपनी बहन के साथ घर गयी और बाद में सदर अस्पताल पहुंची. अस्पताल पहुंचने के समय उसे अधिक ब्लीडिंग होने की बात सामने आयी. महिला चिकित्सक ने ब्लीडिंग रोकने के लिए उपचार करते हुए दो टांके लगाये. युवती का इलाज फिलहाल सदर अस्पताल में चल रहा है.पुलिस ने युवती का बयान भी दर्ज किया है. इसी बयान के साथ मेडिकल जांच और अन्य साक्ष्यों को मिलाकर पुलिस पूरे मामले की तह तक पहुंचने की कोशिश कर रही है. दुष्कर्म के आरोप में महिला थाने में एफआईआर युवती के बयान और प्रारंभिक जांच में सामने आये तथ्यों के आधार पर महिला थाने में प्राथमिकी दर्ज की गयी है. पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपी अभिषेक बरनवाल के साथ एक अन्य युवक को भी गिरफ्तार किया है. दोनों से पूछताछ की जा रही है. पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि घटना में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका थी या नहीं. : जब मल्लिका शेरावत ने पहनाया तेज प्रताप को कोट, सूट-बूट में दिखा लालू के लाल का नया अवतार, बोले- कुछ बहुत बड़ा आने वाला है... होटल की भूमिका पर भी पुलिस की नजर एसपी पूरन कुमार झा ने बताया कि मनपसंद होटल की भूमिका की भी जांच की जा रही है. होटल के रजिस्टर और दूसरे दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं. पुलिस यह भी देख रही है कि कमरे की बुकिंग किस नाम से हुई, होटल में कौन-कौन लोग मौजूद थे और कमरे से बरामद सामग्री का मामले से क्या संबंध है. जांच में होटल प्रबंधन या किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी. अपहरण की कहानी पर पुलिस ने क्या कहा

इस मामले में शुरूआती सूचना यह थी कि युवती को वीएमएच स्कूल के पास से जबरन अगवा किया गय

जल्द नये रूप में दिखेगा सोनपुर, ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट और हरिहरनाथ कॉरिडोर बनेगा गेम चेंजर, मास्टर प्लान पर हुई बात

पटना (एजेंसी) बिहार के सोनपुर की सूरत आने वाले सालों में बदलने वाली है. ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट और हरिहरनाथ कॉरिडोर बेहद खास माना जा रहा है. इन दो प्रोजेक्ट के जरिए पूरे सोनपुर का विकास संभव हो सकेगा. इसे लेकर सारण के सांसद राजीव प्रताप रूडी ने विस्तार से चर्चा की. बिहार के सोनपुर के लिए दो परियोजनाएं बेहद खास मानी जा रही है. इन दो परियोजनाओं से पूरे सोनपुर की सूरत बदल सकेगी. यहां ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट और हरिहरनाथ कॉरिडोर बनाया जाना है, जिससे इस पूरे इलाके का विकास हो सकेगा. आने वाले दिनों में सोनपुर नया पर्यटन क्षेत्र के रूप में डेवलप हो सकेगा. साथ ही आर्थिक स्थिति भी पहले से मजबूत हो सकेगी. बेहद खास है

एयरपोर्ट और हरिहरनाथ कॉरिडोर जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में सांसद राजीव प्रताप रूडी ने कई परियोजनाओं को लेकर चर्चा की. इसमें सोनपुर में बनने वाला ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट और हरिहरनाथ कॉरिडोर बेहद खास रहा. सोनपुर एयरपोर्ट को सोनपुर-छपरा 4 लेन ठल्ह के उत्तर और गंडक नदी के पश्चिम दरियापुर चंवर में बनाया जाएगा. बताया जा रहा है कि यह एयरपोर्ट दिल्ली, हैदराबाद, मुंबई और जेवर एयरपोर्ट के बाद 5वां सबसे बड़ा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट होगा. कितना लंबा होगा एयरपोर्ट का रनवे? बताया जा रहा है कि सोनपुर एयरपोर्ट का रनवे लगभग 4200 मीटर लंबा होगा. इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के अनुसार ही एयरपोर्ट को बनाया जाएगा. आसानी से बड़े-बड़े विमान यहां उतर सकेंगे. पटना से कनेक्टिविटी के लिए सिक्स लेन वाले दो नए पुल बनाए जा रहे हैं, जो कि जेपी दीघा सेतु के समानांतर और शेरपुर-दिघवारा सेतु है. सोनपुर में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के बनने से बड़े-बड़े शहरों की तरह यहां भी 24 घंटे विमानों का माना-जाना संभव हो सकेगा. लाखों यात्रियों को एयरपोर्ट के बनने से फायदा मिल सकेगा. पर्यटन की दृष्टि से हरिहरनाथ कॉरिडोर महत्वपूर्ण सोनपुर में बनने वाला हरिहरनाथ कॉरिडोर पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है. वाराणसी के काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर ही हरिहरनाथ कॉरिडोर को विकसित किया जाएगा. इस परियोजना पर करीब 680 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे. इससे न सिर्फ मंदिर का धार्मिक महत्व और बढ़ेगा, बल्कि पर्यटन को भी नई दिशा मिलेगी. सरकार का मानना है कि इस कॉरिडोर के बनने से देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी होगी और स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे. इसके अलावा भी सोनपुर में कई प्रोजेक्ट्स पर काम होंगे, जैसे कि जेपी सेतु दीघा-सोनपुर पुल, रिंग रोड, सैटेलाइट टाउनशिप, जो कि इस पूरे इलाके के लिए गेम चेंजर साबित हो सकेगा.

'2047 में सबसे शक्तिशाली देश बनेगा भारत', CM सम्राट ने तिरंगा यात्रा में कहा- इस मुहिम को सफल बनाएं

पटना (एजेंसी) सोमवार को पटना में तिरंगा यात्रा निकाली गई. इसमें मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, रामकृपाल यादव समेत अन्य नेता शामिल हुए. इस दौरान सीएम ने लोगों से इस मुहिम को सफल बनाने की अपील की. पटना में जेपी गोलंबर से लेकर कारगिल चौक तक तिरंगा यात्रा निकाली गई. इसमें सीएम सम्राट चौधरी भी शामिल हुए. हाथों में तिरंगा लेकर सीएम सम्राट चौधरी लगभग डेढ़ किलोमीटर पैदल चले. जेपी गोलंबर पहुंचने के बाद उन्होंने जेपी के मूर्ति पर माल्यार्पण किया है. इस दौरान हजारों की संख्या में हाथों में तिरंगा लिए लोग चौक पर भारत माता की जय का जयघोष करते हुए दिखे. अपने भाषण में सीएम सम्राट ने क्या-क्या कहा? अपने भाषण में मुख्यमंत्री सम्राट

चौधरी ने कहा, तिरंगा को 'एकता, अखंडता और संप्रभुता' का प्रतीक है. तिरंगा हमारे लिए जीने और मरने का प्रतीक है. तिरंगे की आन के लिए हमारे लाखों सैनिक अपनी प्राणों की आहूति दे दी है. मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत शांति चाहता है लेकिन अगर हमसे कोई लड़ने की कोशिश करता है तो हम लोग भी उसे कड़ा जवाब देते हैं. उन्होंने कहा कि भारत 2047 में सबसे शक्तिशाली देश के रूप में उभर कर सामने आएगा. सीएम सम्राट ने यह भी कहा कि आज का तिरंगा यात्रा केवल तीन रंगों का ध्वज नहीं है बल्कि हमारे पूर्वजों और स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी प्राणों की आहूति दे कर लोकतंत्र की स्थापना की और इस तिरंगा को स्थापित किया. मुख्यमंत्री ने 10 से 17 अगस्त तक चलने वाली तिरंगा यात्रा में ज्यादा से ज्यादा लोगों को शामिल होने की अपील की. उन्होंने कहा, इस मुहिम को सफल बनाएं और प्रखंड स्तर पर हो रहे इस कार्यक्रम में शामिल हो कर तिरंगे की शान में अपनी उपस्थिती दर्ज कराएं. बिहार की अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें इस वजह से निकाली जा रही तिरंगा यात्रा जानकारी के मुताबिक, 14 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा अभियान' निकाला जाएगा. इस यात्रा का मकसद लोगों के बीच देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना और स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हर घर तिरंगा अभियान को हर एक शख्स तक पहुंचाना है. जेपी गोलंबर से लेकर कारगिल चौक तक पूरे इलाके में तिरंगी ही दिख रहा था. इसमें मंत्री रामकृपाल यादव, विजय सिन्हा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी समेत अन्य नेता भी शामिल हुए. यात्रा को लेकर ट्रैफिक रूट में किया गया था बदलाव सोमवार को तिरंगा यात्रा को लेकर पहले से ही सुरक्षा के सभी इंतजाम कर लिए गए थे. सुबह 7 बजे से ही गांधी मैदान, डाकबंगला चौराहा, जेपी गोलंबर, कारगिल चौक और बुद्ध मार्ग के आसपास गाड़ियों की एंट्री पर रोक लगा दी गई थी. लेकिन इसके बदले वैकल्पिक रूट की व्यवस्था की गई थी, ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं झेलनी पड़े. तिरंगा यात्रा खत्म होने के बाद यातायात पहले की तरह सुचारू रूप से चालू कर दिया गया.

बिहार के दो NH बनेंगे फोरलेन, 3200 करोड़ होंगे खर्च, उत्तर से दक्षिण बिहार और झारखंड तक बढ़ेगी रोड कनेक्टिविटी

पटना (एजेंसी) बिहार के कई जिलों में सड़क और पुलों का निर्माण किया जा रहा है. ऐसे में बिहार के दो एनएच को फोरलेन किया जाएगा. इसके बनने से उत्तर बिहार से दक्षिण बिहार और झारखंड के बीच रोड कनेक्टिविटी मजबूत हो सकेगी. बिहार में रोड कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए दो एनएच परियोजनाओं पर काम किया जाएगा. इनमें मुजफ्फरपुर-बरौनी एनएच-122 को फोरलेन करना, मुजफ्फरपुर ईस्टर्न बाइपास का निर्माण और एनएच-139 को नौबतपुर से झारखंड सीमा तक फेरलेन करना शामिल है. इन दोनों परियोजनाओं को मंजूरी मिलने के बाद उत्तर बिहार से दक्षिण बिहार और झारखंड तक आवागमन आसान होने की उम्मीद है. पथ निर्माण मंत्री ने किया अनुरोध पथ निर्माण मंत्री ई. कुमार शैलेंद्र ने इन परियोजनाओं को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मंजूरी देने का अनुरोध किया है. मुजफ्फरपुर-बरौनी एनएच-

122 के करीब 102 किलोमीटर हिस्से को फोरलेन करने की योजना है. इसके लिए डीपीआर तैयार कर एनएचएआई मुख्यालय भेज दी गयी है. परियोजना की अनुमानित लागत करीब 3200 करोड़ रुपये बताई जा रही है. सड़क चौड़ीकरण के साथ कई जगहों पर अंडरपास बनाने का भी प्रस्ताव है. डीपीआर को अंतिम मंजूरी मिलने के बाद टेंडर की प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है. मुजफ्फरपुर को मिलेगा बाइपास मुजफ्फरपुर ईस्टर्न बाइपास का निर्माण भी इस योजना का अहम हिस्सा है. बाइपास बनने से शहर के अंदर से गुजरने वाली भारी गाड़ियों का दबाव कम होगा. इससे शहर में जाम की समस्या घटने और यातायात व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है. साथ ही एनएच-27 के पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर से सीधा संपर्क भी मजबूत होगा. झारखंड तक फोरलेन होगा एनएच-139 दूसरी ओर नौबतपुर से झारखंड सीमा तक एनएच-139 को चार लेन करने का प्रस्ताव है. इस सड़क पर बढ़ते भारी यातायात और हादसों को देखते हुए लंबे समय से चौड़ीकरण की मांग उठती रही है.

थावे मंदिर में शादी, विदाई से पहले ही दुल्हन गायब, 1.20 लाख में तय हुआ था रिश्ता; दूल्हे ने सुनाई पूरी कहानी

पटना (एजेंसी) थावे मंदिर में शादी की रस्में पूरी होने के बाद दुल्हन विदाई से ठीक पहले गायब हो गई। दूल्हे के परिवार ने शादी कराने के नाम पर 1.20 लाख रुपये की ठगी का आरोप लगाया है। पुलिस जांच जारी है। थावे मंदिर में शादी की रस्म पूरी होने के बाद एक दूल्हे के घर जाने का सपना अधूरा रह गया. शादी के बाद दुल्हन विदाई के दौरान ही कथित तौर पर कुछ लोगों के साथ चली गयी. दूल्हे के परिवार का आरोप है कि शादी कराने के नाम पर उनसे 1 लाख 20 हजार रुपये लिये गये थे. परिवार ने यह भी आरोप लगाया है कि दुल्हन शादी के बाद अपने साथ गहने और कुछ अन्य सामान लेकर चली गयी. मामला थावे थाना क्षेत्र से

जुड़ा है. उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के लोहामंडी थाना क्षेत्र के नवबस्ता मोहल्ला निवासी दिलीप कुमार की शादी कराने की बात गोपालगंज की एक महिला ने कही थी. परिवार के मुताबिक, महिला ने रिश्ता कराने के एवज में 1 लाख 20 हजार रुपये की मांग की थी. रिश्ता तय होने के बाद दिलीप के परिवार ने शादी की तैयारी शुरू कर दी. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें पांच दिन तक थावे में रुका था परिवार दूल्हे का परिवार शादी के लिए करीब पांच दिनों तक थावे में एक होटल में ठहरा था. परिवार के मुताबिक, इस दौरान शादी से जुड़ी तैयारियां और रस्में पूरी की गयीं. 7 अगस्त को दूल्हा और दुल्हन की शादी थावे मंदिर में करायी गयी. शादी की रस्म पूरी होने के बाद दोनों वापस होटल पहुंचे. परिवार में शादी की खुशी थी और इसके बाद दूल्हा-दुल्हन को घर ले जाने की तैयारी शुरू कर दी गयी. घर ले जाने के लिए पहुंची गाड़ी, तभी बदल गया पूरा मामला दूल्हे के परिवार के अनुसार, दूल्हा-दुल्हन को घर ले जाने के लिए गाड़ी होटल पहुंची थी. इसी दौरान कुछ लोग वहां पहुंचे. परिवार का आरोप है कि इन लोगों ने दुल्हन को अपने साथ ले लिया और वहां से फरार हो गये. दूल्हे के मुताबिक, दुल्हन के साथ कथित तौर पर कुछ अन्य लोग भी थे. अचानक हुई इस घटना से दूल्हा और उसके परिजन हैरान रह गये. परिवार का कहना है कि उन्हें समझ नहीं आया कि शादी के बाद दुल्हन को कौन लोग अपने साथ ले गये और वह कहां गयी. सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल के भतीजे की दवा दुकान में चोरी, शटर तोड़कर 2.67 लाख कैश ले गए चोर; में पूरी वारदात गहने और सामान लेकर जाने का आरोप दूल्हे के परिवार ने आरोप लगाया है कि दुल्हन अपने साथ शादी में मिले गहने और कुछ अन्य सामान भी लेकर चली गयी. परिवार का कहना है कि शादी कराने के नाम पर पहले ही 1 लाख 20 हजार रुपये लिये गये थे. शादी के बाद दुल्हन के अचानक चले जाने से उन्हें शक है कि पूरा मामला पहले से तय योजना के तहत किया गया हो सकता है. हालांकि, कथित गिरोह के सक्रिय होने और इस घटना में शामिल लोगों की भूमिका को लेकर पुलिस की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी. अभी तक परिवार की ओर से लगाये गये आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है. शादी कराने वाली महिला पर भी उठे सवाल इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल उस महिला की भूमिका को लेकर उठ रहा है, जिसने दिलीप कुमार की शादी कराने की बात कही थी. परिवार के अनुसार, उसी महिला के माध्यम से रिश्ता तय हुआ था और शादी के लिए 1 लाख 20 हजार रुपये की मांग की गयी थी. अब दुल्हन के गायब होने के बाद परिवार शादी तय कराने वाली महिला और उसके संपर्क में रहे लोगों की भूमिका पर भी सवाल उठा रहा है. परिजनों को आशंका है कि शादी के नाम पर उन्हें किसी योजना के तहत फंसाया गया. दूल्हे के सामने अब कई सवाल थावे मंदिर में शादी की रस्म पूरी होने के बाद दूल्हा अपनी पत्नी को लेकर घर लौटने की तैयारी कर रहा था. लेकिन होटल से निकलने से पहले ही दुल्हन के कथित तौर पर चले जाने के बाद पूरा मामला उलझ गया. दूल्हे के परिवार के सामने अब कई सवाल हैं. आखिर दुल्हन को अपने साथ ले जाने वाले लोग कौन थे? क्या शादी कराने वाली महिला को पहले से इस पूरे मामले की जानकारी थी? दुल्हन खुद अपनी इच्छा से गयी या उसे किसी योजना के तहत ले जाया गया? शादी के नाम पर लिये गये 1.20 लाख रुपये का क्या हुआ? इन सवालों के जवाब पुलिस जांच के बाद ही सामने आ सकेंगे. पुलिस जांच के बाद सामने आयेगा पूरा सच फिलहाल मामले में सामने आये आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही होगी. दूल्हे के परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस यदि मामले की जांच करती है, तो शादी कराने वाली महिला, दुल्हन और उसके साथ मौजूद लोगों से पूछताछ के बाद पूरे मामले की तस्वीर साफ हो सकती है.

फेसपैक रात के लिए

दलिया से बने फेसपैक को रात में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है, जो काफी लाभप्रद होता है। इसे बनाने के लिए दो चम्मच दलिया लें। इसमें ऑयल की कुछ बूंद डालकर पेस्ट बना लें और इस पेस्ट में एक चम्मच शहद और 2-3 चम्मच नींबू का रस मिला लें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगा लें। जब मिश्रण सूखने लगे तो स्क्रब कर लें बाद में निकाल दें। गर्म पानी से चेहरा धोएं।

जब सिर में हो खारिश

केले में शहद मिला कर मसल लें। उसमें प्याज का रस मिक्स करें। फिर इसे बालों की जड़ों में लगा कर 20 मिनट तक छोड़ दें और बाद में शैंपू कर लें। इस मास्क से रूसी खत्म होगी। जै तून का तेल लें और उसे गरम करें। उसमें शहद की कुछ बूंदें डालें और उससे सिर की कुछ देर मसाज करें। बीस मिनट के बाद सिर को शैंपू से धो लें। खारिश दूर हो जाएगी।

हाथों को सुंदर बनाने के टिप्स

खूबसूरत हाथ सभी को आकर्षित करते हैं। अपने हाथों को सुंदर बनाने के लिए आप मैनिक्योंर करवा कर हाथों को हमेशा नर्म और मुलायम बना सकती हैं। हाथों को खूबसूरत बनाएं रखने के लिए जानें ये मेनिक्योंर टिप्स-

हाथ रुखे होने पर आप इनमें तेज खुशबू वाला लोशन लगाएं।

अक्सर नेलपॉलिश हटाने के बाद नेल्स रुखे हो जाते हैं ऐसे में आप नेल रिमूवर में कुछ बूंदें जोजोबा ऑयल की डालें और इसे नेपॉलिया हटाने केबाद नाखूनों पर लगाएं।

नेलपॉलिश को ज्यादा दिनों तक फ्रेश बनाए रखने के लिए शीशी के मुंह पर क्यूटिकल ऑयल लगाएं और शीशी बंद कर दें।

गीले हाथों पर नेल फाइलिंग न करें, क्योंकि गीले होने पर नाखून कमजोर हो जाते हैं। नाखूनों को एक ही दिशा में फाइल करें नहीं तो वे टूट भी सकते हैं।

घर सजाओ कुछ हटकर

होम डेकोर में कुशन, कर्टन, बेड कवर आदि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, क्योंकि इनसे आप कम समय में घर का मेकओवर कर सकती हैं, इसलिए अलग-अलग उत्सव के लिए खास कलेक्शन रखें।

दीवारों पर सॉफ्ट कलर का पेंट है, तो एक्सेसरीज ब्राइट कलर की और दीवारों का कलर हाईलाइट करना हो, तो एक्सेसरीज सॉफ्ट रखें। घर का लुक अच्छा आता है।

पहले ही डिसाइड कर लें कि आपको कमरे का लुक एथनिक चाहिए या फिर मॉडर्न। इस बात को ध्यान में रखकर ही कमरे को सजाने की शुरूआत करनी चाहिए। कुशन और बेड कवर्स के साथ भी एक्सपेरिमेंट किया जा सकता है। अजकल मार्केट में कई तरह के कुशन कवर्स और बैड कवर्स उपलब्ध है जो आपके कमरे की सजावट को कॉम्प्लीमेंट करेगा। दीवारों पर भी रंग कुछ हटकर चुन सकते हैं। इससे कमरे की काया ही बदल जाएगी।

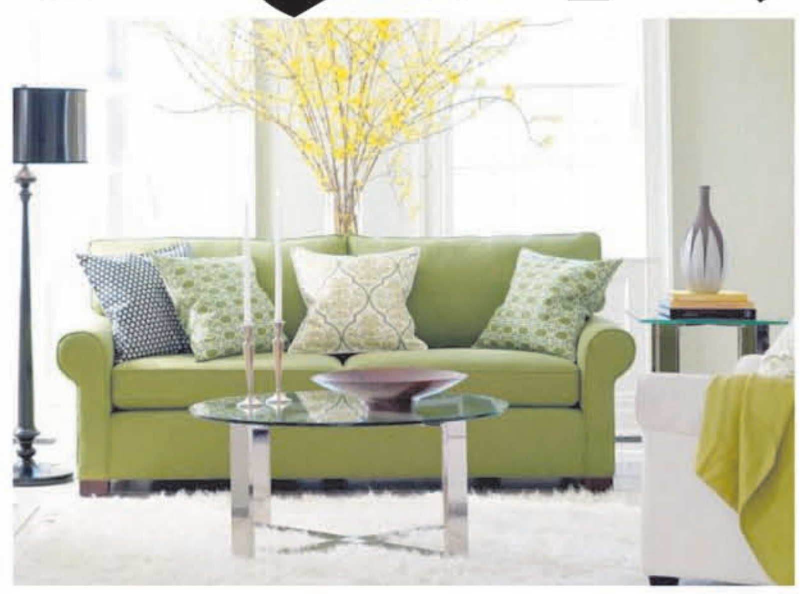

बटुआ बना नया फैशन ट्रेंड

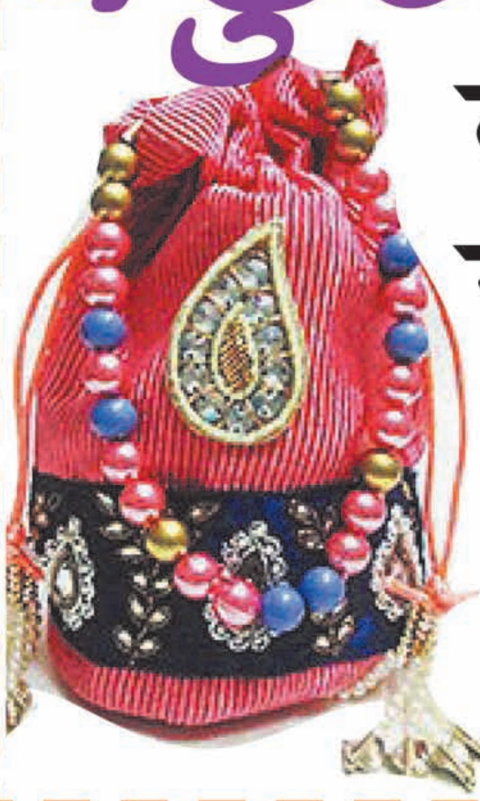

यह सच है कि फैशन हर पल बदलता रहता है। इन दिनों बटुओं को सबसे ज्यादा फैशन है। जहां पहले लड़कियां बड़े बैग्स कैरी करना पसंद करती थीं वहीं इन दिनों बड़े बैग की जगह उनके हाथों में छोटा बटुआ देखने को मिलता है। कमाल की बात यह है कि ये बटुए हर शेप, साइज और रंग में मिलते हैं। इन बटुओं की खासीयत यह है कि इन्हें आप हाथ में रख सकती है और साथ ही जब चाहें कंधे पर टांग भी सकती हैं।

यह हर ड्रेस के हिसाब से मैंचिग की जा सकती है।

अब आपको इंडियन आउटफिट पसंद हो या वेस्टर्न बटुआ हर ड्रेस के साथ मैच हो जाता है। बटुए अब हर तरह के मैटीरियल में उबलब्ध हैं। लैदर, रैक्सीन, जूट, कपड़े में यह मार्केट में पाए जाते हैं। एम्ब्रॉएडरी, सीक्वेंस वर्क, स्टोन वकआदि हर रूप में पाया जाता है। बटुआ हर एज ग्रुप को इम्प्रेस करता है। चहे फिर वह कॉलेज गोइंग गर्ल्स हो या फिर हाउसवाइफ या फिर वर्किंग वुमन। यह सबका फेवरेट है।

डाइनिंग टेबल डेकोर

घर की शोभा बढ़ाने में डाइनिंग टेबल का भी बड़ा हाथ होता है। डायनिंग टेबल से लिविंग रूम की शोभा चार गुना बढ़ती है और अगर यह ठीक से अरेंज हो तो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। डायनिंग टेबल सैट करते वक्त कुछ बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

1. डानइनिंग टेबल साफ रखें। अपनी डायनिंग टेबल को हमेशा साफ रखें। अगर आपके घर पर पार्टी है या फिर गेस्ट आने वाले हैं तो अपनी डायनिंग टेबल को पोंछ कर ही उस पर नैपकिंस और पल्ेट्स सजाएं।

* डाइनिंग टेबल पर टेबल मैट ऐसा होना चाहिए चाहिए जो दिखने में खूबसूरत होने के साथ-साथ साफ करने में भी आसान हो।
* टेबल पर बीचों-बीच एक सेंटर पीस रख देने से टेबल पर रखें अन्य समान अपनी जगह पर ठीक से अरेंज हो जाएंगे। सेंटर पीस के रूप में आप फूलों का वास या शो पीस आदि रख सकती हैं। अगर आपको सेंटरपीस नहीं रखने का मन है तो आप वहां पर नैपकिन का सेट भी रख सकती हैं।
* कटलरी परोसे गए खाने के आइटम के हिसाब से होनी चाहिए। इसे बाहर से अंदर के हिसाब से रखना चाहिए।
* डाइनिंग टेबल पर ज्यादा भीड़ न लगाएं. डिनर के लिए अपने डायनिंग टेबल को यूजर फ्रेंडली बनाइए। वहां पर केवल वही चीजें रखें जिनकी जरूरत हों।

WWE इतिहास में ब्रॉक लैसनर की सबसे खतरनाक फाइट्स

बिग शो के साथ तो टूट गया था पूरा रिंग

नई दिल्ली। ड्ड्ड्ढ के महान रेसलर ब्रॉक लैसनर ने पिछले हफ्ते समरस्लैम 2026 के बाद कंपनी को अलविदा कह दिया। मंडे नाइट रॉ के पिछले एपिसोड में ब्रॉक को ट्रिब्यूट दिया गया और उनका नाम एल्यूमिनी लिस्ट में भी डाला गया। उनके करियर का अंत जरूर हार के साथ हुआ लेकिन पिछले 26 साल के करियर में लैसनर ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उनके करियर में कई ऐसे यादगार मैच भी रहे जब रिंग या तो खून से लाल रंग में तब्दील हो गया। या एक बार पूरा रिंग ही टूट गया। ब्रॉक लैसनर के करियर की ऐसी ही पांच खतरनाक फाइट्स के बारे में बात करेंगे। इसमें उनकी द अंडरटेकर, जॉन सीना, रोमन रेंस, बिग शो और कोडी रोड्स जैसे बेहतरीन रेसलर्स से हुए मुकाबलों का विवरण है। इसमें से एक मैच उनका और बिग शो का बहुत मशहूर हुआ था जब रिंग ही चारों तरफ से टूट गया था।

- **ब्रॉक लैसनर बनाम बिग शो- स्मैकडाउन, जून 2003-** 2003 में WWE का एक दौर था जब ब्रॉक लैसनर और बिग शो के बीच खतरनाक राइवलरी देखने को मिलती थी। उसी बीच जून 2003 में ब्रॉक लैसनर और बिग शो का मुकाबला एक स्मैकडाउन के शो में हुआ। WWE चैंपियनशिप के लिए हो रहे इस मुकाबले में दोनों के बीच बेहतरीन टक्कर देखने को मिली। इसी दौरान लैसनर ने रस्सी के ऊपर खड़े होकर 500 पाउंड के बिग शो को सुपरप्लेक्स दिया। जैसे दोनों रेसलर रिंग के बीच में गिरते हैं तो रिंग ही चारों तरफ से टूट गया। यह कंपनी के इतिहास में पहली बार देखने को मिला था। इसलिए यह मैच WWE में ब्रॉक लैसनर के सबसे यादगार फाइट्स में से एक है।
- **ब्रॉक लैसनर बनाम जॉन सीना- WWE E&treme Rules 2012-** ब्रॉक लैसनर ने 2012 में अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान कंपनी में वापसी की थी। उस समय उनकी राइवलरी थी जॉन सीना के साथ दोनों के बीच एक्ट्रीम रूल्स 2012 में कांटे की टक्कर देखने को मिली। इस मैच में दोनों रेसलर खून से लथपथ थे। लैसनर ने शुरुआती क्षणों में ही अपनी कोहनी से सीना का सिर लहूलुहान कर दिया था। इस मैच में इसके बाद मेटल चेन जैसे कई खतरनाक उपकरण भी इस्तेमाल हुए।
- **ब्रॉक लैसनर बनाम द अंडरटेकर- WWE No Mercy 2002-** ब्रॉक लैसनर ने 2002 में कंपनी में डेब्यू किया था। उस वक्त उनका नाम मेन रोस्टर में आत ही चर्चा का विषय था। लैसनर ने उस समय के दिग्गज हल्क होगन को हराकर सभी को चौंकाया था। फिर उनका सामना होना था डेडमैन द अंडरटेकर के साथ। नो मर्सी 2002 में दोनों की फाइट तय हुई। इस मैच को जाल में कराया गया। मैच शुरू होने के कुछ ही देर बाद अंडरटेकर के एक प्रहार से लैसनप का माथा लहूलुहान हो गया था। फिर लैसनर ने भी अंडरटेकर पर स्टील की सीढ़ियों से प्रहार किया और वह भी खून से लथपथ हो गए।
- **ब्रॉक लैसनर बनाम रोमन रेंस- WWE WrestleMania 31, 2014-** 2014 का यह वो दौर था जब लैसनर को दोबारा वापसी करे दो साल हो चुके थे। वहीं नए स्टार रोमन रेंस को कंपनी पुश कर रही थी। उसी बीच रेसलमेनिया 31 में दोनों का मैच फाइनल हुआ। उस मुकाबले में उम्मीद के मुताबिक लैसनर ने रोमन रेंस को खूब छकाया। इस मुकाबले में दोनों के बीच कांटे की टक्कर हुई। अंत में दोनों फाइटर्स लहूलुहान थे। व

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश टी-20

भुवी की लखनऊ फाल्कन्स की नजर टूर्नामेंट की ट्रॉफी पर

बोले- युवाओं के लिए है बड़ा प्लेटफॉर्म

लखनऊ। यूपी टी20 लीग 2026 का आगाज 14 अगस्त से होगा। लखनऊ फाल्कन्स के कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने लीग को युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ा प्लेटफॉर्म बताया। उन्होंने टीम की तैयारियों और इस बार ट्रॉफी जीतने की उम्मीद भी जताई। युवा खिलाड़ी आराध्य यादव ने भी सीनियर खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने को अपने करियर के लिए अहम बताया। यूपी टी20 लीग की शुरुआत 14 अगस्त 2026 से होगी। टूर्नामेंट के मुकाबले दो शहरों लखनऊ और कानपुर में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट से पहले लखनऊ फाल्कन्स के कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने मीडिया से बातचीत की। (फोटो सोर्स- विशेष व्यवस्था) यूपी टी20 लीग का नया सीजन 14 अगस्त से शुरू होना है। इस बार लीग के मुकाबले दो वेन्यू लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम और कानपुर के ग्रीनपार्क स्टेडियम में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के आगाज से पहले भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और युवा खिलाड़ी आराध्य यादव ने लीग के महत्व और अपनी टीम 'लखनऊ फाल्कन्स' की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की।

यूपी टी20 लीग युवा खिलाड़ियों के लिए बेहतरीन अवसर- लखनऊ फाल्कन्स के कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने यूपी टी20 लीग को युवा प्रतिभाओं के लिए एक बड़ा प्लेटफॉर्म बताया। भुवनेश्वर कुमार ने कहा, ''यूपी टी20 लीग युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद शानदार अवसर है। लीग में कई इंटरनेशनल खिलाड़ी खेल रहे हैं। युवा खिलाड़ियों को उनके साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करने का मौका मिलता है'' भुवनेश्वर कुमार ने कहा, ''खिलाड़ी अपनी योग्यता और प्रदर्शन के दम पर आगे बढ़ सकते हैं।

वैभव अर्धशतक से चूके, सार्थक रंजन ने लगाई हाफ सेंचुरी

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने न्यू दिल्ली टाइगर्स को हराया

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 के 18वें मैच में सार्थक रंजन की कप्तानी वाली नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने न्यू दिल्ली टाइगर्स को 7 विकेट से हरा दिया। ये नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की इस लीग में चौथे मैच में दूसरी जीत रही और इस टीम के फिलहाल 5 अंक हो चुके हैं। सार्थक रंजन को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया और वो इस सीजन में काफी अच्छा प्रदर्शन भी कर रहे हैं। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स और न्यू दिल्ली टाइगर्स

के बीच खेले गए मैच में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और इसके बाद न्यू दिल्ली टाइगर्स ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 161 रन बनाए। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को जीत के लिए 162 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 19.1 ओवर में 3 विकेट पर 165 रन बनाकर मैच को जीत लिया।

वैभव अर्धशतक से चूके, सार्थक ने लगाई हाफ सेंचुरी- नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के लिए पारी की शुरुआत करने वैभव कांडपाल और कप्तान सार्थक रंजन मैदान पर उतरे। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 70 गेंदों पर 102 रन की शतकीय साझेदारी हुई, लेकिन वैभव 36 गेंदों पर 41 रन बनाकर आउट हो गए और ये साझेदारी टूट गई। वैभव ने अपनी पारी के दौरान 2 छक्के और 3 चौके भी लगाए और वो अपने अर्धशतक के करीब आकर उससे चूक गए।

अशिमता ने जीता कोरिया मास्टर्स

बैडमिंटन फाइनल में चीन की खिलाड़ी को हराया; एक हफ्ते में भारत का दूसरा BWF खिताब

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अशिमता चालिहा ने रविवार को कोरिया मास्टर्स सुपर 300 महिला सिंगल्स का खिताब जीता। 26 साल की अशिमता ने 53 मिनट चले फाइनल में चीन की चौथी सीड हान कियान शी को हराया। उन्होंने 14-21, 21-14, 21-14 से जीत दर्ज कर अपना पहला BWF वर्ल्ड टूर खिताब जीता। भारत ने लगातार दूसरा BWF वर्ल्ड टूर फाइनल का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले तन्वी शर्मा ने 2 अगस्त को ताइपे ओपन जीता था।

पहले गेम में हान ने बनाई बढ़त

अशिमता ने मैच की शुरुआत में 3-0 की बढ़त बनाई। वे शुरुआती दौर में 9-5 से आगे थीं। इसके बाद हान ने वापसी की और दोनों खिलाड़ी 11-11 की बराबरी पर पहुंच गई। चीनी खिलाड़ी ने लगातार अंक जुटाकर खेल पर कंट्रोल बनाया। हान ने पहला गेम जीतकर बढ़त हासिल की।

दूसरे गेम में अशिमता की वापसी

अशिमता ने दूसरे गेम में आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने स्मैश से हान पर दबाव बनाया और तेज डिफेंसिव रिटर्न से 6-6 के बाद बढ़त बना ली। ब्रेक के समय अशिमता 11-8 से आगे थीं। इसके बाद भी उन्होंने रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखा। हान अंतर कम नहीं कर सकीं और अशिमता 17-10 से आगे हो गईं। भारतीय खिलाड़ी ने एक और तेज अटैकिंग शॉट के साथ गेम 21-14 से जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया।

तीसरे गेम में पिछड़ने के बाद की वापसी

अंतिम गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला रहा। अशिमता ने 5-2 की बढ़त बनाई, लेकिन मिड-गेम ब्रेक तक हान 11-9 से आगे निकल गईं। अशिमता ने वापसी करते हुए लाइन के किनारे शॉट लगाकर 12-11 की बढ़त बनाई। इसके बाद अशिमता गेम में लगातार आगे रहीं। उन्होंने हान के कोर्ट में खाली जगहों का फायदा उठाया और स्कोर 19-14 कर दिया। हान का रिटर्न बाहर जाने पर अशिमता को आखिरी पॉइंट मिला। इसके साथ ही उन्होंने चैंपियनशिप अपने नाम की।

2024 में अशिमता के घुटने की सर्जरी हुई थी

अशिमता को 2024 में कोरिया ओपन के दौरान दाएं घुटने में मेडियल मेनिस्कस में चोट लगी थी। इसके बाद उनकी सर्जरी हुई और लंबे समय तक रिहैबिलिटेशन किया। वह अगले साल फरवरी में वापस लौटीं और 14 टूर्नामेंट में खेलीं। उन्होंने ब्बड्ड्ह्र टूर पर चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स में लगातार क्वार्टरफाइनल खेले। इसके बाद मकाऊ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचीं।

सरफराज खान 2 साल बाद भारतीय टीम में शामिल

- *चोटिल साई सुदर्शन की जगह मौका मिला, गॉल टेस्ट से पहले टीम से जुड़ेंगे*

नई दिल्ली। बैटर सरफराज खान को दो साल बाद टीम इंडिया में जगह मिली है। उन्हें श्रीलंका दौर पर चोटिल साई सुदर्शन की जगह शामिल किया गया। BCCI ने रविवार शाम को इसकी जानकारी दी। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ गॉल में 15 अगस्त से पहला टेस्ट खेलेगी। सरफराज ने पिछला टेस्ट 2024 में वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। वे अब तक 6 टेस्ट मैच ही खेल सके हैं।

- **सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया-** ब्नष्टष्ट्ठ ने साई सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया। साई सुदर्शन बेंगलुरु स्थित ब्नष्टष्ट्ठ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टह्रश्व) में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं। वे अच्छी तरह ठीक हो रहे हैं। मेडिकल टीम उनकी रिकवरी पर लगातार नजर बनाए हुए है। साई सुदर्शन को पिछले महीने श्रीलंका-ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के दौरान पैर के अंगूठे में चोट लगी थी। उन्होंने उसी दौरे पर लगातार दो शतक जड़कर शानदार फॉर्म दिखाई थी।
- **प्लेयर्स की चोटों से जूझ रही है टीम इंडिया-** श्रीलंका दौरे से पहले ही भारतीय टीम कई चोटों से परेशान है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं।
- वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे। हर्षित राणा (हैमस्ट्रिंग), नीतीश कुमार रेड्डी (क्वाड्रिसेप्स) और आकाश दीप चोट) भी उपलब्ध नहीं हैं।
- **नेट्स के दौरान टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की दाएं हाथ की -** नामिका उंगली में चोट लगी थी। वे एहतियात के तौर पर वॉर्म-अप मैच के शुरुआती 2 दिन खेलने नहीं उतरे। हालांकि, तीसरे दिन वे यशस्वी जायसवाल के साथ ओपन करने उतरे और 44 रन बनाए।

भारत की अपडेटेड टीम

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, औकिब नबी और सरफराज खान।

'खिलाड़ी मशीन नहीं'

फिट होने में समय लगता है- लक्ष्मण: कहा- इंजरी प्लेयर्स के करियर का हिस्सा, किसी को दोषी नहीं ठहरा सकते

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने खिलाड़ियों के धीरे फिट होने में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टश्रश्व) को दोषी मानने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि क्रिकेटर मशीन नहीं है। ऐसा नहीं है कि हर बार वे जल्दी चोट से उबर जाएंगे। लक्ष्मण ब्नष्टष्ट्ठ के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख हैं। उन्होंने रविवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि ष्टश्रश्व और पुरुष-महिला दोनों टीमों के मैनेजमेंट के बीच शानदार तालमेल है। लक्ष्मण का बयान ऐसे टाइम पर आया है, जब देशभर में खिलाड़ियों के चोटिल होने पर सवाल उठ रहे हैं।

लक्ष्मण ने कहा- ष्टश्रश्व सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं- लक्ष्मण ने कहा- 'ष्टश्रश्व सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं है। क्रिकेटर्स को बेहतर बनाने में इसकी बड़ी भूमिका है। इसलिए चोट के लिए दोष शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहते, क्योंकि इससे किसी को बलि का बकरा बनाया जाता है।' लक्ष्मण ने कहा कि फिटनेस के नियम कड़े हैं। साथ ही सभी खिलाड़ियों के शरीर का नेचर भी अलग है। इस वजह से कोई खिलाड़ी तय समयसीमा में पूरी तरह फिट नहीं हो पाता। उन्होंने बताया कि चोट का पता होने से लेकर खिलाड़ी के फिट होकर जाने तक उसकी मॉनिटरिंग होती है। इसी के आधार पर उसका वर्कलोड बढ़ाया जाता है।

लक्ष्मण बोले- चोट चिंता की वजह नहीं है

लक्ष्मण ने बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने पर कहा- 'मुझे नहीं लगता कि यह चिंता का कारण है। जब कोई खिलाड़ी हाई लेवल पर खेलता है, तो उससे 100% से ज्यादा देने की उम्मीद होती है।' उन्होंने कहा- खिलाड़ियों की चोट को देखने का बाहरी दुनिया का नजरिया बदलना चाहिए। ष्टश्रश्व के फिटनेस स्टाफ एड्रियन, निक और कमलेश काम कर रहे हैं।

सीरीज से 3-4 हफ्ते पहले सिलेक्शन मीटिंग होती है

ब्नष्टष्ट्ठ सचिव देवजीत सैकिया ने सीरीज से पहले टीम का सिलेक्शन प्रोसेस समझाया। उन्होंने कहा कि टीम के रवाना होने से कम से कम 3 से 4 हफ्ते पहले मीटिंग होती है। इसलिए उस समय खिलाड़ी की सही स्थिति पता नहीं होती। इसी वजह से उसके नाम के आगे स्टार लगाया जाता है और स्क्वाड में रखा जाता है।

यशस्वी ने डक पर आउट होने के बाद की शानदार वापसी

श्रीलंका 11 के खिलाफ 2 छक्के 9 चौकों के साथ लगाया अर्धशतक

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल दो मैचों की टेस्ट सीरीज से ठीक पहले लय में आ गए हैं और ये टीम इंडिया के लिए काफी सुखद खबर है। श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय प्रैक्टिस टेस्ट मैच में यशस्वी जायसवाल पहली पारी में डक पर आउट हो गए थे,

लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने कमाल की वापसी की और टीम के लिए अर्धशतकीय पारी खेलकर रिटायर आउट हुए।

यशस्वी जायसवाल ने लगाया अर्धशतक- पहली पारी में असफल रहने के बाद यशस्वी ने कमाल की वापसी दूसरी पारी में की और उन्होंने काफी आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी की।

सिराज ने तीन छक्के लगाकर भारत को जिताया

वॉर्मअप में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया; चोट से रिकवर हुए गिल के 44 रन

नई दिल्ली। भारत ने टेस्ट सीरीज से पहले वॉर्मअप मैच में श्रीलंका-11 को 6 विकेट से हरा दिया। मोहम्मद सिराज ने आखिरी ओवर में लगातार तीन छक्के लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई। रविवार को मैच के आखिरी दिन भारत को जीत के लिए 16 रन चाहिए थे।

ऐसे में सिराज ने केशरा नुवंथा की शुरुआती तीन बॉल पर लगातार तीन छक्के लगाए। उंगली की चोट से लौट रहे कप्तान शुभमन गिल ने 44 रन की पारी खेली। उन्होंने यशस्वी जायसवाल के साथ 105 रन की साझेदारी की। कोलंबो में भारत को 207 रन का टारगेट मिला था। उसने दिन का खेल शुरु होने से पहले ही पहली पारी 357/6 के स्कोर पर घोषित की। श्रीलंका XI ने अपनी दूसरी पारी 200/6 के स्कोर पर घोषित की। श्रीलंका-XI ने पहली पारी में 363/8 का स्कोर बनाया था।

भारत मैच जीतने के बाद भी क्यों खेला?

भारत के मैच जीतने के बाद भी खेल जारी रहा। अंपायर्स ने केशरा नुवंथा का ओवर पूरा कराया। सिराज ने ओवर की बची तीनों गेंद खेलीं। प्रैक्टिस मैच का रिजल्ट सीरीज या टूर्नामेंट की जीत-हार में नहीं जुड़ता। मैच का मकसद खिलाड़ियों को मैदान, पिच के लिहाज से तैयार कराना है। इसमें टीम अपनी प्लेइंग-11 में स्क्वाड में शामिल सभी 15 खिलाड़ियों को खिला सकती है। अगर टीम चाहे तो मैच जीतने के बाद भी वह पूरे तय ओवर तक बैटिंग खेल सकती है।

नेट सेशन के दौरान गिल को चोट लगी थी- वॉर्मअप मैच शुरू होने से एक दिन पहले गुरुवार को ट्रेनिंग के दौरान गिल की उंगली में चोट लगी थी। वे मैच के पहले दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। उनकी गैरमौजूदगी में चरु राहुल ने कप्तानी की।

मुजफ्फरपुर में पहली बार कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा, भक्तिमय हुआ माहौल

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। जिले में पहली बार कांवड़ियों पर हेलीकाप्टर से पुष्पवर्षा की गई। पहले सोमवार को सुबह सात बजे का समय तय किया था, लेकिन मौसम खराब होने और आसमान में बादल छाए रहने के कारण इसमें देरी हुई। करीब साढ़े आठ बजे हरिसभा चौक, रामदयालु, बाबा गरीबनाथ मंदिर, साहू पोखर और जिला स्कूल के समीप कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की गई। भक्ति में उत्साह का माहौल रहा। हर-हर महादेव के नारे से पूरा शहर गुंजायमान हो उठा। चारों तरफ भगवान शिव के जयकारे और बाबा गरीबनाथ की जय का उद्घोष सुनाई दे रहा था। बाबा गरीबनाथ धाम पर जलाभिषेक करने वाले कांवड़ियों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे शहर के लिए यह एक अलौकिक अनुभूति थी। सड़कों पर असंख्य कांवड़ियों के साथ लोग अपने घरों के छत पर भी खड़े होकर इस ऐतिहासिक पल के गवाह बने। विदित हो कि पहलेजा घाट से जलबोझी कर बाबा गरीबनाथ मंदिर में जलाभिषेक करने की परंपरा दशकों पुरानी है। कांवड़ियों की सेवा कई प्रकार से जिला प्रशासन से लेकर अलग-अलग विभाग और सेवा दलों के द्वारा की जाती रही है, लेकिन यह पहला अवसर था जब पुष्पवर्षा की गई। कांवड़िया मार्ग में जिला प्रशासन की ओर से माइकिंग कर भी इसकी जानकारी दी गई थी। इससे कांवड़ियों में उत्साह का माहौल था। विदित हो कि उत्तराखंड और युपी समेत अन्य राज्यों में कांवड़ यात्रा के दौरान हेलीकाप्टर से भक्तों पर पुष्पवर्ष कराए जाने की परंपरा सालों से चली आ रही है, लेकिन बिहार में यह पहला मामला है जब कांवड़ियों पर आसमान से पुष्पवर्षा कराई गई।

मुंबई में अवैध रूप से रह रहे 44 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों का पता चला

मुंबई (एजेंसी)। भारत में अवैध रूप से प्रवेश कर मुंबई के अलग-अलग इलाकों में रह रहे 44 बांग्लादेशी नागरिकों का वर्सोवा पुलिस ने पता लगाया है। पुलिस के अनुसार, चालू वर्ष में वर्सोवा और मुंबई के विभिन्न हिस्सों में की गई कार्रवाई के दौरान इन लोगों की पहचान की गई। यह कार्रवाई उत्तर प्रादेशिक विभाग के उत्तर परिमंडल-1 के अंतर्गत आने वाले वर्सोवा पुलिस थाने की आतंकवाद विरोधी टीम ने की। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में सामने आया कि संबंधित लोगों ने वैध अनुमति या आवश्यक दस्तावेजों के बिना सीमा पार कर भारत में प्रवेश किया और इसके बाद मुंबई के विभिन्न इलाकों में रह रहे थे। पुलिस अब इनके भारत में प्रवेश और यहां रहने से संबंधित दस्तावेजों की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अवैध घुसपैठ से जुड़ी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए वर्सोवा पुलिस की आतंकवाद विरोधी टीम ने जानकारी जुटाई। इसके बाद मुंबई के अलग-अलग इलाकों में जांच और दस्तावेज सत्यापन अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई के दौरान 44 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाया गया। पुलिस ने उनके पहचान दस्तावेजों, भारत में रहने की अनुमति और देश में प्रवेश से संबंधित कागजात की जांच शुरू की है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

छात्र प्रदर्शन पर सियासत गर्म : सीजेपी प्रवक्ता को पाखंडी कहने पर बवाल

रांची (एजेंसी)। झारखंड की राजधानी रांची में छात्र अपनी परीक्षाओं में धांधली के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शनों को सफल बनाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बड़े नेता अभी तक रांची नहीं पहुंचे हैं, हालांकि एआईएसए की नेहा बोरा वहां मौजूद हैं। इस बीच, सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने छात्रों के समर्थन में वीडियो साझा किया, जिसमें रांची में मार्च निकालते हजारों छात्र दिख रहे हैं। इस पोस्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कट्टर समर्थक और बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तीखा तंज कसा। पूनावाला ने सौरव दास को दोमुंहे, सुविधा-संपन्न पाखंडी कहकर सवाल किया कि क्या वे जीके1 से ही समर्थन कर रहे हैं?। यह बयान तब आया है जब रांची में छात्र विधानसभा का घेराव करने के लिए सड़कों पर उतरे हैं। शहजाद पूनावाला बीजेपी छोड़ने के बाद भी लगातार पीएम मोदी के पक्ष में सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहते हैं। सौरव दास ने अपने वीडियो में शाम के समय छात्रों के शांतिपूर्ण मार्च को दर्शाया था, जिस पर यह विवाद छिड़ा है।

पीएम मोदी-सीएम योगी की तस्वीरों से सजाई कांवड़ बनी आकर्षण का केंद्र

-हापुड़ में लोगों ने किया फूल-मालाओं से शिवभक्तों का स्वागत, बरसाए फूल

हापुड़ (एजेंसी)। श्रावण मास में हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे कावड़ियों की आस्था के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। बुलंदशहर जिले के आवास विकास क्षेत्र के रहने वाले शिवभक्तों की एक भव्य कांवड़ आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। कांवड़ को पीएम मोदी और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की तस्वीरों और कटआउट से विशेष रूप से सजाया गया है। हरिद्वार से गंगाजल लेकर बुलंदशहर लौट रहे शिवभक्तों का जत्था रविवार को हापुड़ शहर में पहुंचा। कांवड़ पर सजी तस्वीरों को देखने लोगों की भीड़ जुट गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांवड़ की सजावट और श्रद्धालुओं के उत्साह ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। हापुड़ में प्रवेश करते ही लोगों ने फूल-मालाओं से स्वागत किया। लोगों ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की। बुलंदशहर के रहने वाले शिवभक्तों ने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल गंगाजल लाने की धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आस्था और संस्कारों से जुड़ी यात्रा है। कांवड़ पर पीएम मोदी और सीएम योगी की तस्वीरें लगाने का उद्देश्य आध्यात्म के साथ देश और प्रदेश के प्रति सम्मान की भावना को प्रदर्शित करना है। शिवभक्तों ने कहा कि उनके लिए आध्यात्म और देशभक्ति अलग-अलग नहीं, बल्कि एक-दूसरे से जुड़ी भावनाएं हैं।

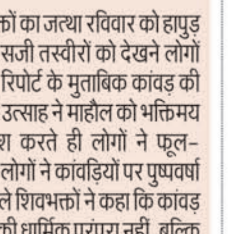

जब तक किरोड़ी लाल के शरीर में जान है, कोई आरक्षण को छू भी नहीं सकता

-राजस्थान के कृषि मंत्री ने आदिवासी महोत्सव में आरक्षण का किया समर्थन

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने एक आदिवासी महोत्सव में आरक्षण का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि जब तक मैं जीवित हूं तब तक आरक्षण को खत्म नहीं किया जा सकता है। मीणा ने आरक्षण खत्म करने की अटकलों को खारिज कर दिया और कहा कि जब तक किरोड़ी लाल के शरीर में जान है, कोई आरक्षण को छू भी नहीं सकता। मंत्री ने आदिवासी युवाओं से नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने और सामाजिक बुराइयों से लड़ने के लिए मिलकर काम करने की अपील भी की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कार्यक्रम के दौरान मीणा के राजनीतिक जीवन और संघर्षों पर आधारित एक किताब भी लॉन्च की गई। किरोड़ी लाल मीणा ने अपने राजनीतिक सफर के बारे में बात करते हुए बताया कि उन्होंने करीब 600 आंदोलनों में हिस्सा लिया है, 17 बार जेल गए हैं और 138 कानूनी मामलों का सामना किया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहेगी। मीणा ने उन हालात का भी जिक्र किया जिनकी वजह से पंच अठाई को मीणा हाई कोर्ट के नाम से जाना जाने लगा। उन्होंने पंचायत से जुड़े एक विवाद का जिक्र किया, जब लगभग 50,000 लोगों की भीड़ दौसा की ओर मार्च कर रही थी, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं।

मीणा के मुताबिक जब भीड़ कई किलोमीटर आगे बढ़ गई, तो प्रशासन ने 14 गांव के बुजुर्गों या पंचों को बुलाया और उन्हें भीड़ के हवाले कर दिया। उन्हें आज भी समझ नहीं आता कि प्रशासन ने ऐसा फैसला क्यों किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता की शक्ति ही सर्वोपरि है और बताया कि इसी संघर्ष ने पंच अठाई को मीणा हाई कोर्ट की पहचान दिलाई। पंचना बांध से पानी का मुद्दा उठाते हुए मीणा ने लंबे संघर्ष के बाद पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के अपने प्रयासों का जिक्र किया। उन्होंने यह भी बताया कि चंबल नदी का पानी दौसा लाने का काम चल रहा है।

पुरानी घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा कि 1985 में उनकी जान जा सकती थी, लेकिन ईश्वर की कृपा से वे बच गए। इस दौरान छात्राओं ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए, जबकि सरकारी कॉलेज के छात्रों ने मीणा संस्कृति को दर्शाने वाले कार्यक्रम पेश किए। मध्य प्रदेश के आदिवासी बच्चों ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, और स्टंट प्रदर्शन कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहे।

एफसीआरए बिल पर कांग्रेस का कड़ा रुख : बताया ईसाई विरोधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र में सरकार द्वारा विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम (एफसीआरए) में संशोधन के लिए नया बिल लाने की चर्चा के बीच, कांग्रेस ने इसका पुरजोर विरोध कर रही है। कांग्रेस ने प्रस्तावित एफसीआरए बिल को ईसाई विरोधी बताया है। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि यह विधेयक देश में काम कर रहे अल्पसंख्यक संगठनों, विशेषकर ईसाई समुदायों द्वारा संचालित दूर-दराज के ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में चल रहे स्कूलों और अस्पतालों को बुरी तरह प्रभावित करेगा। कांग्रेस सांसद हिबी ईडन ने चिंता जाहिर की है कि नए नियमों के तहत जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) या उप-जिला मजिस्ट्रेट (एसडीएम) को उल्लंघन के आरोप में किसी भी संस्था की संपत्ति पर कब्जा करने का अधिकार मिल जाएगा, जिसमें पुराने मामले भी शामिल है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अगर मोदी सरकार जल्दबाजी में बिल लाती है, तब उनका यह सपना पूरा नहीं होने दिया जाएगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस केवल एक विधायी मुद्दा नहीं, बल्कि अल्पसंख्यक वोटर्स को अपने पाले में लाने का एक बड़ा मौका मान रही है। केरल और पूर्वोत्तर के राज्यों के अलावा आंध्र प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों में भी ईसाई आबादी का एक बड़ा हिस्सा है, कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर एकजुट करने की उम्मीद कर रही है। इससे पहले बजट सत्र के दौरान भी कांग्रेस ने इसी मुद्दे पर हंगामा किया था। समाजवादी पार्टी ने भी बिल का विरोध करने का मन बनाया है और अपने सांसदों को संसद में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के लिए पत्र जारी किया है, जिससे यह साफ है कि विपक्ष इस मुद्दे पर एकजुट होकर एनडीए की घेराबंदी करेगा। दरअसल एफसीआरए एक ऐसा कानून है जो भारत में गैर-सरकारी संगठनों और धार्मिक निकायों द्वारा विदेशी फंडिंग के उपयोग को नियंत्रित करता है।

भारत में सैमसंग गैलेक्सी जेड फोल्ड8 सीरीज और नई स्मार्टवॉच की बिक्री शुरू

रांची (एजेंसी)। सैमसंग के आठवीं जेनरेशन के फोल्डेबल स्मार्टफोन गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी जेड फोल्ड8 और गैलेक्सी जेड फ्लिप8 के साथ नए वियरेबल्स गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा2 और गैलेक्सी वॉच9 आज से भारतभर के रिटेल स्टोर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। ग्राहक इन डिवाइसेज को सैमसंग.कॉम, अमेजन और फ्लिपकार्ट से भी खरीद सकते हैं। भारतीय ग्राहकों के बीच नई गैलेक्सी फोल्ड8 सीरीज को शानदार प्रतिक्रिया मिली है। लॉन्च के महज 72 घंटों के भीतर गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी जेड फोल्ड8 और गैलेक्सी जेड फ्लिप8 के लिए सैमसंग को 2.71 लाख प्री-ऑर्डर मिले। गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा में 8 इंच का बड़ा मेन डिस्प्ले है और इसकी मोटाई केवल 4.1 मिमी है, जिससे यह अब तक का सैमसंग का सबसे पतला फोल्ड स्मार्टफोन बन गया है। इसमें एचडीआर के साथ 200एमपी का मुख्य कैमरा और बेहतर नाइटोग्राफी तकनीक वाला नया 50एमपी अल्ट्रा-वाइड लेंस है, जो हर तरह की रोशनी में अधिक डिटेल कैप्चर करता है। यह स्मार्टफोन स्नैपड्रैगन 8 एलिट जेन 5 फॉर गैलेक्सी प्रोसेसर से लैस है। इसमें 5000 एमएएच की बैटरी है, जो 45डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। सिर्फ 201 ग्राम वजन और 4800 एमएएच की बैटरी के साथ गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अब तक का सबसे हल्का गैलेक्सी जेड फोल्ड है। इसका नया फ्लेक्स टाइटैनियम डिस्प्ले स्ट्रक्चर स्क्रीन की क्रीज को कम दिखाई देने वाला बनाता है और मजबूती भी बढ़ाता है। इसका मुख्य डिस्प्ले 3000 निट्स तक की पीक ब्राइटनेस देता है। डुअल 50 एमपी कैमरा सिस्टम, ड्यूअल रिकॉर्डिंग और माई फैनकैम जैसे फीचर्स अलग-अलग परिस्थितियों में कंटेंट शूट और एडिट करना आसान बनाते हैं। फोल्ड होने पर इसका 10:16 कवर स्क्रीन मैसेजिंग, सोशल मीडिया, वेब ब्राउज़िंग और शॉर्ट वीडियो देखने के लिए उपयुक्त है, जबकि अनफोल्ड होने पर 4:3 मेन डिस्प्ले गेमिंग और फिल्में देखने के लिए बड़ा व्यूइंग एरिया देता है, और 16:9 वाले कंटेंट के लिए स्क्रीन का खाली हिस्सा भी कम करता है।

-ममता बनर्जी के काफिले पर हमले पर सियासत तेज

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी बोले- जनता के गुस्से का नतीजा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के हलीशहर में तृणमूल कांग्रेस के मृत कार्यकर्ता के परिजन से मिलने जा रहीं ममता बनर्जी के काफिले के विरोध को लेकर सियासत तेज हो गई है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को दावा किया कि विरोध प्रदर्शन भारतीय जनता पार्टी के किसी कार्यकर्ता ने नहीं किया, बल्कि यह जनता के भारी गुस्से का नतीजा था। उन्होंने कहा कि मौके पर न तो भाजपा का कोई कार्यकर्ता मौजूद था और न ही पार्टी का झंडा दिखाई दिया। हलीशहर जाते समय प्रदर्शनकारियों ने ममता बनर्जी के वाहन को घेर लिया और उनके खिलाफ नारेबाजी की। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने उनकी कार पर कीचड़, जूते और पत्थर भी फेंके। ममता बनर्जी उस तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रही थीं, जिसकी कथित तौर पर पुलिस हिरासत में मौत हुई थी।

शुभेंदु अधिकारी ने घटना में भाजपा की किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार करते हुए ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के खिलाफ लोगों में नाराजगी है और इसी वजह से उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। अधिकारी ने आरजी कर मामले की पीड़िता को लेकर भी ममता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ममता को पीड़िता के परिवार से मिलकर माफी मांगनी चाहिए थी। अधिकारी ने कहा कि पीड़िता की मां हालिया विधानसभा चुनाव में भाजपा विधायक चुनी गई हैं। उन्होंने ममता बनर्जी से सवाल किया कि वह पीड़िता की दूसरी बरसी पर उसके परिवार से मिलने क्यों नहीं गईं। ममता बनर्जी ने अपने काफिले पर हुए विरोध के लिए भाजपा समर्थकों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि दिवंगत तृणमूल कार्यकर्ता के परिवार को भाजपा समर्थकों की ओर से धमकाया जा रहा था। ममता ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य सरकार के इशारे पर पुलिस बल का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने ममता बनर्जी के काफिले पर कथित हमले की निंदा की। उन्होंने भाजपा पर राज्य में अराजकता और भय का माहौल पैदा करने का आरोप लगाया और इसे बदले की राजनीति का गंभीर उदाहरण बताया। घटना के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। जहां भाजपा इसे जनता के आक्रोश से जोड़ रही है, वहीं ममता बनर्जी और विपक्षी दल इसे राजनीतिक हिंसा और बदले की कार्रवाई बता रहे हैं।

अरुणाचल पर चीन का 'नक्शा विस्तारवाद' : पूर्व विदेश सचिव भड़के

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिबल ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के निरंतर दावों और भारतीय स्थानों को बार-बार काल्पनिक नाम देने की उसकी रणनीति पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। सिबल ने चीन की इस हरकत को 'कार्टोग्राफिक टेरिटोरियल एक्सपैंशनिज्म' यानी नक्शों के जरिए क्षेत्रीय विस्तारवाद बताया है। उन्होंने कहा कि चीन मनगढ़ंत नाम देकर अपने दावों को मजबूत करने की कोशिश करता है। पूर्व विदेश सचिव सिबल ने भारत द्वारा अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं के नाम आधिकारिक तौर पर तय करने को चीन की इस विस्तारवादी नीति का करारा जवाब बताया। उन्होंने भारत के सर्वे ऑफ इंडिया के आधिकारिक नक्शों को अपडेट करने और स्थानों को मानकीकृत करने का सीधा परिणाम बताया।

पूर्व विदेश सचिव सिबल ने तिब्बत का जिक्र किया। उन्होंने याद दिलाया कि भारत ने चीनी सेना के तिब्बत पर कब्जे को स्वीकार किया था, लेकिन इसके बावजूद चीन संतुष्ट नहीं है और अब वह भारत के साथ लगते अतिरिक्त इलाकों पर दावा कर रहा है। पूर्व विदेश सचिव सिबल ने कहा कि तिब्बत पर नियंत्रण के बाद चीन पहली बार सीधे भारत के साथ सटा और तभी से वह भारतीय क्षेत्र पर अपनी नज़र गड़ाए हुए है। उन्होंने चीन की क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं को केवल भारत तक सीमित न मानते हुए छोटे देश भूटान का भी उल्लेख किया, जिसे चीन ने अपने क्षेत्रीय दावों से नहीं बख्शा है।

यह बयान तब आया है जब चीनी विशेषज्ञों ने अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों के नाम तय करने के भारत के फैसले पर आपत्ति जताई है। चीनी पक्ष ने भारत के इस कदम को 'खुद को भ्रम में रखने वाला' बताया है और चेतावनी दी है कि इससे दोनों देशों के संबंधों में सुधार की कोशिशें बाधित हो सकती हैं, साथ ही सीमा विवाद सुलझाने की प्रक्रिया भी मुश्किल हो सकती है। हालांकि, सिबल का मानना है कि भारत का यह कदम चीन की विस्तारवादी नीति के विरुद्ध एक ठोस और आवश्यक प्रतिक्रिया है।

2 सितंबर को राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक में नए सीईओ की होगी नियुक्ति

पूर्णकालिक महासचिव पर भी बनेगी सहमति, फिर होगी छंटनी और नई नियुक्ति

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में अब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सीईओ की प्रतीक्षा होने लगी है। 2 सितंबर को प्रस्तावित ट्रस्ट की बैठक में नए सीईओ की नियुक्ति हो सकती है। इसी बैठक में ट्रस्ट को पूर्णकालिक महासचिव का भी चयन किया जाएगा। यही कारण है कि अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन ट्रस्ट कर्मियों का आंतरिक स्थानांतरण करके और लगातार निगरानी बढ़ाकर मंदिर की कई व्यवस्थाओं का संचालन तो करा रहे हैं, लेकिन अभी किसी की नई नियुक्ति या छंटनी नहीं की है।

हालांकि यह अवश्य है कि अंदरखाने पूर्व पदाधिकारियों के करीबियों व रिश्तेदारों को चिह्नित कर लिया गया है। चढ़ावे की धनराशि में चोरी सामने आने और दो ट्रस्टियों के त्यागपत्र के बाद ट्रस्ट कर्मियों और सेवादारों में बड़ी हलचल है। एसआइटी और पुलिस जांच जारी रहने से कई कर्मचारी काम तो कर रहे हैं, लेकिन उनमें भय है। इनमें अधिकांश ऐसे कर्मी हैं, जिनकी नियुक्तियां पूर्व पदाधिकारियों ने ही की थी। सूत्रों का कहना है कि ज्यादातर नियुक्तियां पूर्व पदाधिकारियों की ही सिफारिश पर होने के कारण अभी किसी को

निकाला नहीं जाएगा।

माना जा रहा कि अचानक बड़ी संख्या में कर्मियों की छंटनी से मंदिर की व्यवस्थाओं के संचालन की मुश्किल खड़ी हो जाएगी। यही वजह है कि 2 सितंबर की बैठक का इंतजार किया जा रहा है। बैठक में सीईओ और पूर्णकालिक महासचिव के नाम पर सहमति बन जाएगी, तो महासचिव के निर्देशन में नए सीईओ अपने मुताबिक कई पदों पर नियुक्तियां करेंगे। सहयोगी के रूप में अपना अलग स्टाफ रखेंगे, जिससे मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान की जा सकें और व्यवस्थाओं का सुचारू ढंग से संचालन हो सके। एक पदाधिकारी ने बताया कि आगामी बैठक में ही ट्रस्ट के प्रवक्ता और सचिव की भी नियुक्ति होगी। इसके साथ चयन समिति की ओर से प्रस्तुत तीन नामों के पैनल पर विचार-विमर्श कर मुख्य कार्यकारी अधिकारी और किसी ट्रस्टी को पूर्णकालिक महासचिव का पद भी दिया जाएगा।

पहले रविदासजी के गुरुघर पर बुलडोलर चलाया अब उनके नाम पर कर रहे राजनीति

-मायावती ने समाज को बीजेपी और आप की राजनीति से सतर्क रहने की अपील की

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने संतगुरु श्री रविदास के तुगलकाबाद स्थित गुरुघर को 2019 में ढहाए जाने और इसके विरोध में हुए आंदोलन का मुद्दा उठाते हुए बीजेपी और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पंजाब चुनाव नजदीक आते ही बीजेपी संतगुरु श्री रविदासजी के नाम पर कलश यात्रा निकालकर समाज को उनके बेगमपुरा के लक्ष्य से भटकाने की कोशिश कर रही है। मायावती ने समाज को बीजेपी और आप की राजनीति से सतर्क रहने की अपील करते हुए संत रविदासजी के सम्मान, समानता और न्याय के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। मायावती ने एक्स पर लिखा- जैसा कि विदित है कि 10 अगस्त 2019 को दिल्ली के तुगलकाबाद में संतगुरु श्री रविदासजी के पवित्र गुरुघर को बुलडोजर और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में ढहा दिया गया। इसके विरोध में देशभर की संगत जब लोकतांत्रिक ढंग से सड़कों पर उतरी तो तब उन्हें लाठीचार्ज, आंसू गैस, गिरफ्तारियां और मुकदमों आदि का सामना करना पड़ा। काफी लोगों को जेल भी जाना पड़ा। मायावती ने कहा कि गुरुघर की भूमि भी छीन ली गई और आज भी संगत को लोहे के अस्थायी टीन शेड में अपने गुरुजी को माथा टेकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यह स्थिति करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करती है और आज भी समाज की स्मृति में अंकित है। उन्होंने लिखा- अब पंजाब चुनाव नजदीक आते ही वही बीजेपी रविदासजी के नाम पर कलश यात्रा निकालकर गुरुजी के बेगमपुर शहर के लक्ष्य से समाज को भटाकने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे में समाज बीजेपी और आम आदमी पार्टी की राजनीति से सतर्क रहें। पराधीनता का अंत और बेगमपुरा का संकल्प संतगुरु श्री रविदासजी सम्मान यात्रा जो तुगलकाबाद से धलेता गांव तक पहुंच रही है, जिसमें समूह संगत सादर आमंत्रित हैं।

भारत ने 4,800 बांग्लादेशियों को किया डिपोर्ट, ढाका कह रहा- सिर्फ 73 ही आए

- सीमा पर अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई के आंकड़ों में बड़ा अंतर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर भारत-बांग्लादेश के आंकड़ों में बड़ा अंतर सामने आया है। भारत की ओर से जहां पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार बनने के बाद करीब 4,800 लोगों को डिपोर्ट किए जाने का दावा किया गया है, वहीं बांग्लादेश का कहना है कि 2026 में अब तक उसने केवल 73 लोगों को ही स्वीकार किया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि दोनों देशों के आंकड़ों में इतना अंतर क्यों और बाकी लोगों को कहां रखा गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोलकाता से करीब 90 किलोमीटर दूर हाकिमपुर चेकपोस्ट पर सीमा सुरक्षा बल द्वारा वाहनों को रोककर दस्तावेज और पहचान पत्रों की जांच की जा रही है। हालांकि, सीमा पर बांग्लादेश जाने वाले लोगों की कोई बड़ी भीड़ दिखाई नहीं दे रही है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक पकड़े गए संदिग्ध लोगों को सीधे सीमा पर नहीं लाया जाता, बल्कि पहले होल्डिंग सेंटर भेजा जाता है। हाकिमपुर चेकपोस्ट पर तैनात एक बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि कार्रवाई शुरू होने के शुरुआती दौर में सीमा पर काफी भीड़ थी। उस समय सप्ताह में करीब 10-15 बांग्लादेशियों को वापस भेजे जाने की बात कही गई, लेकिन अब कई-कई सप्ताह तक कोई व्यक्ति डिपोर्टेशन के लिए सीमा पर नहीं पहुंचता है।

अधिकारी के मुताबिक सरकार बदलने के बाद एक समय करीब 200 लोगों को सीमा के रास्ते वापस भेजा गया था। वहीं अन्य लोगों को उत्तर 24 परगना जिले में बनाए गए तीन अस्थायी होल्डिंग सेंटरों में भेज दिया गया। हाकिमपुर के अलावा पेट्रापोल और महदीपुर चेकपोस्ट पर भी इसी तरह की स्थिति नजर आई। वहां बांग्लादेश जाने वाले लोगों की कतारें या बड़ी भीड़ नहीं मिली। अधिकारियों के मुताबिक इसका एक प्रमुख कारण प्रक्रिया में बदलाव है। अब कार्रवाई के बाद लोगों को सीधे बॉर्डर पर लाने के बजाय पहले होल्डिंग सेंटर में रखा जाता है। वहां उनकी पहचान और अन्य कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाती है। इसके बाद ही उन्हें सीमा तक ले जाकर डिपोर्टेशन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाती है। जानकारी के मुताबिक राज्य में बनाए गए 11 होल्डिंग सेंटरों में 300 से ज्यादा लोग रखे गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक आंकड़ों को लेकर विवाद तब और बढ़ा जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 28 मई को दावा किया था कि सरकार बनने के बाद रोजाना 5,000 से 10,000 बांग्लादेशी वापस जा रहे हैं। इसके बाद 8 जून को सीएम सुवेंदु अधिकारी ने करीब 4,800 लोगों के डिपोर्ट किए जाने की बात कही थी। इसके विपरीत बांग्लादेशी अधिकारियों के आंकड़े इन दावों से काफी

अलग हैं। ढाका का कहना है कि 2026 में अब तक केवल 73 लोगों को ही स्वीकार किया गया है। 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर दोनों देशों के आंकड़ों में यह अंतर अब जांच और राजनीतिक बहस का विषय बन गया है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902